@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 12 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 204 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

वाराणसी में हारते-हारते बचे हैं पीएम मोदी: राहुल

लखनऊ, 11 जून। राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। वहां वह रायबरेली और अमेठी की जनता को धन्यवाद देने के लिए गए थे। अपने भाषण में राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी से कैसे भी जान बचाकर भागकर आए हैं। वो वहां से हारते-हारते बचे हैं। मैं अपनी बहन से कहता रहा हूं कि यदि वह वहां से लड़ जाती तो पीएम दो ढाई लाख वोटो से हार जाते। उनकी इस बात पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। फैजाबाद सीट पर भाजपा के हारने पर राहुल गांधी ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ये अध्योध्या की सीट हार गए हैं। इसके मतलब साफ हैं। मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अरबपति लोग बुलाए गए, पूरा बॉलीवुड आया। अंबानी और अडानी आए लेकिन एक गरीब व्यक्ति को वहां आमंत्रित नहीं किया गया। इसके जवाब उस क्षेत्र की जनता ने दिया है। जनता ने अपना महत्व बताया है। राहुल गांधी ने कहा कि आपने देखा होगा कि इस बार मोदी ने संविधान को हाथों से उठाकर माथे पर लगाया है। आपने अपनी ताकत का एहसास उन्हें करा दिया है। यह इशारा दे दिया है कि वह संविधान को जरा सा भी छुएंगे तो जनता उनके साथ क्या करेगी। राहुल गांधी ने यह बात इसलिए कही क्योंकि इस बार पीएम मोदी के जीतने का अंतर पिछले दो चुनावों की तुलना में काफी कम हो गया। पीएम मोदी वाराणसी सीट से करीब डेढ़ लाख वोटों से जीते हैं।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब: सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 11 जून। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 के रिजल्ट में धांधली को लेकर छात्र काफी नाराज चल रहे हैं। अब नीट की प्रवेश परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, जिस पर आज सुनवाई हो रही है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। नीट यूजी प्रश्नपत्र लीक होने की खबरों के बीच अभ्यर्थियों के एक समूह ने नए सिरे से एनईईटी-यूजी 2024 परीक्षा कराने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया। गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की है कि नीट यूजी 2024 रिजल्ट को वापस लिया जाए और फिर से परीक्षा कराई जाए। बता दें, नीट परीक्षा पांच मई को हुई थी और चार जून को रिजल्ट आया था। तभी से कई शिकायतें सामने आई, जिसमें पेपर लीक की बातें कही गईं। मंगलवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट से छात्रों को भी झटका लगा है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाशकालीन पीठ ने एमबीबीएस, बीडीएस और अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पास उम्मीदवारों की काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर

दिया। वहीं परीक्षा रद्द करने से भी मना कर दिया। अवकाश पीठ ने एनटीए से कहा, यह इतना भी आसान नहीं है, क्योंकि आपने यह कराया है, इसलिए इसकी पूरी प्रक्रिया पर अंगुली नहीं उठाई जा सकती। पवित्रता पर असर पड़ा है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता मैथ्यू जे नेदुमपारा ने पीठ से काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने का अनुरोध किया। हालांकि, शीर्ष अदालत ने काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई के लिए आठ जुलाई का समय दिया। पीठ ने कहा, काउंसलिंग शुरू होने दीजिए, हम काउंसलिंग नहीं रोक रहे हैं। परीक्षा की मांग करने वाली याचिकाओं पर पीठ ने एनटीए को नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि परीक्षा की शुचिता प्रभावित हुई है, इसलिए एनटीए को जवाब देने की जरूरत है। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा देश भर के सरकारी और निजी संस्थानों में एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष और अन्य संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है। शीर्ष अदालत ने शिवांगी मिश्रा और अन्य द्वारा दायर याचिका को लंबित याचिका के साथ जोड़ दिया और एनटीए से इस बीच जवाब दाखिल करने को कहा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नीट-यूजी, 2024 कदाचार से भरा हुआ है, क्योंकि पेपर लीक के विभिन्न मामले याचिकाकर्ताओं के संज्ञान में आए हैं।

सोशल मीडिया से हटा लें मोदी का परिवार: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 11 जून। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद लगातार तीसरी बार केंद्र में अब एनडीए की सरकार है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर अपने नाम के आगे मोदी का परिवार लिखने वाले समर्थकों का आभार जताया है और साथ ही उनसे अब इसे हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, चुनावी अभियान के दौरान देशभर के लोगों ने मेरे प्रति स्नेह जताते

हुए अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मोदी का परिवार जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत की जनता ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है और हमें अपने देश की भलाई के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। उन्होंने कहा, हम सभी के एक परिवार होने का संदेश दिए जाने के बाद मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देता हूं और आग्रह करता हूं कि अब आप अपने सोशल मीडिया अकाउंट से मोदी का परिवार हटा दें। डिसप्ले का नाम बदल सकता है। लेकिन भारत की प्रगति के लिए प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट बना हुआ है।

नायडू और नीतीश असंतुष्ट आत्माएं: संजय राउत

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 11 जून। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने मंगलवार को दावा किया कि एनडीए में भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू असंतुष्ट आत्माएं हैं। मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शरद पवार को भटकती आत्मा से तुलना किए जाने पर कहा कि ये भटकती आत्मा जब तक भाजपा नीत सरकार को केंद्र और महाराष्ट्र से नहीं हटा देती, तब तक आराम से नहीं बैठेगी। संजय राउत का यह बयान सरकार में मंत्रालयों के बंटवारे के बाद सामने आया है। राउत ने कहा अगर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को लगता है कि केंद्र की एनडीए सरकार देशहित में नहीं है तो उन्हें इसे गिरा देना चाहिए। शिवसेना यूबीटी नेता ने तंज कसते हुए कहा केंद्र में दो अतृप्त आत्माएं हैं, नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू। आपको (भाजपा) पहले इन दो अतृप्त आत्माओं को संतुष्ट करना चाहिए। जिस तरह से विभागों का बंटवारा हुआ है, उससे लगता है कि ये आत्माएं असंतुष्ट हैं। उन्होंने

कहा विभाग बंटवारे के तहत बुधवार को जदयू के ललन सिंह को पंचायती राज, मतस्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय दिया गया है। वहीं टीडीपी के राम मोहन नायडू को नागरिक उड्डयन मंत्रालय दिया गया है। जेडीएस को कुमारस्वामी को सबसे खारिज मंत्रालय दिया है। गौरतलब है कि कुमारस्वामी को भारी उद्योग और इस्पात मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा ने सारे अहम विभाग अपने पास रखे हैं। मोदी सरकार की कैबिनेट में एक भी मुस्लिम मंत्री के न होने पर संजय राउत ने कहा कि यह संविधान के खिलाफ है। मोदी ने चुनाव के दौरान ही साफ कर दिया था कि वे देश में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच दरार डालना चाहते हैं। उन्हें लगता है कि मुसलमानों ने भाजपा को वोट नहीं दिया है, इसलिए वे कैबिनेट में नहीं हैं। राउत ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में कोई जान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इन पार्टियों का गठन डर के कारण और शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) को कमजोर करने के उद्देश्य से किया गया था।

भाजपा ने रविशंकर प्रसाद और तरुण चुघ को बनाया केंद्रीय पर्यवेक्षक

नई दिल्ली, 11 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसदीय बोर्ड ने अरुणाचल प्रदेश में पार्टी विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सांसद रविशंकर प्रसाद और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्ति किया है। हाल के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला है। राज्य की साठ विधानसभा सीट में से भाजपा ने 46 पर जीत दर्ज की। जबकि नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने पांच सीट हासिल कीं। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने तीन, पीपुल्स पार्टी ऑफ अरुणाचल ने दो, कांग्रेस ने एक और निर्दलीयों ने तीन सीट पर जीत हासिल कीं। इससे पहले भाजपा अरुणाचल प्रदेश प्रमुख बियुराम वाहगे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री पेमा खांडू और बाकी के विधायक और भाजपा नेता केंद्र सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होन के लिए (नई दिल्ली) गए हुए हैं। हम उनके और हाईकमान की तरह से किसी पर्यवक्षेक का इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही वह यहां आते हैं और नए विधायकों के साथ मिलकर विधायक दल के नेता का चुनाव कर लेते हैं, वैसे ही शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू की जाएंगी। फिलहाल कोई तारीख तय नहीं हुई है। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल कैवल्य परनायक ने 2 जून को विधानसभा भंग कर दी थी और मुख्यमंत्री पेमा खांडू को नई सरकार के पदभार ग्रहण करने तक मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के लिए कहा था। वहीं, पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में प्रेम सिंह तमांग लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। उन्होंने सोमवार को गंगटोक के पल्जोर स्टेडियम में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

बालियान अपने व्यवहार के कारण हारे: संगीत सोम

कौमी संवाददाता

मेरठ, 11 जून। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ संजीव बालियान द्वारा उनकी जयचंद के कारण हुई हार वाले बयान पर सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम ने जवाब देते हुए कहा कि संजीव बालियान खुद अपने व्यवहार के कारण हारे हैं। मेरठ कैंट स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने कहा कि डॉ. संजीव बालियान सरधना विधानसभा में नहीं हारे, उन्हें बराबर वोट मिले हैं। संजीव बालियान खुद अपने घर की विधानसभा बुढ़ाना और चरथावल में हारे हैं। शहर विधानसभा सीट पर जहां भाजपा हमेशा से ही 70000 तक की लीड करती थी। वहां मात्र 800 वोट ही लीड कर सके हैं। उन्होंने कहा कि शहर के नई मंडी क्षेत्र में जहां भाजपा हमेशा जीती थी। वहां समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी जीता है। संजीव बालियान को इस पर भी मंथन करना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के आने पर प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में

संजीव बालियान के साथ ही हुई वार्ता में मुझे कहा गया था कि वह सरधना सीट देखें, बाकी सीटों पर ना ध्यान दें। मैंने चुनाव में सरधना सीट पर ध्यान दिया और इस सीट पर बराबर वोट मिले हैं। खतौली विधानसभा में भी कम वोट मिले हैं। संगीत सोम ने कहा कि मेरा संजीव बालियान के साथ कोई वैचारिक मतभेद नहीं है वह भी पार्टी कार्यकर्ता है और मैं भी पार्टी कार्यकर्ता हूं दोनों पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। संजीव बालियान की मुझसे बात करने की हैसियत नहीं है? इस बयान के सवाल के जवाब में संगीत सोम ने कहा कि संजीव बालियान ने मुझ पर विनाश की राजनीति करने का आरोप लगाया था। उस संबंध में उन्होंने यह बयान दिया था। संगीत सोम ने कहा कि बालियान को संगठन और पार्टी से संबंधित जो बातें करनी है। वह पार्टी नेतृत्व के साथ करनी चाहिए प्रेस में नहीं करनी चाहिए। संगीत सोम ने कहा कि मेरी और संजीव बालियान के बीच कोई लड़ाई नहीं है। दोनों ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता है। चुनाव में सपा प्रत्याशी के समर्थन में काम करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के साथ कैसे काम कर सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने उसे जेल भिजवाया था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पार्टी को मिली हार के बारे में उन्होंने कहा कि वोटो का बंटवारा पार्टी की हार का कारण बना है। संगीत सोम की प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों को प्रेस नोट बांटे गया, जिसमें पूर्व राज्य मंत्री डॉ संजीव बालियान पर संगीन आरोप लगाए गए हैं। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान अकूत संपत्ति अर्जित करने का भी आरोप लगाया है। संगीत सोम के लेटर पैड से प्रेस नोट बांटे गए। इस पर संगीत सोम का कहना है कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है कि इस दौरान कौन यहां पर आकर यह प्रेस नोट बांट गया। उन्होंने ऐसे प्रेस नोट नहीं बांटे। इसकी वह जांच करेंगे सीसीटीवी फुटेज भी दिखाएंगे।

पापा! आतंकी हमला हुआ है...

गोरखपुर, 11 जून। गोरखपुर के खोराबार इलाके के भैरोपुर निवासी प्रेमचंद कन्नौजिया के मोबाइल फोन पर रविवार शाम पांच बजे जम्मू से उनके बेटे सौरभ उर्फ शनि का फोन आया। बेटे ने कहा-पापा! आतंकी हमला हो गया है, चारों तरफ गोलियां चल रही हैं, हमारी बस खाई में पलट गई है। मैं जंगल में छिपकर आपसे बात कर रहा हूं। यह सुनते ही प्रेमचंद के होश उड़ गए थे। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के वैष्णो देवी से रियासी जा रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर रविवार को आतंकवादियों ने हमला कर दिया था। इसमें 9 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, 41 घायल हो गए। इसमें भैरोपुर निवासी प्रेमचंद कन्नौजिया का परिवार और उनके पुर्दिलपुर के रिश्तेदार भी घायल हो गए। चार जून को दोनों परिवार के 14 लोग जम्मू माता वैष्णो देवी का दर्शन करने एक साथ निकले थे। प्रेमचंद कन्नौजिया ने बताया कि चार जून को उनकी पत्नी गायत्री, सौरभ उर्फ शनि, बेटी आरोही और उनके ससुराल पक्ष के गोलघर काली मंदिर पुर्दिलपुर निवासी राजेश, उनकी पत्नी रिक्सोना, सोनी समेत पांच अन्य सदस्य वैष्णो देवी मंदिर दर्शन करने गए थे। पूजा-अर्चना के बाद शिवखोड़ी दर्शन करने पहुंचे। रविवार को शाम 4:30 बजे कटरा लौट रहे थे। पहाड़ी क्षेत्र में बस पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया। चालक को गोली लगने से बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। बस खाई में गिरने के कारण गायत्री देवी, राजेश, रिक्सोना और सोनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्रेमचंद का बेटा शनि भी बस में बैठा था, लेकिन वह बाल-बाल बच गया। अन्य बच्चे हमले के समय गेस्ट में हाउस में थे, इस वजह से सुरक्षित बच गए। चारों घायलों का इलाज जम्मू में चल रहा है।

मोहन माझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

सौरभ शर्मा

भुवनेश्वर, 11 जून। ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? इस सवाल का जवाब अब सामने आ गया है। भारतीय जनता पार्टी ने तय कर दिया है कि मोहन चरण माझी को ओडिशा का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। बता दें कि ओडिशा के सीएम के चयन के लिए भाजपा आलाकमान ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। मोहन माझी बुधवार को शपथ लेंगे। उनके साथ राज्य के डिप्टी सीएम के रूप में केवी सिंह देव और प्रवती परिदा भी शपथ लेंगे। मोहन चरण माझी ने इस बार विधानसभा चुनाव में क्योंझर विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। ये पहली बार नहीं है, जब उन्होंने इस सीट से जीत हासिल की हो। इससे पहले भी तीन बार वे क्योंझर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और जीते। मोहन चरण माझी का जन्म वर्ष 1972 ओडिशा के क्योंझर जिले के रायकलां में हुआ था। शुरुआती शिक्षा-दीक्षा लेने के बाद उन्होंने अपने सियासी सफरनामे की शुरुआत सरपंच के रूप में की। इसके बाद वे धीरे धीरे राजनीति से जुड़ते गए और भारतीय जनता पार्टी का

दामन थाम लिया। धीरे धीरे उनकी गिनती ओडिशा में भाजपा के कद्दावर आदिवासी नेता के रूप में होने लगी। वर्ष 2000 में माझी क्योंझर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी चुने गए और जीत हासिल की। इसके बाद वर्ष 2009 में भाजपा ने फिर से मोहन चरण माझी पर भरोसा जताया। वे क्योंझर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े और जीते। 2019 में एक बार फिर से क्योंझर विधानसभा सीट से मांझी ने भाजपा के टिकट पर जीत हासिल की। मोहन चरण माझी 2024 में चौथी बार क्योंझर विधानसभा से जीत हासिल की। इस बार चुनाव में मोहन चरण माझी को कुल 87815 वोट मिले और उन्होंने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी बीजू जनता दल की मीना माझी को 11577 वोटों के बड़े अंतर से मात दी। चुनाव आयोग को दिए हलफनामे के अनुसार माझी और उनके परिवार की कुल चल और अचल संपत्ति की कीमत 1.97 करोड़ रुपये है। चार बार एक ही विधानसभा क्षेत्र से जीत हासिल करने वाली माझी पर इस बार भारतीय जनता पार्टी ने भरोसा जताया और उन्हें ओडिशा का 15वां मुख्यमंत्री नियुक्त किया है। आपको बता दें कि इस बार ओडिशा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने राज्य में बीजू जनता दल के विजयरथ को रोका और बड़ी जीत दर्ज की। 78 सीटों र जीत हासिल कर भारतीय जनता पार्टी ओडिशा में सबसे बड़ा दल बनकर उभरी।

बारामती से अजित के खिलाफ लड़ेंगे युगेंद्र: शरद पवार

मुंबई, 11 जून। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के कुछ कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रमुख शरद पवार से अपने पोते युगेंद्र को बारामती से

चुनावी मैदान में उतारने का अनुरोध किया। बता दें कि महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाला है। बारामती क्षेत्र से महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजित पवार के खिलाफ युगेंद्र को मैदान में उतारने का अनुरोध किया गया है। लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को बारामती क्षेत्र से शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के हाथों हार का सामना करना पड़ा। सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा पवार के खिलाफ 158333 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। इस क्षेत्र से सुनेत्रा पवार की हार के बाद से ही महाराष्ट्र की राजनीति दिलचस्प मोड़ ले चुकी है। बता दें कि युगेंद्र महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान श्रीनिवास पवार अपने चाचा शरद पवार के साथ थे। उन्होंने बारामती क्षेत्र से सुप्रिया सुले के खिलाफ सुनेत्रा पवार को मैदान में उतारने के लिए अजित पवार की आलोचना भी की थी। मंगलवार को शरद पवार बारामती पहुंचे। एक वीडियो में पार्टी के कार्यकर्ताओं को यूगेंद्र के पीछे खड़े होने का आग्रह करते हुए दिखाया गया। इस दौरान भीड़ को यह कहते हुए सुना गया कि वे दादा को बदलना चाहते थे। दरअसल, युगेंद्र और अजित दोनों को ही दादा कहकर पुकारा जाता है। पार्टी के एक कार्यकर्ता ने कहा, यह हमारी इच्छा है कि दादा (युगेंद्र पवार) को उम्मीदवारी दी जानी चाहिए। एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान उनके काम को देखते हुए उन्हें बारामती से टिकट दिया जाना चाहिए। युगेंद्र ने बारामती के कुछ क्षेत्रों में पानी की कमी के मुद्दे पर बात भी की।

सतह पर आया भाजपा-आरएसएस का तनाव!

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 11 जून। लोकसभा चुनाव बीतने के बाद भाजपा और आरएसएस का तनाव सतह पर आ गया है। मणिपुर में हो रही हिंसा को शांत करने में असफलता और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा उपयोग की गई अभद्र भाषा पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान इसी तरफ इशारा कर रहा है कि दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक ठाक नहीं है। इसके ठीक बाद संघ का मुखपत्र मानी जाने वाली एक पत्रिका में छपे एक लेख ने इस तनाव पर पड़े सभी पर्दे हटा दिए हैं। लेख में आरोप लगाया गया है कि चुनावों के दौरान भाजपा नेता-कार्यकर्ता आरएसएस नेताओं-कार्यकर्ताओं से सहयोग लेने के लिए नहीं पहुंचे। इसके बाद सियासी गलियारे में खलबली मच गई है। दरअसल, काफी लंबे समय से इस बात के संकेत मिल रहे थे कि दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक ठाक नहीं है। इसका सबसे पहला संकेत तब मिला था जब आरएसएस ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था। संगठन लगभग दो साल से इस बात की योजना बना रहा था कि संघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने पर 2025 में पूरे देश में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए संघ को देश के सभी गांवों तक ले जाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया था। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही थी। लेकिन अचानक ही संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अप्रैल में नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा कर दी थी कि संघ अपने जन्मशती के कार्यक्रम को भव्य तरीके से नहीं मनाएगा। उन्होंने कहा कि संघ बेहद सादगीपूर्ण तरीके से सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करता है, संघ के स्वयंसेवक यह काम करते रहेंगे। लेकिन संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर कोई भव्य कार्यक्रम नहीं आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन तनावों को कभी सतह पर नहीं आने दिया। लेकिन उनके एक बयान की काफी चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने कह दिया था कि भाजपा अब काफी परिपक्व हो चुकी है और उसे अब आरएसएस के सहयोग की आवश्यकता नहीं है। नड्डा का यह बयान बेहद संतुलित संदर्भों में था, लेकिन इसका आशय यही निकाला गया कि भाजपा-आरएसएस में तनाव ज्यादा है। पार्टी को इसका नुकसान भी उठाना पड़ा। लोकसभा चुनावों के पहले संघ के बेहद वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चुनावों को लेकर पार्टी के साथ समन्वय करने की कोशिश

की थी। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार ने चुनावों की घोषणा से पूर्व ही गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष के साथ भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में लगातार पांच दिन तक मैराथन बैठकें की थीं। कहा गया था कि संगठन के शीर्ष नेता देश की एक-एक सीट का गंभीर आकलन कर हर लोकसभा चुनाव के अनुसार अलग रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसका उद्देश्य चुनाव में 400 सीटों के असंभव से लक्ष्य को हासिल करना बताया गया था। इसी तरह की बैठकें राज्यों के स्तर पर भी किए गए थे। लेकिन संघ सूत्रों का कहना है कि इस बार भाजपा के कार्यकर्ता संघ के पदाधिकारियों से अपेक्षित सहयोग करने के लिए तैयार नहीं थे। कई सीटों पर भाजपा नेताओं को सब कुछ ठीक न होने की जानकारी भी दी गई थी, लेकिन इस पर समय रहते कोई एक्शन नहीं लिया गया। उलटे जिन उम्मीदवारों के बारे में संघ से नकारात्मक संकेत दिए गए थे, उन्हें भी टिकट पकड़ा दिया गया। पार्टी को इसका चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ा। संघ सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनावों के पूर्व ही भाजपा नेतृत्व को यूपी में संगठन और सरकार में सब कुछ ठीक न होने की जानकारी दे दी गई थी। चुनाव के बीच भी सरकार और संगठन के आपसी तालमेल के बिगड़ने की जानकारी पार्टी नेतृत्व को दे दी गई थी। लेकिन इसके बाद भी इसे सुधारने की कोशिश नहीं की गई। उलटे भाजपा के कुछ शीर्ष नेताओं के बयानों ने स्थिति को और ज्यादा उलझाने का ही काम किया।

अमेरिका ने यूक्रेन की राष्ट्रवादी बटालियन अज़ोव को हथियारों की आपूर्ति पर प्रतिबंध हटाया

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन की अज़ोव बटालियन को हथियारों की आपूर्ति पर प्रतिबंध हटा दिया है। वाशिंगटन पोस्ट अखबार ने विदेश विभाग के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशासन ने लीही कानून के अनुपालन के लिए विभाग के निरीक्षण को पारित कर दिया है। यह कानून गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के दोषी विदेशी इकाइयों को अमेरिकी सैन्य सहायता के प्रावधान पर रोक लगाता है।

पश्चिमी तट में इजरायली सेना की गोलीबारी में 4 फिलिस्तीनियों की हुई मौत, हमला अब भी जारी

रामल्लाह। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि पश्चिमी तट के शहर रामल्लाह के कफ्र निमाह गांव में इजरायली सेना की गोलीबारी में चार फिलिस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी के अनुसार, सोमवार को एक इजरायली विशेष बल ने गांव के पास एक वाहन पर गोलीबारी की और फिर गांव में घुसने के लिए आगे बढ़े, जिसके बाद वहां टकराव शुरू हो गया। आधिकारिक फिलिस्तीनी आंकड़ों के हवाले से बताया कि अक्टूबर 2023 से लेकर अब तक पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में इजरायली सेना द्वारा 530 से अधिक फिलिस्तीनियों की हत्या की गई है। हमास ने पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल पर अचानक हमला कर दिया था। उस हमले में 1,200 लोग मारे गये थे और 200 से ज्यादा को बंधक बना लिया गया था। उसके बाद से इजरायल ने गाजा पट्टी पर बड़े पैमाने पर जवाबी हमला किया है जो अब भी जारी है।

पाकिस्तान में जीप नदी में गिरी, छह की मौत, सात घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मुजफ्फराबाद के नीलम घाटी जिले के ताओबत इलाके में सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 7 अन्य घायल हो गए। मुल्क के प्रमुख समाचार चैनल एआरवाई न्यूज ने हादसे की रिपोर्ट सोमवार को प्रसारित की है। रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से कहा गया है कि 23 लोगों से भरी यह जीप कैल से ताओबात जा रही थी। नदी के पास चालक ने जीप पर नियंत्रण खो दिया। इसके बाद पलक झपकते ही जीप नदी में गिर गई। सूचना मिलने पर बचावकर्मी पहुंचे। गोताखोरों ने 13 लोगों को बाहर निकाला। इनमें से छह लोगों की मौत हो चुकी है। बाकी लापता लोगों की तलाश की जा रही है।

रूस के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर यूक्रेन ने हमला करने का किया दावा

कीव। यूक्रेन ने दावा किया उसके बलों ने अग्रिम चौकियों से लगभग 600 किलोमीटर दूर वायुसेना अड्डे के निकट खड़े रूसी अत्याधुनिक लड़ाकू विमान पर हमला किया है। यूक्रेन के सहयोगी पश्चिमी देशों ने उसे रूस के अंदर सीमित हमलों के लिए अपने हथियारों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी। यूक्रेन की मुख्य सैन्य खुफिया सेवा ने उपग्रह से प्राप्त तस्वीरें साझा कीं और कहा कि इनमें हमले के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है। यदि इसकी पुष्टि हो जाती है, तो यह यूक्रेन द्वारा सुखोई-57 लड़ाकू विमान पर किया गया पहला सफल हमला होगा।

सुखोई दोहरे इंजन वाला स्टील्थ लड़ाकू विमान है, जिसे रूस का सबसे उन्नत सैन्य विमान माना जाता है। एक तस्वीर में, खड़े विमान के चारों ओर मलबा देखा जा सकता है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय के मुख्य खुफिया निदेशालय के अनुसार, शनिवार को दक्षिणी रूस के अखूतुबिंस्क अड्डे पर हमला हुआ, जो अग्रिम चौकी से लगभग 589 किलोमीटर दूर है। हालांकि, यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि इसके लिए किस हथियार का इस्तेमाल किया गया, लेकिन यूक्रेन से वायुसेना अड्डे की दूरी से पता चलता है कि संभवतः इस पर ड्रोन से हमला किया गया।

अमेरिका में बाल्टीमोर पुल फिर से खुला

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका में बाल्टीमोर पुल व्यापक सफाई के बाद पूरी तरह से फिर से खोल दिया गया है। अधिकारियों ने शाम को एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि पुल को पूरी तरह सफाई के बाद खोला गया। कर्मचारियों ने पटप्सको नदी से लगभग 50,000 टन स्टील और कंक्रीट निकाला।

उल्लेखनीय गत 26 मार्च को एक मालवाहक जहाज के पुल से टकराने के बाद पुल ढह गया। पुल पर गड्ढों को भरने के लिए रात की शिफ्ट में काम कर रहे छह कर्मचारियों की पानी में गिरने से मौत हो गयी थी।

अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड द्वारा मई में जारी प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार बाल्टीमोर मैरीलैंड में पुल से टकराने वाले मालवाहक जहाज को घटना से पहले विद्युत शक्ति और प्रणोदन की हानि का

अनुभव हुआ था।

अमेरिकी तट रक्षक ने इस दुर्घटना को एक बड़ी समुद्री दुर्घटना के रूप में वर्गीकृत किया।

बाल्टीमोर का बंदरगाह देश में सबसे अधिक मात्रा में कारों और कृषि मशीनरी को संभालने के लिए जाना जाता है।

मोजाम्बिक में सड़क दुर्घटना में 22 लोगों की मौत

एजेंसी
मापुटो। मोजाम्बिक के मध्य प्रांत सोफाला में राष्ट्रीय सड़क ईएन-6 पर एक ट्रक और एक यात्री बस के बीच हुई दुर्घटना में दो बच्चों सहित कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना रविवार को हुई। देश के सरकारी रेडियो स्टेशन रेडियो मोजाम्बिक ने कहा कि इस दुर्घटना में 48 अन्य लोग घायल हुए हैं। जीवित बचे लोगों से जानकारी प्राप्त करने से पता चला कि बस तेज गति से चल रही थी और वह एक खड़े मालवाहक ट्रक से टकरा गई और एक स्थानीय नदी में पलट गई। बस में 70 से ज्यादा यात्री सवार थे, जो डोंडो जिले के मटुआ से सोफाला की प्रांतीय राजधानी बीरा शहर की ओर जा रहे थे। खबर में कहा गया है कि मृतकों को डोंडो स्वास्थ्य केंद्र के मुर्दाघर में ले जाया गया, जबकि घायलों में से कई की हालत गंभीर है, जिन्हें बीरा सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माफाम्बिस प्रशासनिक चौकी के प्रमुख अरमांडो माफाम्बिरा ने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त

बस को सड़क पर लाने के लिए विशेष उपकरण लगाए गए हैं। मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप न्युसी ने सोमवार सुबह इनहाम्बेन प्रांत के विलानकुलो जिले के मैपिनहाने में एक अस्पताल के उद्घाटन के दौरान पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। न्युसी ने तेज रफ्तार वाहन चालकों की निंदा की। सोफाला प्रांत के गवर्नर लौरेंको बुला और सोफाला प्रांत की राज्य सचिव सेसिलिया चामुटोटा ने राहत कार्यों की निगरानी के लिए डोंडो स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया। रिपोर्ट के अनुसार डोंडो मुर्दाघर की सीमित क्षमता के कारण, कुछ शवों को बीरा सेंट्रल अस्पताल और माफाम्बिस हेल्थ सेंटर के मुर्दाघरों में स्थानांतरित किया गया।

यमन तट के पास प्रवासी नाव पलटने से 41 लोगों की मौत

एजेंसी
अदन, यमन। पूर्वी यमन के तट से दूर अरब सागर में प्रवासियों से खचाखच भरी एक नाव के पलट गयी, जिसके कारण कुल 41 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गयी।

एक सरकारी अधिकारी ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को यह जानकारी दी। शबवा प्रांत में यमन के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक अली अल-धीब ने बताया कि 200 से अधिक अफ्रीकी प्रवासियों को ले जा रही एक नाव शबवा के तट से दूर पलट गई। उन्होंने कहा कि शबवा के स्वास्थ्य कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की खोज और बचाव टीमें दक्षिण-पूर्वी शबवा में राधुम जिले

के तटों से शवों को बरामद करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। उन्होंने बताया कि 41 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, 70 से अधिक जीवित बचे लोग जिले के तट तक पहुंचने में कामयाब रहे और उन्हें मौके पर टीमों द्वारा तुरंत प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की गई। अधिकारी ने कहा कि मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है, क्योंकि दुखद घटना के बाद कुछ प्रवासियों का अभी भी पता नहीं चल पाया है। यमन में लगभग एक दशक से जारी संघर्ष के बावजूद, प्रवासी देश में खतरनाक समुद्री यात्राएं कर रहे हैं तथा अक्सर वे जर्जर तस्करी नौकाओं और चरम मौसम की स्थिति के कारण उत्पन्न खतरों का शिकार हो रहे हैं। यमन सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों तक पहुंचने के इच्छुक हजारों अफ्रीकी प्रवासियों के लिए पारगमन बिंदु के रूप में कार्य करता है।

मलावी के उपराष्ट्रपति को लेकर उड़ान भरने के बाद लापता हुआ सैन्य विमान

एजेंसी
ब्लांटायर (मलावी)। मलावी के उपराष्ट्रपति और देश की एक पूर्व प्रथम महिला नागरिक को लेकर जा रहा एक सैन्य विमान सोमवार को ब्लांटायर के पास लापता हो गया था और सैनिक पर्वतीय जंगलों में उसकी तलाश कर रहे हैं।

राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने यह जानकारी दी। उपराष्ट्रपति सोलोस चिलिमा (51), पूर्व प्रथम महिला नागरिक शानिल जिंबिरी और आठ अन्य को लेकर विमान इस दक्षिणी अफ्रीकी देश की राजधानी लिलोंग्वे से सोमवार सुबह 9.17 बजे रवाना हुआ था और इसे करीब 45 मिनट बाद राजधानी से 370 किलोमीटर दूर मजुजु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरना था।

चकवेरा ने सरकारी टेलीविजन चैनल एमबीसी पर प्रसारित अपने संबोधन में बताया कि वायु यातायात नियंत्रक ने जानकारी दी कि विमान खराब मौसम की वजह से नहीं उतरा और लौट गया। उन्होंने कहा कि वायु यातायात नियंत्रक का विमान से संपर्क टूट गया और यह कुछ ही देर बाद रडार की पहुंच से बाहर हो गया।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं जानता हूं कि यह हृदय विदारक स्थिति है। हम सभी चिंतित हैं। लेकिन मैं आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि मैं विमान का पता लगाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ रहा हूं। मैं यह उम्मीद भी रख रहा हूं कि सभी लोग जीवित बचेंगे।''

यूरोपीय संघ के चुनाव में सबसे मजबूत नेता बनकर उभरीं मेलोनी, जी7 शिखर सम्मेलन की करेंगी मेजबानी

एजेंसी
मिलान। इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी यूरोपीय संसदीय चुनाव में यूरोपीय संघ की सबसे स्थिर नेता के तौर पर उभरी हैं। मेलोनी इस सप्ताह के सात औद्योगिक राष्ट्रों के समूह के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगी। जर्मन और फ्रांसीसी समकक्षों को यूरोपीय संसदीय चुनावों से झटका लगा है जबकि मेलोनी के दक्षिणपंथी पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली को इटली मजबूत होकर उभरी हैं। इससे वह यूरोप में भी एक मजबूत नेता के तौर पर उभरी हैं।

मेलोनी के ठोस नतीजों ने इतालवी राजनीति में एक स्थिरता पैदा की है। मेलोनी ने समर्थकों से कहा, मुझे गर्व है कि इटली को जी7 में और यूरोप में सबसे मज़बूत सरकार के रूप में खुद को पेश करते हुए एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है। मेलोनी इस सप्ताह अपनी भूमिका को और मजबूत करेंगी, जब वह 13-15 जून को दक्षिणी पुगलिया क्षेत्र में जी7 बैठक का नेतृत्व करेंगी। इस बैठक में वैश्विक संघर्षों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रसार और अफ्रीका पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इटली में दो दिनों के मतदान में

> **मेलोनी ने समर्थकों से कहा, मुझे गर्व है कि इटली को जी7 में और यूरोप में सबसे मज़बूत सरकार के रूप में खुद को पेश करते हुए एक बड़ी ज़िम्मेदारी भी है।**

ब्रदर्स ऑफ इटली ने 28.8 प्रतिशत इतालवी वोट प्राप्त किये। वहीं फोर्जा इटालिया ने 9.6 प्रतिशत वोट और लेगा को 9.1 प्रतिशत वोट मिले। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी भी मजबूत हुई और उसे 24 प्रतिशत वोट मिले। परिणाम ने डेमोक्रेटिक पार्टी को मुख्य विपक्षी पार्टी के रूप में फिर से स्थापित किया है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा पट्टी में अमेरिका समर्थित संघर्ष विराम प्रस्ताव पारित किया

एजेंसी
न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा पट्टी के लिए अमेरिका समर्थित संघर्ष विराम प्रस्ताव पारित कर दिया। परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने पक्ष में मतदान किया। रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। वह अनुपस्थित रहा। रूस के पास वीटो शक्ति है। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार ने रिपोर्ट में लिखा है कि एक तरह से परिषद ने वाशिंगटन को कूटनीतिक जीत दिलाई है, क्योंकि इससे पहले अमेरिका परिषद के समक्ष पिछले तीन संघर्ष विराम प्रस्तावों को वीटो कर चुका था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव पारित होने के बाद संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत सुश्री लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने कहा, हिंसा के इस चक्र को समाप्त करने और टिकाऊ शांति बनाने का एकमात्र तरीका राजनीतिक समझौता है। सुश्री ग्रीनफील्ड ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा

कि इजराइल समझौते पर सहमत हो और कतर और मिस्र हमास को बातचीत की मेज पर लाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने कहा, सहयोगियो, आज हमने शांति के लिए मतदान किया। इस प्रस्ताव में तीन चरण की योजना बनाई गई है, जो तत्काल युद्धविराम, इजराइली जेलों में बंद फिलिस्तीनियों के बदले में सभी बंधकों की रिहाई, विस्थापित गाजावासियों की उनके घरों में वापसी और गाजा से इजराइली सेना की पूर्ण वापसी के साथ शुरू होती है। दूसरे चरण में दोनों पक्षों की सहमति से स्थायी युद्धविराम का आह्वान किया गया है और तीसरे चरण में गाजा के लिए एक बहुवर्षीय पुनर्निर्माण योजना और मृत बंधकों के अवशेषों की वापसी शामिल होगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि यदि पहले चरण की बातचीत में छह सप्ताह से अधिक समय लगता है, तब भी जब तक बातचीत जारी रहेगी तब तक संघर्ष विराम जारी रहेगा। इसमें गाजा पट्टी में जनसांख्यिकीय या क्षेत्रीय परिवर्तन के किसी भी प्रयास को भी खारिज कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के प्रतिनिधि सुश्री शापिर बेन नफ्ताली ने कहा है कि युद्ध में उनके देश के लक्ष्य नहीं बदले हैं और वह बंधकों को मुक्त कराने के लिए सैन्य अभियानों का उपयोग करेगा। सुश्री नफ्ताली ने परिषद को भरोसा दिलाया है कि अगर हमास नेता सभी बंधकों को मुक्त कर दें और खुद आत्मसमर्पण कर दें, तो एक भी गोली नहीं चलाई जाएगी। हमास ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। उसने सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव में शामिल बातों का स्वागत करता है। संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वासिली नेबेंज़्या ने कहा कि परिषद इजराइल के साथ अमेरिका के समझौते के विवरण के बारे में अंधेरे में रही।

आईएसएस पर मंडराया सुपरबग का खतरा, बढ़ सकती हैं सुनीता विलियम्स और उनके साथियों की समस्या

एजेंसी
वाशिंगटन। नासा की भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर ने बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जोड़ दिया। इस सफलता के बाद सुनीता विलियम्स और उनके क्रू के आठ सदस्यों के लिए एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। दरअसल, आईएसएस के अंदर एक सुपरबग का खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों ने एंटरोबैक्टर बुगंडेंसिस नामक एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया पाया, जो आईएसएस के बंद वातावरण में विकसित होकर अधिक प्रभावशाली हो चुका है। यह एक बहु दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया है, इसलिए इसका नाम सुपरबग रखा गया है। यह बैक्टीरिया श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है।

सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी छह जून को नए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार

होकर आईएसएस पहुंचे। स्टेशन में रहने वाले सात लोगों के साथ विलियम्स और विल्मोर लगभग एक सप्ताह बिताएंगे। इस दौरान वह अंतरिक्ष में रहते हुए विभिन्न परीक्षणों में सहायता करेंगे और वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। बता दें कि सात अन्य क्रू सदस्य पहले से ही आईएसएस पर रह रहे हैं।

आईएसएस में सुपरबग एक बड़ी चुनौती

आईएसएस पर चिंता का विषय अंतरिक्ष के उड़ने वाले मलबे और सूक्ष्म उल्कापिंड होते हैं, लेकिन अब सुपरबग की चिंता ज्यादा सताने लगी है। आईएसएस में सुपरबग की मौजूदगी पर नासा ने हाल ही में कहा था कि ई. बगएंडेसिस नाम का बैक्टेरिया, जिस पर कई दवाओं का असर नहीं होता, उसकी 13 स्ट्रेन्स को हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में अलग किया गया था। ये बैक्टेरिया धरती पर पाए जाने वाले बैक्टेरिया से बिलकुल अलग है।

नासा की जेट प्रोपल्सन लेबोरेटरी कैलिफोर्निया की अध्यक्ष डॉ. कस्तुरी वेंकटेश्वर ने इस सुपरबग को लेकर कई बातें बताई हैं। वैज्ञानिकों की माने तो आईएसएस में किसी का भी जीवन आसान नहीं है। यहां मौजूद लोगों को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण उनकी रोग-प्रतिरोधक क्षमता पृथ्वी की अपेक्षा कम होने लगती है। इन हालातों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि आईएसएस में मौजूद ये सुपरबग एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

इस्राइल–हमास के बीच जल्द युद्धविराम के संकेत, अमेरिकी विदेश मंत्री ने नेतन्याहू से की मुलाकात

एजेंसी
तेल अवीव। इस्राइल और हमास के बीच पूर्ण युद्धविराम की कोशिशें तेज हो गई हैं और दोनों पक्षों से इसे लेकर बातचीत चल रही है। इसी मुद्दे पर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशियाई देशों के दौरे पर हैं। सोमवार को एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इस मुलाकात में बंधक प्रस्ताव और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के मुद्दे पर बातचीत हुई।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान

अमेरिका के विदेश विभाग ने बयान जारी कर बताया कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से यरूशलम में मुलाकात की। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिका और अन्य वैश्विक नेता राष्ट्रपति बाइडन द्वारा तैयार कराए गए शांति प्रस्ताव के समर्थन में हैं और इस प्रस्ताव से गाजा में शांति आ सकती है। इस शांति समझौते के तहत हमास सभी बंधकों को रिहा करेगा और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने का भी रास्ता साफ होगा।

युद्धविराम के लिए पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं ब्लिंकन

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस्राइल-हमास के बीच युद्धविराम के लिए युद्धविराम प्रस्ताव तैयार कराया है। इस

प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी पेश किया गया, जहां से उसे 14-0 के मुकाबले से मंजूरी मिल गई। रूस ने इस वोटिंग से खुद को दूर रखा और बाकी अन्य देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। बाइडन ने दावा किया है कि इस्राइल ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इस युद्धविराम पर चर्चा के लिए एंटनी ब्लिंकन इन दिनों पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से ब्लिंकन का यह पश्चिम एशिया का सातवां दौरा है। इस दौरे में ब्लिंकन 10-12 जून तक मिस्र, इस्राइल, जॉर्डन और कतर का दौरा करेंगे और युद्धविराम प्रस्ताव को लेकर चर्चा करेंगे।

कौमी पत्रिका
संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हमास से जंग के बीच इस्राइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

एजेंसी
गाजा। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए।

यह है मामला

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक के बाद एक हमले

हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इस्राइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। उसने नौ हमले किए, जिसमें हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। साथ ही उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं।

तीन सीरियाई मारे गए

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर के अनुसार, हमले में दो अन्य लोग भी मारे गए हैं। एनजीओ के निदेशक रामी अब्देल रहमान ने बताया, सीरिया की सीमा पर लेबनान में प्रवेश करने वाले टैंकरों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के साथ काम करने वाले तीन सीरियाई और दो लेबनानी मारे गए। उन्होंने कहा कि हमले के बाद पांच अन्य घायल हो गए और दो लोग लापता हैं। युद्ध की निगरानी करने वालों ने बताया कि हमले का मुकाबला करने के लिए सीरियाई विमानरोधी रक्षा को सक्रिय किया गया था। हिजबुल्ला के लड़ाके लंबे समय से सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के समर्थन में तैनात हैं। सोमवार के हमलों से कुछ घंटे पहले, हिजबुल्ला ने एलान किया था की कि उसने लेबनान के ऊपर एक और इस्राइली हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है, जो फरवरी के बाद से इस प्रकार का पांचवां ड्रोन है।

मोदी सरकार से मानसून सत्र में पशु कल्याण विधेयक लाने का आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल की भारतीय शाखा और 'पीपल फॉर एनिमल्स' ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उनसे संसद के आगामी मानसून सत्र में पशु कल्याण विधेयक पेश करने का आग्रह किया है। संगठन ने लंबे समय से प्रतीक्षित पशु क्रूरता निवारण (संशोधन) विधेयक 2022 को पारित करने में तेजी लाने का अनुरोध किया। यह प्रारूप-विधेयक, वर्तमान पशु कानून में ऐसे संशोधन पेश करता है, जिनमें पशुओं के प्रति क्रूरता और नए संज्ञेय अपराधों के लिए कठोर दंड शामिल किए गए हैं, और यह हर जानवर के लिए पांच मूलभूत स्वतंत्रता भूख और प्यास से मुक्ति, असुविधा से मुक्ति, दर्द, चोट तथा बीमारी से मुक्ति और सामान्य एवं प्राकृतिक व्यवहार को व्यक्त करने की स्वतंत्रता का पक्षधर है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तीन करोड़ आवास बनाये जायेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अपनी पहली बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में तीन करोड़ आवास निर्मित करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

मकान में लगी आग, महिला की मौत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम इलाके में दोपहर एक मकान में आग लग गई। घटना में दम घुटने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान भावना (40) के रूप में हुई। भावना पिछले करीब छह सालों से मानसिक रूप से बीमार थी। आशंका व्यक्त की जा रही है कि महिला ने खुद ही घर में आग लगाई। वहीं जांच के दौरान पुलिस को महिला के घर के सामान के अलावा एसी और बिजली मीटर का पैनल भी जला हुआ मिला है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की भी संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने भावना के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। परिजनों का कहना है कि हादसे से पहले भावना ने अपनी 13 साल की बेटी का गला घोंटने का प्रयास किया था। परिजनों ने उसे किसी तरह बचाया।

दो शातिर चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने इलेक्ट्रिक स्कूटी चुराने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी की इलेक्ट्रिक स्कूटी भी बरामद की गई है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल बाइक को भी पुलिस ने जब्त किया है। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान संजीव कुमार और शिवम के रूप में हुई है। ये दोनों दिल्ली के वेस्ट सागरपुर इलाके के रहने वाले हैं। ये लोग चोरी करके फिर उसके पार्ट्स को अलग-अलग बेच करके पैसा कमाते थे। डीसीपी के अनुसार एएटीएस के इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपितों के बारे में पता लगाने में कामयाब हुई। ये दोनों बाइक से आते और इलेक्ट्रिक स्कूटी को निशाना बना कर चुरा लेते। इन आरोपितों को एएटीएस की टीम ने देर रात ट्रैप लगाकर गिरफ्तार किया है।

देशभर के व्यापारियों ने खंडेलवाल के सांसद बनने पर प्रधानमंत्री मोदी का किया धन्यवाद

नई दिल्ली। दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में बेहद खास थी। देशभर से आए व्यापारियों के जमावड़े ने चांदनी चौक सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत के उत्सव को और भी खास बना दिया। मौका था देश के 9 करोड़ व्यापारियों का प्रतिनिधित्व कर रहे चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीन खंडेलवाल के प्रति सम्मान और समर्थन व्यक्त करने का। व्यापारियों के नेता प्रवीण खंडेलवाल के चांदनी चौक से भाजपा सांसद निर्वाचित होने पर देशभर के व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने धन्यवाद मोदी जी का एक विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में दिल्ली सहित देश के 25 से अधिक राज्यों के कोने-कोने से आए 5 हजार से ज्यादा व्यापारियों ने हिस्सा लिया। इस मौक़े पर संगीत की दुनिया के नामचीन कलाकारों ने संगीतमय प्रस्तुति से अपना समर्थन जताया और प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया।

आने वाले मानसून के संबंध में दिल्ली सचिवालय में बैठक

नई दिल्ली। आने वाले मानसून को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के शहरी विकास विभाग तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली सचिवालय में दिल्ली नगर निगम, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, डीडीए, कैंटोनमेंट बोर्ड, एनडीएमसी और पीडब्ल्यूडी विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी भी शामिल हुई। बैठक में आए सभी अधिकारियों ने आने वाले मानसून के लिए उनके विभागों द्वारा की गई तैयारी को लेकर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत की। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि उनके विभाग द्वारा मानसून में पैदा होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए अब तक क्या तैयारी की गई है।

मोदी के मंत्रिमंडल में निरंतरता के दर्शन

13 कैबिनेट मंत्रियों को मिले पुराने विभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी तीसरी मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण मंत्रालयों में पुराने सहयोगियों पर भरोसा जताया है और जो मंत्री दोबारा चुन कर नहीं आये हैं, उन्हें नये सदस्यों को दिया गया है। इस प्रकार से श्री मोदी ने तीसरे कार्यकाल में निरंतरता को सुनिश्चित किया है।

राष्ट्रपति भवन से आज शाम नये मंत्रियों के कार्य विभागों की सूची जारी की गयी। इससे पहले श्री मोदी की अध्यक्षता में पहली कैबिनेट की बैठक हुई। 30 कैबिनेट मंत्रियों में से 13 मंत्री ऐसे हैं जिन्हें वही मंत्रालय दिये गये हैं जिन्हें वे पिछले कार्यकाल संभाल रहे थे। इनमें श्री जगत प्रकाश नड्डा भी शामिल हैं जो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वही विभाग संभाल रहे थे। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय इस बार भी मध्य प्रदेश के पास आया है। पिछले

कार्यकाल में श्री नरेन्द्र सिंह तोमर के पास था। नयी मंत्रिपरिषद में सरकार के प्रवक्ता की जिम्मेदारी अश्विनी वैष्णव को मिली है। उन्हें रेलवे, सूचना प्रौद्योगिकी इलैक्ट्रॉनिक्स का विभाग दोबारा सौंपा गया है तथा संचार ले कर सूचना प्रसारण जैसा महत्वपूर्ण विभाग दिया गया है। सड़क निर्माण की गति को बनाये रखने के लिए श्री गडकरी को इसकी जिम्मदारी पुनः दी गयी है।

सूची के अनुसार कैबिनेट मंत्रियों में श्री राजनाथ सिंह को रक्षा, अमित शाह को गृह एवं सहकारिता, नितिन गडकरी को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, जगत प्रकाश नड्डा को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक, शिवराज सिंह चौहान को कृषि, किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास, निर्मला सीतारमण को वित्त एवं कारपोरेट मामले, डॉ एस जयशंकर को विदेश, मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा एवं शहरी विकास, एच डी कुमारस्वामी को भारी उद्योग एवं इस्पात, पीयूष गोयल को वाणिज्य एवं उद्योग, धर्मेन्द्र प्रधान को शिक्षा, जीतन राम मांझी को सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह को पंचायती राज, मछली पालन, पशुपालन एवं डेयरी, सर्वानंद सोनोवाल को बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग, डॉ वीरेन्द्र कुमार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, के राममोहन नायडू को नागरिक उड्डयन, प्रल्हाद जोशी को उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, जुएल ओरांव को आदिवासी मामले, गिरिराज सिंह को वस्त्र, अश्विनी वैष्णव को रेलवे, सूचना प्रसारण, सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलैक्ट्रॉनिक्स, ज्योतिरादित्य सिंधिया को संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, भूपेन्द्र यादव को वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, गजेन्द्र सिंह शेखावत को पर्यटन एवं संस्कृति, अन्नपूर्णा देवी को महिला एवं बाल विकास, किरेन रिजीजू को संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामले, हरदीप सिंह पुरी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, जी किशन रेड्डी को कोयला एवं खान, चिराग पासवान को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग तथा सी आर पाटिल को जलशक्ति मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी है।

मोदी ने प्रतिभा, मनमोहन,देवेगौड़ा से मांगा आशीर्वाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करने से पर पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तथा एच डी देवेगौड़ा से फोन कर उनका आशीर्वाद मांगा।

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी। इससे पूर्व श्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने कहा कि शुरू से ही पीएमओ ने सेवा का अधिष्ठान और जनता का पीएमओ बनाने का प्रयास किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमने पीएमओ को एक उत्प्रेरक एजेंट के रूप में विकसित करने का प्रयास किया है, जो नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्त्रोत बने।

नीट परीक्षा रद्द कर फिर से आयोजित कराने हेतु उच्चतम न्यायालय में याचिका

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर चिकित्सा कॉलेजों में स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2024 के परिणाम रद्द कर फिर से परीक्षा कराने और कथित तौर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने संबंधी गड़बड़ी और धोखाधड़ी की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने गुहार की लगाई गई है।

यह याचिका अब्दुल्ला मोहम्मद फैज और शेख रोशन मोहिद्दीन ने संयुक्त रूप से दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने अपनी याचिका में दावा किया है कि वे छात्रों की सहायता और हित के लिए काम करने वाले एक संगठन के सदस्य हैं। उन्होंने त्वरित और गहन जांच में दोषी पाए गए लोगों को सजा दिलाने के लिए एसआईटी गठित करने का निर्देश

देने की गुहार लगाई है। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि 67 छात्रों को पूरे 720 अंक मिले,? जिनमें से आठ छात्र एक ही केंद्र के हैं। इस प्रकार के परिणाम के कारण संदेह पैदा होता है। याचिका में कहा गया है कि कुछ छात्रों ने 718 और 719 अंक प्राप्त किए, जो सांख्यिकीय रूप से संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। याचिका में आरोप लगाया गया है कि परीक्षा के दौरान देरी के कारण कथित तौर पर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा कृपांक (ग्रेस मार्क्स) देना कुछ छात्रों को बैकडोर एंट्री देने की एक दुर्भावनापूर्ण कवायद थी।

रावण को राम से बेहतर बताने वाले मांझी को भाजपा ने बनाया कैबिनेट मंत्री: सौरभ

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि राम के नाम पर वोट मांगने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीतन राम माँझी को कैबिनेट मंत्री बनाया जिसने न केवल राम और रामायण को एक कल्पना बताया बल्कि रावण को राम से बेहतर बताया है। श्री भारद्वाज ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है, कि राम को काल्पनिक बताने वाले और रावण को राम से बेहतर बताने वाले व्यक्ति को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में मंत्री पद की जगह दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि वह क्या भगवान राम को काल्पनिक मानती है? क्या भाजपा रामायण को काल्पनिक मानती है? क्या भाजपा जीतन राम मांझी के

बयान से सहमत है?

उन्होंने कहा कि जय जगन्नाथ में कोई बुराई नहीं है। परंतु एक ही दिन में भारतीय जनता पार्टी का नारा जय श्री राम से जय जगन्नाथ हो गया और एक ऐसे व्यक्ति को कैबिनेट में जगह देना जो की राम के अस्तित्व को मानता ही नहीं है, तो मन में एक शक पैदा होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा यह बताए कि क्या वह मंत्री जीतन राम मांझी की बात से सहमत हैं? क्या अब भाजपा भी मानती है, कि भगवान राम और रामायण केवल एक कल्पना है ?

राजग के घटक दलों के हिस्से में आया सिर्फ़ 'झुनझुना मंत्रालय' : आप

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में मंत्रियों के विभागों के बँटवारे पर तंज कसते हुए कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के हिस्से में आया सिर्फ़ 'झुनझुना मंत्रालय' आया है। आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने मंत्रालय बँटवारे पर कहा, गृह न रक्षा न वित्त न विदेश न वाणिज्य। न सड़क न रेल न शिक्षा न स्वास्थ्य।न कृषि न जलशक्ति। न पेट्रोलियम न दूरसंचार। राजग के घटक दलों के हिस्से में आया सिर्फ़ 'झुनझुना मंत्रालय' बहुते बेइज़्ज़ती है!

उल्लेखनीय है कि राजग के दो बड़े घटक दलों में जनता दल-यूनाइटेड के राजीव रंजन सिंह उर्फ़ लल्लन सिंह पंचायती राज के साथ साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी विभाग के कैबिनेट मंत्री बनाये गये हैं। जद-यू के कोटे से रामनाथ ठाकुर को कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री बनाया गया है। वहीं तेलुगू देशम पार्टी के के राममोहन नायडू को नागरिक उडयन मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

हिंदी के पांच कथाकार रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंदी के मशहूर लेखक रमाकांत के नाम पर दिए जाने वाले रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार के लिए हिंदी के पांच कथाकारों के नाम का चयन किया गया है।

रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार समिति के संयोजक महेश दर्पण ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 2019 से 2023 तक के लिए यह पुरस्कार कथाकार निर्देश निधि,अंजू शर्मा, आशा पांडे, अखिलेश श्रीवास्तव तथा गीताश्री को दिया गया है। पुरस्कार समरोह सितंबर में दिल्ली में आयोजित होगा। पांच पुरस्कारों की घोषणा के साथ ही यह सम्मान पाने वाले कथाकारों की कुल संख्या 25 हो गई है। श्री दर्पण ने घोषित पुरस्कारों का विवरण देते हुए बताया कि 2019 का 'रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार' निर्देश निधि को 'कथादेश' में प्रकाशित उनकी कहानी 'मैं ही आयी हूँ बाबा' को दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए इस कहानी का चयन चर्चित कथाकार महेश कटारे ने किया है। कथाकार अंजू शर्मा को 2020 के लिए 'हंस' में छपी उनकी कहानी 'द हैप्पी बड्डे ऑफ सुमन चौधरी' को दिया गया है। उनकी इस कहानी का चयन वरिष्ठ व्यंग्यकार तथा उपन्यासकार प्रदीप पंत ने किया है। 'कथादेश' में प्रकाशित आशा पांडेय की कहानी 'डेढ़ सेर चांदी' का चयन 2021 के रमाकांत स्मृति कहानी पुरस्कार के लिए किया गया है। इस कहानी का चयन प्रसिद्ध रंगकर्मी देवेंद्रराज अंकुर ने किया है जबकि 2022 का सम्मान अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन' की 'वर्तमान साहित्य' में प्रकाशित रचना 'इच्छा' के लिए कवि-अनुवादक केवल गोस्वामी को दिया गया हैं।

वर्ष 2023 का पुरस्कार गीताश्री की 'नई धारा' में छपी कहानी 'शमशान वैराग्य' को दिया गया है। इस कहानी का चयन फिल्मकार अनवर जमाल ने किया है। उन्होंने बताया कि अब तक यह पुरस्कार जिन 20 रचनाकारों को दिया गया है उनमें कथाकार नीलिमा सिंह, कृपाशंकर, अजय प्रकाश, मुकेश वर्मा, नीलाक्षी सिंह, सूरजपाल चौहान, पूरन हार्डी, अरविंद कुमार सिंह, नवीन नैथानी, योगेंद्र आहूजा, उमाशंकर चौधरी, मुरारी शर्मा, दीपक श्रीवास्तव, आकांक्षा पारे काशिव, ओमा शर्मा, किरन सिंह, इंदिरा दांगी, विवेक मिश्र, दिव्या शुक्ला और राकेश तिवारी शामिल हैं। इन पांच पुरस्कारों को मिलाकर अब तक के कुल 25 पुरस्कार हो जाएंगे।

दिल्ली में गर्मी से कोई राहत के आसार नहीं, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी वासियों को अगले सात दिनों तक झुलसाने वाली गर्मी और लू से राहत मिलने के कोई आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग ने राजधानी में अगले तीन दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक एक मई से 10 जून के बीच 40 दिनों में से 32 दिन राष्ट्रीय राजधानी का अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया था। गर्मी ने पिछले 14 सालों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिये। राजधानी में अगले सात दिनों तक आसमान साफ ??रहने और कई स्थानों पर झुलसाने वाली गर्मी और लू चलने और दिन के समय 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की उम्मीद है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है।

संसद भवन से गांधी, अंबेडकर और शिवाजी की मूर्ति हटाने पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद भवन परिसर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, डॉ बी आर अंबेडकर तथा छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति हटाने को लेकर सरकार पर कड़ा हमला करते हुए कहा है कि उसने महाराष्ट्र में मिली हार का बदला लेने के लिए यह कदम उठाया है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संसद भवन परिसर से मूर्तियों का हटाना महाराष्ट्र की जनता से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट नहीं देने का बदला निकालना है। गांधीजी, डॉ अंबेडकर और शिवाजी महाराज की मूर्ति हटाने को लेकर सरकार जो भी तर्क दे, लेकिन असलियत यह है कि उसने महाराष्ट्र के लोगों से बदला लेने के लिए यह कदम उठाया है। उनका कहना था कि सरकार को इस मामले में स्पष्टीकरण देना चाहिए। उन्होंने कहा, ÷महाराष्ट्र के लोगों से बदला लेने के लिए संसद भवन परिसर से शिवाजी की मूर्ति हटाई गई है। ये सब खीझ निकालने के लिए किया गया है क्योंकि जब नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांधी फिल्म आने से पहले गांधी जी को कोई नहीं जानता था तो जनता ने जवाब दिया तो गांधी जी की प्रतिमा हटा दी। हमने चुनावों में संविधान को बचाने की मुहिम छेड़ी तो खीझ निकलने के लिए अंबेडकर की मूर्ति को कहीं पीछे धकेल दिया। महाराष्ट्र की जनता ने जब चुनावों में करारा जवाब दिया, तो बदला लेने के लिए शिवाजी महाराज जी की मूर्ति हटा दी। उन्होंने कहा, संसद भवन परिसर की विरासत विशेषता के रखरखाव और विकास पर तथा संसद भवन परिसर में राष्ट्रीय नेताओं और सांसदों के चित्र एवं प्रतिमाओं की स्थापना पर दो कमेटियां बनी थीं लेकिन हैरानी की बात है कि पोर्टरेट स्टेचू कमेटी की आखिरी मीटिंग 18 दिसंबर 2018 को हुई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कल जब यह मुद्दा उठाया तो सरकार की तरफ से झूठ बोला जाता है कि राजनीतिक दलों से बात हुई थी जबकि किसी राजनीतिक दल से कोई बात नहीं हुई। ऐसे में भाजपा देश की जनता को स्पष्टीकरण दे कि महान विभूतियों की मूर्ति को हटाने के पीछे मंशा क्या है।

Name Change

I, hitherto known as ADITI GOEL D/o NARESH GOEL W/o ABHINAV SINHAL residing at 26, BM Block (East), Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name and shall hereafter be known as ADETEE SINHAL.

Name Change

I, DINESH KUMAR S/O GANESHI LAL residing at H NO-135, RAMA KUTIR, SECTOR-3, NEAR RAJIV CHOWK, REWARI, HARYANA-123401 have changed my name to DINESH KUMAR GOYAL all future purposes

Name Change

I, AKHILESH KUMAR S/O RAM KISHOR VERMA residing at H NO-C-12/191,, YAMUNA VIHAR, GARHI MENDU DELHI-110053 have changed my name to AKHILESH VERMA for all future purposes

Name Change

I, No. 15414935L Rank-HAV Name-BANGAR PANDIT VISHAVNATH S/o VISHAVNATH BANGAR Presently residing at VILL-BANGARWADA, PO-LIMBAGANESH, TEH+DIST-DEED, MAHARASHTRA-431126, have changed my minor son's name from SACHIN to SACHIN PANDIT BANGAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, VANDHANA PANDIT BANGAR Wife of No. 15414935L Rank-HAV Name-BANGAR PANDIT VISHAV-NATH Presently residing at VILL-BANGARWADA, PO-LIMBA-GANESH, TEH+DIST-DEED, MAHARASHTRA-431126 have changed my name from VANDHANA PANDIT BANGAR to VANDNA PAN-DIT BANGAR for all future purposes vide Affidavit dated 11/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I Sandeep Kumar Sharma S/O NAROTTAM KUMAR R/O C-28, PUL PRAHLAD PUR, VISHWAKARMA COLONY, Jait Pur, Jaitpur ,South Delhi, Delhi -110044 have changed the name of my minor son Purvansh aged 16 years and he shall hereafter be known as PULKIT SHARMA.

Name Change

I, hitherto known as SURJEET KUMAR BAITHA alias SARABJEET BAITHA S/o VISHWANATH BAITHA residing at D - 89, J.J.Colony , D-Block, Inderpuri, Central Delhi, Delhi 110012 have changed my name and shall hereafter be known as SARAB-JEET BAITHA.

Name Change

I hitherto known as RADHIKA D/O: Ramesh Gupta ,R/O H- 10, JAGAT PURI, parwana ROAD, Krishna Nagar, East Delhi, Delhi - 110051 have changed my name and shall hereafter be known as URVASHI VARSHNEY.

Name Change

I, SARITHA wife of No. 15701739L Rank-NK Name-NARENDER GANGULA residing at H.NO.1-102, VPO-APPAJI PETA, TEHSIL & DISTT-NALGONDA, STATE-TELANGANA-508001 have changed my name from SARITHA to GANGULA SARITHA for all future purposes vide Affidavit Dated 11/06/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, hitherto known as SUMAN Alias HIRNWATI D/O BADLU RAM YADAV W/O VIRENDER SINGH R/O H.NO-256, Kapashera, South West Delhi, Delhi-110037 have changed my name and shall here-after be known as SUMAN.

Name Change

I, HEMLATA W/o NARENDER CHAUHAN R/o A-50, Gali No. 2, Mahalaxmi Enclave, Karawal Nagar, Gokal Pur, Gokal Puri, North East Delhi, Delhi-110094, have changed the name of my minor daughter LAXMI CHAUHAN aged 15 years and she shall be hereafter known as AAYUSHI CHAUHAN.

Name Change

I, Meenakshi Mathur W/o Neeraj Solanki R/o WZ-57 C, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045, Have Changed My Name To Meenakshi For All Future Purpose

Name Change

I, Gajjo Ram Soni s/o Rangli Ral R/o H.no.Rz-58 B, Street no 13 Sadh Nagar Palam Colony Delhi -110045 have changed my name from Gajjo Ram Soni to Gajju Ram Soni for all future purposes.

Name Change

It is for general information that I, KAPIL SINGH S/o MADHUR SINGH, R/o H.No. WZ-57 F, Gali No.- 19, Om Vihar Phase-3, Uttam Nagar, D.K. Mohan Garden, West Delhi, Delhi-110059, declare that name of mine and my Father have been wrongly written as KAPIL SINGH CHHATRE and MADHUR SINGH CHHATRE in my 10th Class Educational Documents and Service Record. The actual name of mine and my Father are KAPIL SINGH and MADHUR SINGH respectively, which may be amend-ed accordingly.

Name Change

It is for general information that I, SAHNAJ KHATUN W/O JENUL ABADIN R/O HOUSE NO-1667/A, KAMLA PARK MAIN ROAD, DHARAMPURA, NAJAFGARH, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110043 declare that name of mine and my husband has been wrongly written as SHAHNAZ KHATOON and JANUALAVDDIN in my minor daughter SAIKA BEGUM aged 14 years in her school records. The actual name of mine and my hus-band are SAHNAJ KHATUN and JENUL ABADIN, which may be amended accordingly.

Name Change

I,IISH MITTAL S/O SH. KULBHUSHAN MITTAL, R/O H. NO. 214,BLOCK-SU, PITAMPURA, DELHI 110034, DECLARE THAT, ISHWAR IS ALSO MY NAME AND FOR ALL FUTURE PURPOSES I SHALL BE KNOWN AS IISH MITTAL.

Name Change

I, Sahil s/o Satpal Goel R/o H.No.11917, Desraj Colony, Near Jain Atta Chaki, Panipat, haryana-132103, have changed my name to Sahil Goel Permanently.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती खुशबू जैन पत्नी श्री विकास जैन इंद्रपुरी ए.बी.सी.डी. स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति प्लॉट नंबर 276 ब्लॉक सी, क्षेत्रफल 53 वर्ग गज, खसरा नंबर 402 की मालिक हैं। हदबस्त गांव धरोटी खुर्द परगना लोनी तहसील एवं जिला। गाजियाबाद उत्तर प्रदेश। सद्गुण द्वारा, विक्रय विलेख दिनांक 18.05.2015 दस्तावेज़ संख्या 9540, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 29649 पृष्ठ संख्या 33-66 एसआर-गाजियाबाद-IV, नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी कानूनी उत्तराधिकारियों के नाम पर एसएमसी श्री वाई फिलिप और श्रीमती जीरा मणि। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और संपत्ति श्री अनिल कुमार पुत्र श्री राजेंद्र कुमार के नाम से बिकने जा रही है और इसे उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा- गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

Name Change

I, SWATI SONTAKE wife of No. 15675329P Rank-HAV Name-SONTKKE SATISH residing at VILL-PIMPALGAON (MU) , PO & TEHSIL-PALAM, DISTT-PARBHANI, MAHA-RASHTRA-432017 have changed my name from SWATI SONTAKE to SWATI SATISH SONTKKE for all future purposes vide Affidavit dated 11/06/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती कविता जैन पत्नी श्री सतीश कुमार जैन फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या एन-24 और नई संख्या 24-ए की मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज यानी 41.80 वर्ग मीटर है, जो खसरा संख्या 1ईटीसी/81 मिनट से बाहर है। ग्राम घोंडा चौहान बांगर में, टैगोर गली नंबर 13 की आबादी में, जिसे अब गली नंबर 14-द्वितीय, ब्रह्मपुरी, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110053 के नाम से जाना जाता है। सद्गुण द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 11.12.2023 दस्तावेज़ संख्या 3784, खंड संख्या 5731, पृष्ठ संख्या 149-162, दिनांक 11.12.2023, एसआरओ-IV, दिल्ली। नीचे दिए गए श्रृंखला दस्तावेज़ में दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी श्री टेक चंद मित्तल के नाम पर मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी 09.10.1982 को मृत्यु हो गई थी, और उनकी पत्नी श्रीमती कलावती देवी की भी 26.02.1980 को मृत्यु हो गई थी, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि कोई अन्य उक्त संपत्ति पर व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री मुरुवत अली के नाम से बिकने जा रही है और उसका वित्त डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा- गाजियाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

आवास नवीनीकरण योजना में बदलाव, अब सभी बीपीएल परिवारों को मिलेगा लाभ

एजेंसी

फतेहाबाद। हरियाणा अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा सभी बीपीएल परिवारों को डॉ. बीआर अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत के लिए 80 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। पहले यह लाभ केवल अनुसूचित जाति के बीपीएल परिवारों को ही दिया जा रहा था, लेकिन पिछले वर्ष हरियाणा सरकार ने योजना में बदलाव करते हुए इसमें सभी बीपीएल परिवारों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि सरकार ने योजना के तहत लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने के साथ-साथ योजना के तहत मिलने वाली राशि को भी 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 80 हजार रुपये कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार की यह आवास नवीनीकरण योजना अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग से संबंधित है तथा बीपीएल सूची में शामिल आवेदकों को इस योजना के लिए पात्र बनाया गया है। उन्होंने उपरोक्त योजना के नियम व शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि यदि पहले मकान निर्माण के लिए या अपने समय के निर्मित मकान को बनाए हुए 10 साल या इससे अधिक समय हो गया हो तथा मकान मरम्मत के योग्य हो तभी आप इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

चुनाव में नुकसान पहुंचाने वालों को माफ नहीं करूंगा, पूरी रिपोर्ट दूंगा: रणजीत सिंह

हिसार। हरियाणा के उर्जा मंत्री एवं हिसार लोकसभा से उम्मीदवार रहे रणजीत सिंह ने कहा है कि वे चुनाव भले ही हार गए हैं लेकिन हिम्मत नहीं हारी है। जिन-जिन लोगों ने चुनाव में हमारे को नुकसान पहुंचाया है, उनकी पूरी रिपोर्ट बनाकर देंगे और इन लोगों को भूलना नहीं चाहिए कि तीन चार महीने बाद चुनाव है और अब उन्हें भी चुनाव का सामना करना पड़ेगा। जो लोग सोच रहे हैं कि हमने रणजीत सिंह को घर बैठा दिया, ये उनकी गलतफहमी है और इनकी यह गलतफहमी अब निकालनी है। रणजीत सिंह सोमवार सायं यहां के अग्रसेन भवन में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के बाद वे अब हिसार आए हैं और कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाते हैं कि हर माह की पांच तारीख को पहले की तरह आते रहेंगे। भले ही चुनाव हार गया लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने जो सम्मान दिया, वह मुझे हार के बाद भी सांसद मानती है और ऐसा ही कार्यकर्ता चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चुनाव के लिए पूरी मेहनत की है, फिर भी कुछ लोगों ने गड़बड़ कर दी, जिससे थोड़ी कमी रह गई। ऐसे लोगों को मेरा स्पष्ट संदेश है कि रणजीत सिंह न तो दोस्तों व कार्यकर्ताओं को भूलता और न ही गलत करने वालों को कभी माफ करता। चार माह बाद चुनाव है, ये चुनाव हिसाब बराबर करने का है, कार्यकर्ताओं का दर्द मैं समझता हूं और उनका यह दर्द तभी शांत होगा जब हम अपना हिसाब बराबर कर लेंगे।

नगर पालिका रतिया की बजट मीटिंग छठी बार भी हुई रद्द

फतेहाबाद। रतिया नगर पालिका में रिवाइज बजट को लेकर रखी गई विशेष मीटिंग में पहुंचे 14 पार्षदों ने नगर पालिका अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए मीटिंग से वॉक आउट कर दिया और बजट मीटिंग छठी बार भी रद्द हो गई। मीटिंग में नगर पालिका प्रधान प्रीति खन्ना, उप प्रधान जोगिंदर नंदा, सचिव पंकज जून, लेखाकार मनजीत कौर, कनिष्ठ अभियंता हवा सिंह सहित 14 पार्षद मौजूद थे। मिली जानकारी के अनुसार रतिया नगर पालिका का बजट पास करने के लिए आज छठी बार पार्षदों की मीटिंग रखी गई थी। इससे पहले पांच बार मीटिंग कभी अधिकारियों के न आने कभी पार्षदों के न आने के कारण स्थगित कर दी गई थी। आज जब मीटिंग शुरू हुई तो उसमें रतिया के 17 वार्ड पार्षदों में से 14 वार्ड पार्षद मीटिंग में पहुंच गए। जब वार्ड पार्षदों ने अधिकारियों से मीटिंग का एजेंडा मांगा तो सभी पार्षदों को मीटिंग का एजेंडा उपलब्ध करवाया गया। एजेंडा को पढक़र सभी पार्षदों में रोष पैदा हो गया।पार्षदो ने आरोप लगाया कि नगर पालिका अधिकारी ने कुछ ठेकेदारों के साथ भ्रष्टाचार करने के लिए बुढलाड़ा रोड पर बनाए गए सामुदायिक केंद्र में रिपेयर के लिए 30 लाख रुपए बजट में पास करना चाहते हैं जबकि सामुदायिक केंद्र का पहले भी लाखों रुपए खर्च कर कई बार रिपेयर करवाई गई है लेकिन उसके हालात में कोई सुधार नहीं हो रहा।

प्लाटों का कब्जा पत्र मिलने से गरीब घरों में आई है खुशहाली: सीमा त्रिखा

जींद। प्रदेश की स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री सीमा त्रिखा ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्ति को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा पात्र लोगों को उनके घर बैठे हक दिया जा रहा है। जनता से सीधे रूप से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं को परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़ कर ऑनलाइन कर दिया गया है। महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के तहत प्लाट पर अधिकृत रूप से कब्जा मिलने से गरीब घरों में खुशहाली का दौर आएगा। यह सब प्रदेश की भाजपा सरकार ने संभव किया है। शिक्षा राज्य मंत्री सीमा त्रिखा स्थानीय डीआरडीए सभागार में 100-100 गज प्लाटों के जिला स्तरीय कब्जा पत्र वितरण समारोह को बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान जिला जींद के 153 तथा जिला कैथल के 34 लोगों को उनके प्लाट के कब्जा पत्र भेंट किए। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गांवों से पहुंची महिलाओं को सबसे पहले आमंत्रित किया और उनको उनके प्लाटों के कब्जा पत्र भेंट किए।

सरकारी विभागों से संबंधित आम जनता की समस्याएं अब होगी दूर: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में सुनीं जनता की समस्याएं, मुख्यमंत्री की पहल पर मुख्य सचिव कार्यालय में बना समाधान प्रकोष्ठ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार अब सरकारी विभागों से संबंधित आम जनता की समस्याओं का निवारण करने को प्राथमिकता दे रही है। इसके लिए चंडीगढ़ स्थित मुख्य सचिव कार्यालय में एक समाधान प्रकोष्ठ बनाया गया है, जो ज़िला और उपमंडल स्तर पर कार्य दिवसों में हर रोज़ प्रातः 9 से 11 बजे तक समाधान शिविरों के संचालन की देख रेख करेगा। ऐसे शिविरों में ज़िला प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह के निर्देश पर प्रत्येक जिला में शिविर लगाए जाने की शुरुआत भी हो चुकी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में आमजन की समस्याएं सुन रहे थे।मुख्यमंत्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक जिला व उपमंडल स्तर पर शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान निर्धारित अवधि में किया जाएगा। हरियाणा सरकार ने इसके लिए मुख्य सचिव कार्यालय में समाधान प्रकोष्ठ का गठन किया है, जो पूरे प्रदेश में शिविरों के संचालन की देखरेख करेगा। शिविर में कितनी समस्याएं आई, कितनी समस्याओं का समाधान हुआ और कितनी बाकी रह गई। जिन समस्याओं का निवारण नहीं हुआ, उसके पीछे कारण या वजह क्या रही। इसकी रिपोर्ट प्रत्येक जिले से ज़िला प्रशासन हर रोज़ मुख्य सचिव कार्यालय को भेजेगा, जो मुख्यमंत्री को भेजी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में आमजन के सामने आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए जहां नीतिगत फैसले लेने की आवश्यकता होगी, ऐसे मामलों में मुख्य सचिव समाधान

प्रकोष्ठ की बैठक संबंधित प्रशासनिक सचिवों के साथ करेंगे। इसके बाद योजना के क्रियान्वयन में अड़चन को दूर करने के लिए जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएगें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्याओं के समाधान के लिए सरकार तत्परता से कार्यवाही कर रही है। सरकारी विभागों से संबंधित जो भी समस्याएं संज्ञान में आएगी, उनका हर हाल में समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। नायब सिंह ने बताया कि प्रत्येक कार्यदिवस पर ज़िला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन प्रातः 9 बजे से 11 बजे तक किया जाएगा।

इन शिविरों में ज़िला प्रशासन, पुलिस, राजस्व, नगर निगम अथवा नगर परिषद, समाज कल्याण आदि जन कल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे। उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक अथवा डीसीपी (मुख्यालय), अतिरिक्त उपायुक्त, जिला नगर आयुक्त, उपमंडल अधिकारी (ना0), जिला समाज कल्याण अधिकारी आदि अधिकारीगण जिला स्तर पर समाधान शिविर में उपस्थित रहेंगे। इसी प्रकार उपमंडल स्तर पर उपमंडल अधिकारी (ना0) के साथ, डीएसपी तथा अन्य उपमंडल स्तर के अधिकारीगण उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी और परिवार पहचान पत्र की त्रुटियां दूर करने के लिए सुनवाई ज़िला और उपमंडल स्तर पर होगी और उन गलतियों को दूर किया जाएगा। इन शिविरों में मुख्य रूप से ज़मीन की रजिस्ट्री, एनओसी प्राप्त करने, राशन कार्ड बनवाने, राशन वितरण, अपराध संबंधी शिकायतें, बिजली, सिंचाई, जन स्वास्थ्य बारे शिकायतें, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसे बुढ़ापा पेंशन, दिव्यांगता या विधवा पेंशन से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी और उनका समाधान किया जाएगा। इनके अलावा भी जो समस्याएं प्रशासनिक दायरे में होंगी उनको हल करने के किए कदम उठाए जाएंगे।

हरियाणा में कराया जाएगा एससी चौपालों का निर्माण: नायब सिंह सैनी

एजेंसी

सोनीपत। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में अनुसूचित जाति (एससी) के लिए चौपालों का निर्माण कराया जाएगा। एससी समुदाय के लिए सभी गांवों में

- **मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 2690 प्लॉट की रजिस्ट्री करवाई वितरित**

चौपालों की स्थापना से सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा मिलेगा। यह बात उन्होंने यहां दीनबंधू छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल (डीसीआरयूएसटी) के सभागार में राज्य स्तर पर बीपीएल परिवारों को 100-100 गज के प्लॉट की रजिस्ट्री के कागजात सौंपने के कार्यक्रम में कही। उन्होंने यहां 2690 लोगों को 100-100 गज के प्लॉटा की रजिस्ट्री के कागजात सौंपे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह पहल सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि हम हर नागरिक को

सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि चौपालें ग्रामीण समुदायों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करती हैं। जहां लोग एकत्रित हो सकते हैं। सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन कर सकते हैं। सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद ले सकते हैं। एससी समुदाय के लिए सभी गांवों में चौपालों की स्थापना से सामाजिक समरसता और एकता को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी ग्रामीण बस्ती योजना के अंतर्गत सोनीपत में 1794 प्लॉट, करनाल में 108 प्लॉट, रोहतक में 766 प्लॉट, पानीपत में लाभार्थियों को 22 प्लॉट के कागजात सौंपने की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना का उद्देश्य गरीब और वंचित वर्ग को उनके सपनों का घर उपलब्ध कराना है। योजना के तहत 2690 प्लॉट की रजिस्ट्री करवाई गई है, जिससे लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा और उन्हें स्थिरता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत हर नागरिक का पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त करने का अधिकार है। यह योजना गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए एक वरदान साबित हुई है, जो महंगे इलाज का खर्च नहीं उठा सकते। किसानों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने नई तकनीकों और योजनाओं को लागू किया है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है।

महिलाओं के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कई प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम शुरू किए हैं, जिनसे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री ने अंत्योदय अन्न योजना का जिक्र करते हुए कहा कि हमारा संकल्प है कि हरियाणा के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश कर रही है ताकि युवाओं को बेहतर अवसर मिल सकें।

टोहाना में बन्द पड़ी प्लाईवुड फैक्टरी में लगी भीषण आग 20 एकड़ में फैली

एजेंसी

फतेहाबाद। जिले के शहर टोहाना में हिसार रोड पर सोमवार दोपहर बाद एक बंद पड़ी एक प्लाईवुड फैक्ट्री में भयंकर आग लग गई। देखते

ही देखते आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठनी शुरू हो गई और आग ने करीब 20 एकड़ के एरिया को अपनी चपेट में ले लिया।इस बारे सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाडियां मौके पर पहुंची और कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि अभी भी कुछ एरिया में हलकी आग सुलग रही है।

इस आगजनी से इस एरिया में रहने वाले जीव जंतु और पक्षी आग की भेंट चढ़ गए। मिली जानकारी के अनुसार टोहाना के हिसार रोड पर करीब 34 एकड़ में न्यू कैम प्लाईवुड फैक्ट्री बनी हुई है, जो पिछले काफी सालों से बंद पड़ी थी।

फैक्टरी बंद रहने के कारण अंदर काफी घास फूस पेड़ पौधे उग आये और पुरानी प्लाई भी काफी मात्रा में पड़े होने की बात सामने आई है। आज दोपहर किन्हीं कारणों से फैक्ट्री के काफी क्षेत्र में उगी झाड़ फूस में आग लग गई, जो बेहद तेजी से फैली और वहां पड़ी पुरानी प्लाई व पेड़ पौधों में भी आग लग गई। काफी जीव जंतु और पक्षी यहां ज पेड़ पौधों में रह रहे थे, वह आग की भेंट चढ़ गए।फैक्ट्री में तैनात सिक्योरिटी गार्ड आकाश की सूचना पर फायर ब्रिगेड की कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। आग ज्यादा क्षेत्र में फैली होने के कारण तीन गाडियों को मौके पर बुलाया गया और अब आग पर काबू पा लिया गया है। हालांकि कहीं कहीं अभी भी आग सुलग रही है।

फतेहाबाद में सरकार के आदेशों का असर, डीसी व एसपी ने लगाया समाधान शिविर

एजेंसी

फतेहाबाद। लोकसभा चुनावों में मिली हार से सबक लेते हुए प्रदेश सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समाधान करने के निर्देश जारी किए है। इन निर्देशों के बाद जनता की समस्याओं के निवारण के लिए जिला स्तर पर लघु सचिवालय के सभागार में डीसी राहुल नरवाल की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में लोगों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी, जिन पर उपायुक्त ने समाधान के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार ने नागरिकों की समस्याओं के निवारण के लिए मुख्य सचिव कार्यालय में समाधान प्रकोष्ठ का गठन किया है। जिला व उपमंडल स्तर पर सभी कार्य दिवस में सुबह 9 बजे से 11 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।इन शिविर में पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, समाज कल्याण आदि जनकल्याण की योजनाएं लागू करने वाले

विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि आयोजित हुए समाधान शिविर में ज्यादातर समस्याएं परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दूर करने बारे थी। कुछ नागरिक पेंशन न बनने की समस्याएं भी लेकर आए, जिनका मौके पर ही समाधान करवाने के निर्देश दिए गए है। डीसी राहुल नरवाल ने बताया कि समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, प्रोपर्टी आईडी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन मामलों की सुनवाई की जानी है। इसके लिए लघु सचिवालय के सभागार में स्थान चिन्हित किया गया है। इसमें कर्मचारियों की ड्यूटियां भी निर्धारित कर दी गई है। आने वाली समस्याओं के निवारण के लिए कर्मचारी मौके पर ही प्रार्थी की समस्या का समाधान करेंगे। इन शिविरों में जमीन की रजिस्ट्री, एनओसी प्राप्त करने, राशन कार्ड बनवाने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसे बुढ़ापा पेंशन, दिव्यांगता व विधवा पेंशन से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी। उन्होंने बताया कि उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम समाधान शिविर लगाएंगे। उनमें भी हर रोज कार्य दिवस के दौरान लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

महिला आयोग की चेयरपर्सन ने की महिलाओं के 10 केसों की सुनवाई

एजेंसी

पलवल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने लघु सचिवालय पलवल के तृतीय तल पर स्थित पुलिस विभाग के सभागार में पीड़ित महिलाओं से संबंधित प्राप्त 10 केसों की सुनवाई की। अधिकतर मामलों को मौके पर ही निपटा दिया गया, जबकि दो अलग-अलग मामलों को आगे की सुनवाई के लिए लंबित रखा गया।इन केसों में अधिकतम केस महिलाओं से छेड़छाड से संबधित सामने आए, जिन पर संज्ञान लेते हुए चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने आरोपी व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसे ध्यान में रखते हुए हम सभी को मिलकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में अधिक प्रयास करने होंगे। इसके पश्चात चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता को जाहिर करते हुए उनके पूर्ण अधिकारों का ज्ञान करवाने के लिए पुलिस सभागार में प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। इस अवसर पर उनके साथ पुलिस अधीक्षक डा. अंशु सिंगला मौजूद रही। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों के प्रति पूरी सजगता से कार्य कर रहा है।

समाधान शिविर हुआ शुरू, आमजन की समस्याओं का मौके पर ही किया निदान

शिविर में मौजूद रहे पुलिस अधीवक्षक सहित तमाम विभागों के अधिकारी

एजेंसी

झज्जर। प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश पर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए जिला झज्जर के लघु सचिवालय में सोमवार से समाधान शिविर की शुरुआत हो गई। जिला उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह की अध्यक्षता में शुरू हुए शिविर में डीसीपी अर्पित जैन व अन्य विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए गए।

डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि जनता की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हर रोज लघु सचिवालय स्थित डीसी कार्यालय में समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार जिला के विभिन्न विभागों के अधिकारी सोमवार सुबह नौ बजे से ग्यारह बजे तक शिविर में मौजूद रहे। पहले दिन शिविर में कुछ लोग पेंशन से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे जिनके समाधान के लिए जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं। शिविर के उपरांत उपायुक्त ने अधिकारियों के साथ मीटिंग आयोजित की व उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को लेकर गंभीरता के साथ कार्य करते हुए उनका समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि मूलभूत समस्याओं को लेकर समाधान शिविर में पहुंचे। उन्होंने नगर परिषद व जन स्वास्थ्य विभाग को नालों व सीवरेज की सफाई जल्द पूरी करने के निर्देश दिए ताकि मानसून के वक्त जलभराव की समस्या ना हो। डीसी ने कहा कि प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह नौ बजे से लेकर 11 बजे तक समाधान शिविर का

जिला मुख्यालय में आयोजन किया जाएगा। समाधान शिविर में पुलिस अधीक्षक के अलावा अन्य सभी विभागों के प्रमुखों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसका मकसद है कि शिविर में समस्याएं लेकर आने वाले लोगों की समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। समाधान शिविर को लेकर गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए लगाया समाधान शिविर

एजेंसी

रोहतक। लघु सचिवालय स्थित सभागार में लोगों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम दिन

पांच शिकायते प्राप्त हुई, जिन्हें संबंधित विभागों को निपटारे के लिए भेजा गया। समाधान शिविर में उपायुक्त अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक हिमांशु गर्ग, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त अंकिता वर्मा, नगराधीश अंकित कुमार लोगों की शिकायतें सुनी। उन्होंने शिकायतकर्ताओं से संवाद करने के उपरांत मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को इन शिकायतें के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि प्रति कार्य दिवस सुबह 9 से 11 बजे तक लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर आयोजित किये जा रहे है। इन शिविरों की प्रगति रिपोर्ट भी हर दिन सरकार को भेजी जायेगी। समाधान शिविरों में प्रोपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, भूमि पंजीकरण, स्थानीय निकाय से अनापत्ति प्रमाण पत्र, नगर पालिकाओं से नक्शे की स्वीकृति, समाज कल्याण विभाग की विभिन्न पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली, अपराध से संबंधित शिकायतों, बिजली, सिंचाई, जनस्वास्थ्य से संबंधित शिकायतों की हर कार्य दिवस को सुबह 9 से 11 बजे तक सुनवाई की जायेगी। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी कनब लाकड़ा, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी महाबीर गोदारा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं का मौके पर ही हुआ समाधान

एजेंसी

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के सभागार में सुबह नौ बजे से 11 बजे समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों की प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, राशन कार्ड तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं आदि समस्याएं सुनी गई।

उपायुक्त ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का मौके पर समाधान करवाया। शिविर के दौरान उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार ही सुबह नौ बजे से 11 बजे तक जिला मुख्यालय और उपमंडल स्तर पर समाधान शिविरों का आयोजन शुरु कर दिया गया है। यह सरकार की नई पहल है। उन्होंने बताया कि इन शिविरों में मुख्यतयारू जनता से सीधे रूप से जुड़े प्रोपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन रजिस्ट्रेशन, स्थानीय शहरी निकाय से संबंधित मकान का नक्शा तथा नो ड्यूज प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड और राशन वितरण, बिजली, पानी, सिंचाई

आदि के अलावा क्राइम संबंधित समस्याएं सुनी जाएंगी। उनका मौके पर ही समाधान किया जाएगा। जिला स्तर का समाधान शिविर लघु सचिवालय स्थित सभागार में प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह नौ से 11 बजे तक आयोजित होगाए जिसमें सबंधित विभागों के अधिकारी मौजदू रहेंगे। इसी कड़ी में लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित शिविर में दर्जनभर लोग परिवार पहचान पत्र, पीपीपी, गली निर्माण, रास्ता अवरूद्ध करने व खाद्य एवं पूर्ति विभाग से संबंधित अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। मौके पर मौजूद डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देकर समस्याओं का तुरंत समाधान करवाया।

एमडीयू में फीस वृद्धि का फैसला तुरंत वापिस ले सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

एजेंसी

रोहतक। कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र सिंह हुड्डा ने नई शिक्षा नीति के नाम पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में पांच गुना तक बढ़ाई फीस को तुरंत वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि हरियाणा में मिली करारी हार से बौखलाई सरकार अब नौजवानों से हार का बदला निकाल रही है। बीजेपी सरकार शिक्षा को व्यापार बनाकर गरीब परिवारों के होनहार बच्चों की उच्च शिक्षा का सपना चूर-चूर कर रही है। यह बात उन्होंने यहां जारी बयान में कही। उन्होंने कहा कि छात्रों और बेरोजगार युवाओं में सरकार के प्रति भयंकर रोष है। यही कारण था कि इस लोकसभा चुनाव में युवाओं ने सरकार के खिलाफ वोट डाला और 90 में से 46 सीटों पर कांग्रेस को जीत दिलाई। इन नतीजों को हरियाणा की बीजेपी सरकार स्वीकार नहीं कर पाई और अब तक प्रतिशोध की आग में जल रही है। यहां जारी बयान में सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने आरोप लगाया कि फीस वृद्धि के नाम पर प्रदेश के विद्यार्थियों से खुली लूट की जा रही है। बीजेपी सरकार आम परिवारों के बच्चों के लिए यूनिवर्सिटी के दरवाजे बंद करना चाहती है। एक तरफ प्रदेश के 182 सरकारी कॉलेजों में प्राध्यापको के 7986 मंजूर पद हैं, लेकिन वर्तमान में 3368 ही मौजूद हैं यानी मांग के अनुरूप करीब 4618 पद खाली है। इसी तरह पूरे प्रदेश के सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पडे हुए है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले दस साल से प्रदेश के सरकारी शिक्षा तंत्र को तबाह कर रही है। उच्च शिक्षा को युवाओं के लिये सस्ता और सुलभ बनाने की बजाय उसे महंगा कर प्रदेश के छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने पहले पांच हजार सरकारी स्कूलों को बंद कर दिया, फिर एमबीबीएस फीस दो लाख से बढ़ाकर 40 लाख कर दिया और अब यूनिवर्सिटी में कई गुना फीस बढ़ा दी ताकि गरीब का बच्चा पढ़ लिख कर काबिल न बन सके।

लेनोवो ने गेमर्स के लिए डेस्कटॉप कस्टमाईज़ेशन किया पेश

एजेंसी
बेंगलुरू। लेनोवो ने गेमिंग के ग्राहकों के लिए अपने डेस्कटॉप कंप्यूटरों में एंड-टू-एंड कस्टमाईज़ेशन विकल्प प्रदान करके नए मानक स्थापित किए हैं। यह ब्रांड गेमिंग डेस्कटॉप में बड़े स्तर पर कस्टमाईज़ेशन के विकल्प प्रदान कर रहा है, जिससे यूज़र अपने कंप्यूटिंग के अनुभव को अपनी जरूरतों और पसंद के अनुरूप कस्टमाईज़ कर सकेंगे। अब ग्राहक अपने गेमिंग डेस्कटॉप को लीजन और एलओक्यू गेमिंग डेस्कटॉप में एंड-टू-एंड अपग्रेड कर सकते हैं। ग्राहकों को विभिन्न कस्टमाईज़ेशन विकल्प मिल रहे हैं, जिनमें बेहतर परफॉर्मेंस के लिए लेटेस्ट इंटेल आई7 14 जनरेशन तक प्रोसेसर का अपग्रेड। ज्यादा मल्टीटास्किंग क्षमताओं के लिए 32 जीबी तक का मैमोरी अपग्रेड, गेमिंग और ग्राफिक डिज़ाईन के बेहतर अनुभव के लिए शक्तिशाली एनवीडिया आरटीएक्स 4060टीआई तक ग्राफिक कार्ड अपग्रेड, अन्य अपग्रेड होने वाले उपकरण जैसे स्टोरेज विकल्प , वाईफाई कनेक्टिविटी, और सिस्टम में बेहतर कूलिंग और एयरफ्लो के लिए फ्रंट एवं रियर फैन सलेक्शन।

भारतीय व्यापारियों की लिपुलेख दर्रे के जरिये चाईना के साथ सीमा व्यापार फिर शुरू करने की मांग

पिथौरागढ़ । पिथौरागढ़ जिले में लिपुलेख दर्रे के जरिये चीन के साथ 1992 से सीमा व्यापार कर रहे भारतीय व्यापारियों ने केंद्र सरकार से इस मार्ग से सीमा व्यापार फिर से शुरू करने का मुद्दा चीन के समक्ष उठाने का अनुरोध किया है। वर्ष 2019 में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रकोप के बाद इस व्यापार मार्ग अचानक बंद कर दिया गया था, जिससे भारतीय व्यापारियों को तिब्बत के तकलाकोट मार्ट से अपने ऊनी उत्पादों को छोड़कर लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। दाराचुला में सीमावर्ती व्यापारियों के एक संगठन ने कहा कि पांच साल बीत चुके हैं लेकिन मार्ग नहीं खोला गया है। भोटिया जनजाति के व्यापारियों ने लिपुलेख के जरिये व्यापार मार्ग को फिर से खोलने की मांग तब उठानी शुरू कर दी, जब चीन ने हाल ही में एक समझौते को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की, जिसमें उसने नेपाल के साथ सभी 14 व्यापार मार्ग खोलने पर सहमति व्यक्त की थी। भारत तिब्बती सीमांत व्यापार समिति दाराचुला के अध्यक्ष जीवन सिंह रोंगकाली ने कहा कि दिसंबर, 2022 में चीन तथा नेपाल द्वारा किए गए समझौते का कार्यान्वयन इस साल 25 मई को शुरू हुआ, जब चीन ने पूर्वी नेपाल के डोल्पा जिले में स्थित पियांगी दर्रे को खोल दिया। उन्होंने कहा कि नेपाल के पश्चिमी क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पर हुमला, बजांग और दाराचुला जिलों में पड़ने वाले तीन और दर्रे क्रमशः 20, 30 और 25 जून को खोले जाएंगे।

पेटीएम में कर्मचारियों की बढ़ी परेशानी, अब फिर चली नौकरियों पर कैंची

नई दिल्ली। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस फिर से कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है। कंपनी में छंटनी का दौर फिर से शुरू हो गया है। कंपनी ने एक बयान दिया है जिसमें कहा गया है कि कर्मचारियों का ट्रांजीशन करने के लिए कर्मचारियों का 'आउटप्लेसमेंट' (कहीं और भर्ती) की जा रही है। हालांकि इस कड़ी में कितने कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है, इस संबंध में कंपनी ने स्पष्ट रुप से कोई जानकारी नहीं दी है। बता दें कि ये छंटनी वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने की है। पेटीएम का स्वामित्व वन97 कम्युनिकेशंस के पास ही है। कंपनी ने एक बयान में दावा किया कि वह कर्मचारियों के सुचारू रूप से स्थानांतरण के लिए उन्हें 'आउटप्लेसमेंट' (कहीं और भर्ती) सहायता उपलब्ध करा रही है। हालांकि, बयान में कितने कर्मचारियों की छंटनी की गई है इसकी संख्या उजागर नहीं की गई। जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में पेटीएम के कर्मचारियों (बिक्री) की संख्या तिमाही आधार पर करीब 3,500 घटकर 36,521 रह गई, जिसका मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पेटीएम पेमेंट्स बैंक की सेवाओं पर प्रतिबंध लगाना था।

जेके टायर ने व्यापक टायर प्रबंधन प्रदान करने के लिए ईकेए मोबिलिटी के साथ साझेदारी की

एजेंसी
नई दिल्ली। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज ने व्यापक टायर प्रबंधन उपलब्ध कराने के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी ईकेए मोबिलिटी के साथ साझेदारी की है। साझेदारी के तहत जेके टायर ईकेए के बेड़े की वास्तविक समय निगरानी के लिए 'कनेक्टेड ट्रील सेंसर' के साथ अपनी नई पीढ़ी के इलेक्ट्रिक वाहन टायर प्रदान करेगा, इस प्रकार अपने मोबिलिटी समाधान कार्यक्रम के जरिए व्यापक टायर प्रबंधन की पेशकश करेगा। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज ने एक बयान में कहा कि मुंबई में वर्तमान में तैनात बेड़े से शुरुआत करते हुए कंपनी सभी शहरों में ईकेए के बेड़े को व्यापक समर्थन प्रदान करेगी। जेके टायर एंड इंडस्ट्रीज के निदेशक (बिक्री एवं विपणन) श्रीनिवासु अल्लाफन ने कहा, ''यह सहयोग टायर प्रबंधन में नवाचार व उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमारे ग्राहकों को उनकी संपूर्ण परिवहन आवश्यकताओं के लिए बेजोड़ सेवा और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त, यह पर्यावरण संरक्षण और उत्पाद उन्नति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

सेबी सात कंपनियों की 22 संपत्तियों की आठ जुलाई को करेगा नीलामी

एजेंसी
नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) निवेशकों से गलत ढंग से पैसा जुटाने वाली सात कंपनियों से वसूली के लिए उनकी 22 संपत्तियों की आठ जुलाई को नीलामी करेगा।

बाजार नियामक सेबी ने जारी एक बयान में बताया कि निवेशकों से गलत ढंग से पैसा जुटाने वाली सात कंपनियों से वसूली के लिए उनकी 22 संपत्तियों की आठ जुलाई को नीलामी की जाएगी। सेबी ने कहा कि निवेशकों से अवैध रूप से धन एकत्र करने के मामले में पाइलन ग्रुप, विबग्योर ग्रुप और जीबीसी इंडस्ट्रियल कॉर्प समेत सात कंपनियां शामिल हैं। इनमें टावर इन्फोटेक ग्रुप, वारिस ग्रुप, टीचर्स वेलफेयर क्रेडिट एंड होल्डिंग ग्रुप और एनेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड भी शामिल हैं।

सेबी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के अनुरूप इन कंपनियों की 22 संपत्तियों की बिक्री की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए न्यायमूर्ति

शैलेंद्र प्रसाद तालुकदार की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति बनाई गई है। बजार नियामक ने कहा कि इन संपत्तियों में पश्चिम बंगाल में भूखंड और एक फ्लैट शामिल हैं। इन संपत्तियों की नीलामी आठ जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक ऑनलाइन आयोजित की गई है। इसकी नीलामी 45.47 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर की जाएगी। दरअसल इन फर्मों ने नियामकीय मानदंडों का पालन किए बगैर निवेशकों से पैसा जुटाया था।

सीतारमण को मिली वित्त मंत्री एवं कॉर्पोरेट मामलों की अहम जिम्मेदारी

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल की शपथ ग्रहण के बाद केन्द्रीय मंत्रिमंडल के मंत्रालयों का वितरण हो गया है। हालांकि, बड़े मंत्रालयों में कोई फेरबदल नहीं किया गया है। अधिकांश मंत्रियों के मंत्रालय पिछली सरकार की भांति बने रहेंगे। मोदी ने एक बार फिर से निर्मला सीतारमण को वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल 2019 में वित्त मंत्री रह चुकीं निर्मला सीतारमण को एक बार फिर से वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में उन्होंने भारत की दूसरी महिला रक्षा मंत्री के रूप में भी काम किया है। सीतारमण के राजनीतिक सफर पर नजर डालें तो उन्होंने 31 मई, 2019 को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री और देश के 28वें वित्त मंत्री के

रूप में शपथ ली थी। सीतारमण की स्कूली शिक्षा मद्रास और तिरुचिरापल्ली में हुई। 1980 में इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएट होने के बाद वो जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) पहुंचीं और फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ाई पूरी की।

डीपीआईआईटी सचिव ने देश में गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि देश में संपूर्ण गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करने की जरूरत है।

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के 'विश्व प्रमाणन दिवस' के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मानक प्रथाओं से आगे जाने और प्रक्रियाओं को विकसित करने की जरूरत है। क्यूसीआई ने देश के 20 से अधिक शहरों में विश्व प्रत्यायन दिवस मनाया। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि राजधानी नई दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय था प्रत्यायन- कल को सशक्त बनाना और भविष्य को आकार देना, जिसका उद्घाटन डीपीआईआईटी के सचिव राजेश

कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के निदेशक डॉ. एम. श्रीनिवास, भारतीय गुणवत्ता परिषद के अध्यक्ष जैक्सय शाह के साथ-साथ कई उद्योग जगत के नेता, सरकारी अधिकारी और कंपनी प्रमुख मौजूद थे, जिन्होंने सभी क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता को आकार देने में प्रत्यायन की भूमिका पर चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजेश कुमार सिंह ने मानक प्रथाओं से आगे जाने और ऐसी प्रक्रियाएं विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो हमें भीड़ से अलग खड़ा कर सकें।

उन्होंने अपने संबोधन में उल्लेख किया कि मान्यता निकाय और संपूर्ण गुणवत्ता प्रणाली को मजबूत करना न केवल एक जरूरत है बल्कि उत्कृष्टता की ओर एक रणनीतिक कदम है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार और भारतीय उद्योग द्वारा 1997 में स्थापित भारतीय गुणवत्ता परिषद, देश में एक शीर्ष संगठन है, जो तीसरे पक्ष की राष्ट्रीय मान्यता प्रणाली की स्थापना और संचालन, सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता में सुधार और गुणवत्ता से संबंधित सभी मामलों पर सरकार और अन्य हितधारकों को सलाह देने के लिए जिम्मेदार है।

सत्ता संभालने से पहले चंद्रबाबू परिवार की संपत्ति में 1,225 करोड़ रुपये का इजाफा

एजेंसी
नई दिल्ली। पिछले पांच साल से सत्ता से दूर रहे चंद्रबाबू नायडू की किस्मत ने पलटी मारी है। आंध्र प्रदेश में ना केवल उनकी सत्ता में वापसी हुई है, बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद केंद्र सरकार में उनकी भूमिका बढ़ने के साथ परिवार की संपत्ति में 1,225 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। राज्य की सत्ता संभालने से पहले एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार की संपत्ति में उल्लेखनीय

वृद्धि हुई है। आंध्र प्रदेश स्थित हेरिटेज फूड्स के शेयरों में पिछले 12 कारोबारी सत्रों में 105 फीसदी से अधिक बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के शेयरों में इस उछाल से उनके परिवार की संपत्ति में 1,225 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। हेरिटेज फूड्स के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 727.9 रुपये के नए 52 हफ्ते के उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में 10 फीसदी का ऊपरी सर्किट लगा है। आंध्र प्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71 फीसदी यानी कंपनी के 3,31,36,005 शेयर हैं।

एसोचैम ने श्री मोदी को दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली। उद्योग मंडल एसोचैम ने श्री नरेन्द्र मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की आज सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में भारत अगले कई वर्षों तक समावेशी और सतत आर्थिक विकास के बल पर वैश्विक रैंकिंग में और

ASSOCHAM INDIA

अधिक मजबूत होगा। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने प्रधानमंत्री को अपने बधाई संदेश में कहा, आपके तीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ ही भारतीय उद्योग जगत को विश्वास है कि आपके नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा और दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच विकास की सबसे तेज गति को बनाए रखेगा।

सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी सस्ते हुए

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुएं सस्ती हुई हैं। बाजार में आई इस गिरावट के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,810 रुपये से लेकर 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 65,840 रुपये से लेकर 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72 हजार रुपये और 22 कैरेट सोना 66 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर बना हुआ है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। आज की गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,540 रुपये

प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 71,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 71,710 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 65,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 71,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 71,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 65,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद टूटा शेयर बाजार, सेंसेक्स पहली बार 77 हजार के पार

नईअदिल्ली । पिछले कारोबारी सप्ताह के आखिरी तीन दिन जोरदार मजबूती दिखाने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि आज के कारोबार की शुरुआत ऑल टाइम हाई ओपनिंग के नए रिकॉर्ड के साथ हुई थी। पहले घंटे के कारोबार में ही शेयर बाजार खरीदारी के सपोर्ट से अभी तक के सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचने में सफल रहा। सेंसेक्स पहली बार 77,000 अंक के स्तर को पार कर गया। इसके बाद मुनाफावसूली का दबाव बन जाने के कारण घरेलू शेयर बाजार ने लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार के दौरान कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा जबकि बीएसई के अन्य सेक्टर्स खरीदारी के सपोर्ट से हरे निशान में बंद हुए। रियल्टी और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में आज जोरदार खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.04 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज बाजार में कमजोरी आने के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब डेढ़ लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.91 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 423.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.42 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,129 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,630 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,362 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 137 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,549 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 807 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 15 शेयर बढ़त के साथ और 15 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज ऑल टाइम हाई ओपनिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 242.05 अंक की मजबूती के साथ 76,935.41 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से ये सूचकांक 385.68 अंक उछल कर पहली बार 77,000 अंक के स्तर को पार करते हुए अभी तक के सर्वोच्च शिखर 77,079.04 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने थोड़ी ही देर में लाल निशान में गोता लगा दिया। हालांकि खरीदारों ने एक बार फिर बाजार में जोर लगाया, जिसके कारण दोपहर 11 बजे के करीब ये सूचकांक रिकवर करके हरे निशान में आ गया। दोपहर 2 बजे के बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक दोबारा लाल निशान में लुढ़क गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 203.28 अंक की कमजोरी के साथ 76,490.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में मिला-जुला कारोबार, बिटकॉइन में तेजी, एथेरियम में गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। क्रिप्टो करेंसी मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप-10 में शामिल क्रिप्टो करेंसीज में से 4 मामूली बढ़त के साथ ग्रीन जोन में कारोबार कर रही हैं, 4 क्रिप्टो करेंसीज गिरावट के साथ रेड जोन में कारोबार करती नजर आ रही हैं। इसके अलावा 2 क्रिप्टो करेंसी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय समय के हिसाब से आज शाम 6 बजे तक बिटकॉइन 0.04 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 69,360.82

डॉलर यानी 57.92 लाख रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके विपरीत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी एथेरियम की कीमत आज 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गिर कर 3,674.32 डॉलर के स्तर पर आ गई थी। बिटकॉइन और एथेरियम के अलावा बीएनबी 5.44 प्रतिशत, डॉगकॉइन 0.66 प्रतिशत और टॉनकॉइन 0.88 प्रतिशत की कमजोरी के साथ रेड जोन में कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर सोलाना 0.34 प्रतिशत, एक्सआरपी 0.42 प्रतिशत और कार्डानो 1.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। इनके अलावा टेथर और यूएसडी कॉइन की कीमत में पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान कोई बदलाव नहीं हुआ है। कॉइन मार्केट कैप से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में 0.29 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल क्रिप्टो करेंसी का ग्लोबल मार्केट कैप घट कर 2.53 लाख करोड़ डॉलर यानी करीब 211.8260 लाख करोड़ रुपये रह गया है।ग्लोबल मार्केट कैप में गिरावट आने के बावजूद पिछले 24 घंटे के दौरान क्रिप्टो करेंसीज के लेन-देन में तेजी आई है। इस अवधि में कुल 5,500 करोड़ डॉलर यानी 4.59 लाख करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की लेन-देन हुई, जो 1 दिन पहले की तुलना में 8.56 प्रतिशत अधिक है। अगर दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की बात करें, तो कीमत में मामूली तेजी आने के साथ ही पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान क्रिप्टो करेंसी मार्केट में इस आभासी मुद्रा की स्थिति 0.17 प्रतिशत मजबूत हुई है, जिसके कारण इसकी मार्केट हिस्सेदारी बढ़ कर 54.06 प्रतिशत हो गई है।

चालू वित्त वर्ष में दबाव वाली आवासीय परियोजनाओं की कर्ज वसूली दर सुधरेगी: रिपोर्ट

एजेंसी
मुंबई । दबाव वाली आवासीय परियोजनाओं में फंसे कर्ज की वसूली दर चालू वित्त वर्ष में बेहतर होने की उम्मीद है। घरों की कीमतें बढ़ने के अलावा नियमों में बदलाव से भी इसमें मदद मिलने की संभावना है। एक रिपोर्ट में यह उम्मीद जताई गई। घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में फंसी हुई आवासीय परियोजनाओं से कर्ज की वसूली दर बढ़कर 16-18 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 11 प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र में स्वस्थ मांग और घरों की कीमतों में बढ़ोतरी के अलावा ऐसी परियोजनाओं में नई जान फूंकने में निवेशकों एवं प्रवर्तकों की दिलचस्पी बढ़ने से तनावग्रस्त परियोजनाओं की व्यवहार्यता में सुधार आने से ऐसा होगा।'' इसके साथ ही क्रिसिल ने कहा कि रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) के नियमों में हाल ही में किए गए संशोधनों से भी मध्यम अवधि में दबाव वाली रियल एस्टेट परिसंपत्तियों के समाधान को मजबूती मिलेगी। इस साल फरवरी में दिवाला नियम में किया गया संशोधन कई परियोजनाओं और समूह के अंतर-संबंधों को शामिल करते हुए उन्हें पूरी कंपनी से अलग करके व्यक्तिगत परियोजनाओं का समाधान करने में सक्षम बनाता है। क्रिसिल के मुताबिक, देश के शीर्ष छह शहरों में आवासीय क्षेत्रों में स्वस्थ आर्थिक वृद्धि और मांग में उछाल के बीच आवासीय मांग में 10-12 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। इसके अलावा खाली पड़े घरों की कम संख्या भी एआरसी (संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों) को प्रवर्तकों या बाहरी निवेशकों के समर्थन से अटकी परियोजनाओं को तेजी से चालू करने में मदद करेगी।

जेएसडब्ल्य ने राजस्थान में एक जीडब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना का निर्माण किया शुरू

एजेंसी
नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने राजस्थान के फतेहगढ़ में एक जीडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना का निर्माण शुरू कर दिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी को हाल ही में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से इस परियोजना का ठेका मिला था। इस परियोजना में दो प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 500 मेगावाट (एच) है। परियोजना को बिल्ड ओन ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) तंत्र के तहत विकसित किया जाएगा और 12 साल बाद इसे 'ऑफटेकर' को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसका लक्ष्य जून 2025 तक इस परियोजना को चालू करना है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के संयुक्त प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी शरद महेंद्र ने कहा, '' ...हमारी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना ग्रिड स्थिरता को बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

Relationship में प्यार की जगह अगर इन चीजों ने ले ली है जगह, तो पड़ सकता है आपका रिश्ता खतरे में

अगर आप दोनों के बीच लड़ाई- झगड़े तो नहीं हो रहे लेकिन किसी की राय किसी के लिए मायने नहीं रख रही पार्टनर के साथ वक्त गुजारने की जगह अकेले रहना ज्यादा पसंद आ रहा है और साथ ही साथ फिजिकल इंटीमेसी में भी कोई रुचि नहीं बची है तो ये इशारा है आपके रिलेशनशिप में खत्म हो रहे स्पार्क का।

लव हो या अरेंज मैरिज, दोनों ही तरह की गाड़ी को चलाने के लिए प्यार नामक फ्यूल की आवश्यकता होती है। वैसे प्यार के अलावा विश्वास, अंडरस्टैंडिंग, केयरिंग नेचर ये सारी भी जरूरी चीजें हैं। बिना इनके गाड़ी को लंबे समय तक चला पाना बहुत ही मुश्किल है। हालांकि ये बात भी सच है कि रिलेशनशिप में एक वक्त बाद बोरियत महसूस होने लगती है। ऐसा नहीं है इस बोरियत के चलते कपल्स बहुत ज्यादा लड़ने-झगड़ने लगते हैं या एकदम से अलग हो जाते हैं, बल्कि छोटी-छोटी चीजों में उनकी ये बोरियत झलकने लगती है, जो रिश्ते में खाई का काम कर सकती है।

पार्टर का ऐसा बर्ताव आपको परेशान कर सकता है और कई बार लोग खुद को इसके लिए जिम्मेदार मानने लगते हैं, तो सबसे पहली बात तो ये नॉर्मल सिचुएशन है। जिसे आसानी से डील किया जा सकता है। जरूरत है तो बस इसे पहचानने की, जिसमें हम कर सकते हैं आपकी मदद। रिलेशनशिप में खो रहे चार्म या स्पार्क की कमी को दर्शाने वाले कुछ संकेत।

रिलेशनशिप में स्पार्क की कमी के संकेत

फिजिकल इंटिमेसी में कमी

वक्त के साथ रिलेशनशिप में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं, जिसमें से एक फिजिकल इंटीमेसी में कमी भी है, लेकिन अगर ये बदलाव एकदम से देखने को मिले, तो ये इशारा हो सकता है रिश्ते में खत्म हो रहे स्पार्क का। जो बेशक तनाव बढ़ाने का काम कर सकता है, लेकिन यही आपको समझना है और फिर आगे काम करता है। पार्टनर की तरफ से ऐसा कुछ देखने को मिले, तो आप आगे बढ़कर इनीशिएटिव लें। हाथों से हाथ डालकर बैठना, बातें करना, प्यार से गले लगाना इन सारी चीजों से आप खो रहे प्यार को फिर से जगा सकते हैं।

अकेले टाइम बिताना

अगर पार्टनर को आपके बजाय अपने दोस्तों के साथ या फिर अकेले वक्त बिताना ज्यादा पसंद आ रहा है, तो ये भी इशारा है रिलेशनशिप में खत्म हो रहे स्पार्क का। रिलेशनशिप को बेहतर बनाने के लिए शुरुआत में तो लोग कॉम्प्रोमाइज करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जैसे-जैसे वक्त बीतता जाता है और आप उन आदतों में सुधार नहीं करते, तो इसके चलते पार्टनर का इंटरेस्ट कम होने लगता है और वो ऐसा बर्ताव करता है।

इग्नोर करना

अगर आपका पार्टनर आपके कॉल या मैसेज पर कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं देता, तो इस इशारे को भी समझने की कोशिश करें। बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसी बेरूखी इशारा है रिश्ते में आ रही दूरियों का। खैर इन चीजों को आपा खोकर डील करने के बजाय, पार्टनर के साथ बैठकर बातचीत करें फिर समाधान के बारे में सोचें।

प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल में भी जारी रहेगा बेरोजगारी संकट

प्रभावी आर्थिक विकास के बावजूद, देश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी का संकट भयावह बना हुआ है, जो मोदी सरकार द्वारा 2014 से अपनाये जा रहे रोजगार रहित विकास मॉडल का प्रमाण है। लोकसभा के नतीजों ने पीएम मोदी को लोकसभा में बहुमत से वंचित कर दिया, जो उनके लिए और सरकार में एनडीए सहयोगियों के लिए भी एक सबक है2014 के बाद से जारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले दो कार्यकालों में अभूतपूर्व बेरोजगारी संकट उनके तीसरे कार्यकाल में भी जारी रहने की संभावना है, जब तक कि वर्तमान रोजगारहीन विकास मॉडल में बदलाव नहीं किया जाता। लगभग एक अरब कामकाजी आयु वर्ग की आबादी में से, पिछले कुछ वर्षों से रोजगार में लगे लोगों की संख्या लगभग 40 करोड़ के आसपास रही है, जो चिंता का विषय है।इस भयावह जमीनी हकीकत के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार के अधिकारी दावा करते रहे कि बेरोजगारी दर में गिरावट आ रही है। यहां तक कि सरकार के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चला है कि 2022-23 के दौरान बेरोजगारी दर गिरकर 3.1प्रतिशत हो गयी है। हालांकि, गैर-सरकारी सीएमआईई के ताजा रियल टाइम आंकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी 7-8प्रतिशत के आसपास मंडराती रही है।लोकसभा चुनाव 2024 के प्रचार के दौरान, जब बेरोजगारी मतदाताओं के बीच एक प्रमुख मुद्दा बन गयी, तो केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा ने एक बयान दिया कि 2022-2023 में 30 मिलियन नौकरियां पैदा की गयीं और पिछले पांच वर्षों में 110 मिलियन से अधिक नौकरियां जोड़ी गयीं। इसका मतलब यह था कि मोदी सरकार ने देश के बेरोजगारी संकट को पहले ही हल कर दिया था, क्योंकि हर साल लगभग 20 मिलियन लोग ही भारतीय श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इसका यह भी मतलब था कि मोदी सरकार ने एक साल में 30 मिलियन नौकरियां पैदा करके ज़रूरत से ज़्यादा काम किया।

डावरा ने यह बयान भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डेटाबेस के 2022-23 के अंतिम आंकड़ों का हवाला देते हुए दिया था, जो पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवा क्षेत्रों में रोजगार सृजन और उत्पादकता के स्तर को ट्रैक करता है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि डावरा के दावे का समर्थन केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के वार्षिक पीएलएफएस डेटा से भी नहीं होता है।

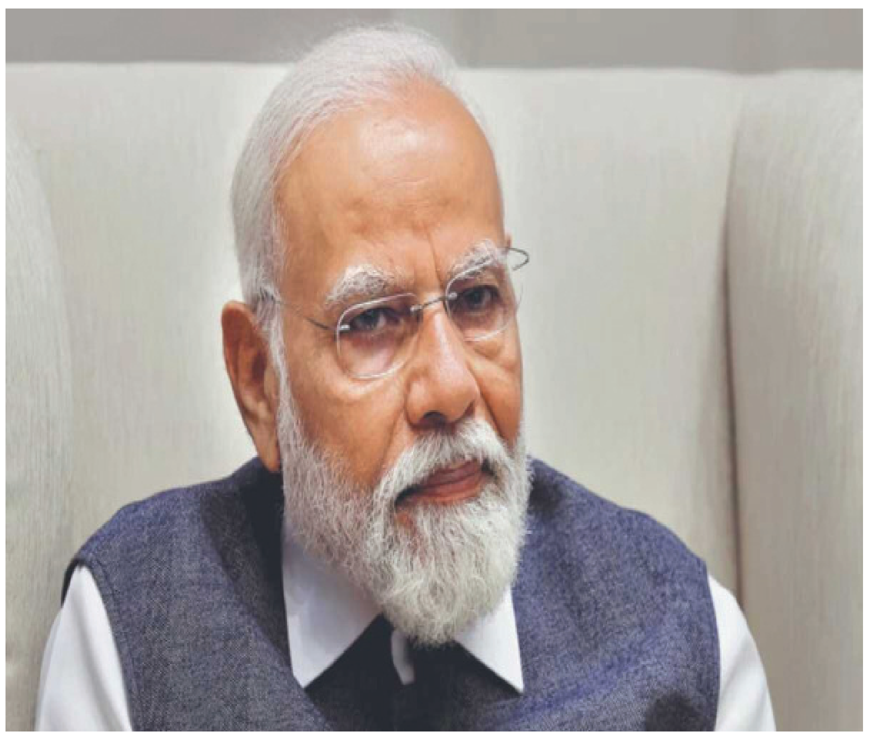

यहां यह याद रखना जरूरी है कि नरेंद्र मोदी ने 2014 में अपने चुनाव प्रचार के दौरान हर साल 20 मिलियन नौकरियां देने का वायदा किया था, जो कभी पूरा नहीं हुआ, यहां तक कि हर साल जारी होने वाले सरकारी आंकड़ों के अनुसार भी नहीं। लेकिन अचानक मोदी सरकार के श्रम सचिव ने पिछले महीने मई में कहा कि पिछले साल 30 मिलियन नौकरियां पैदा हुईं।मार्च में ही मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा था कि यह मान लेना गलत है कि सरकार बेरोजगारी जैसी सभी सामाजिक और आर्थिक समस्याओं को हल कर सकती है। उन्होंने यह बयान नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) के संयुक्त प्रकाशन भारत रोजगार रिपोर्ट 2024~ युवा रोजगार, शिक्षा और कौशल के लॉन्च के दौरान दिया था। सीईए नागेश्वरन ने आश्चर्य जताया था कि सरकार खुद को और अधिक नियुक्त करने के अलावा रोजगार के मामले में क्या कर सकती है, उन्होंने कहा कि सामान्य दुनिया में, यह वाणिज्यिक क्षेत्र है जिसे नियुक्तियां करने की जरूरत है।

रोजगार सृजन पर मोदी सरकार का दृष्टिकोण काफी चौंकाने वाला था। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अभूतपूर्व बेरोजगारी संकट को हल करना मोदी सरकार की प्राथमिकता नहीं थी। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने सीईए के इस बयान की आलोचना की थी कि %सरकार बेरोजगारी की समस्या का समाधान नहीं कर सकती%। अगर यह भाजपा सरकार का आधिकारिक रुख है तो यह चौंकाने वाला है, हमें भाजपा से साहसपूर्वक कहना चाहिए कि %अपनी कुर्सी छोड़ो%।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था, %हमारे युवा मोदी सरकार की दयनीय उदासीनता का खामियाजा भुगत रहे हैं, क्योंकि लगातार बढ़ती बेरोजगारी ने उनके भविष्य को नष्ट कर दिया है। आईएलओ और आईएचडी की रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी की समस्या गंभीर है। वे रूढ़िवादी हैं, हम बेरोजगारी के बम पर बैठे हैं! उन्होंने यह भी कहा था कि 2012 से मोदी सरकार के तहत युवा बेरोजगारी तीन गुना बढ़ गयी है।भारत के पास राष्ट्रीय रोजगार नीति भी नहीं है, हालांकि श्रम और रोजगार के मुद्दों पर देश में शीर्ष त्रिपक्षीय निकाय भारत श्रम सम्मेलन (आईएलसी) ने 2013 में अपने 45वें सत्र में इसकी सिफारिश की थी। आईएलसी ने 2015 में आयोजित अपने 46वें सत्र में भी इसे दोहराया, उसके बाद मोदी सरकार ने कभी इसका अगला सत्र नहीं बुलाया। मोदी सरकार ने अभी तक देश के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति लाने की कोई योजना नहीं बनायी है।2017-18 तक भारत की बेरोजगारी दर 6.1प्रतिशत हो गयी थी, जो 45 साल में सबसे अधिक थी। अब भारत रोजगार रिपोर्ट 2024 ने नौकरी के मोर्चे पर एक गंभीर तस्वीर पेश की है, खास तौर पर भारतीय युवाओं के लिए। इस प्रकाशन से देश को पता चलता है कि लाखों युवाओं को कभी नौकरी नहीं मिल पायी, उनमें से कई की मोदी शासन के पिछले 10 वर्षों के दौरान नौकरी की योग्यता की उम्र ही निकल गयी, और जो किसी तरह नौकरी पाने में कामयाब रहे उनमें से 90प्रतिशत अनौपचारिक रूप से कार्यरत हैं, जिनमें से 82प्रतिशत अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। 2022 में 55.8प्रतिशत लोगों के लिए स्वरोजगार ही रोजगार का प्राथमिक स्रोत बना रहा, जबकि आकस्मिक रोजगार में केवल 22.7प्रतिशत और नियमित रोजगार में केवल 21.5प्रतिशतलोग ही थे।

ुनाव प्रचार के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में स्टार्टअप महाकुंभ में कहा था कि भारत के %युवाओं ने नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वाले बनने का विकल्प चुना है%। यह बेरोजगारों लोगों के लिए एक अपमानजनक बयान था, भले इस तरह के भौंडे संवेदनहीन डींगें भाजपा या मोदी समर्थकों को प्रिय लगे हों।मोदी की तीसरी सरकार में भाजपा के गठबंधन सहयोगियों को पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. कौशिक बसु द्वारा हाल ही में कही गयी बातों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत की युवा बेरोजगारी दर 45.4प्रतिशत के साथ दुनिया में सबसे अधिक है।

उन्होंने सरकार से इस गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए सुधारात्मक उपाय करने का आग्रह किया है।प्रभावी आर्थिक विकास के बावजूद, देश के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेरोजगारी का संकट भयावह बना हुआ है, जो मोदी सरकार द्वारा 2014 से अपनाये जा रहे रोजगार रहित विकास मॉडल का प्रमाण है। लोकसभा के नतीजों ने पीएम मोदी को लोकसभा में बहुमत से वंचित कर दिया, जो उनके लिए और सरकार में एनडीए सहयोगियों के लिए भी एक सबक है। बेरोजगारी सरकार के लिए एक प्रमुख समस्या बनी रहने की संभावना है।

संपादकीय

कई आशंकाओं के साथ मोदी फिर पीएम

पहले दो बार की तरह उत्साह के साथ नहीं बल्कि कई आशंकाओं के बीच रविवार को नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद सम्हाल लिया है। उन्होंने इस तरह देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की बराबरी तो कर ली लेकिन उनकी यह पारी कई तरह के खतरों के बीच शुरू हो रही है। उनके पद सम्हालने के पहले ही यह सवाल पूछे जाने लगे थे कि आखिर यह सरकार कब तक चलेगी।

इन आशंकाओं के मजबूत आधार हैं। उसके कई आयाम भी हैं। पहली बात तो यही है कि मोदी सरकार पहले दो बार की भांति अपने बूते नहीं वरन दो दलों की बैसाखियों पर खड़ी है। आंध्रप्रदेश की तेलुगु देशम पार्टी के चन्द्रबाबू नायडू ने अपने 16 और बिहार के नीतीश कुमार ने अपने जनता दल (यूनाइटेड) के 12 सदस्यों के साथ नेशनल डेमोक्रेटिक एलाएंस (एनडीए) का हिस्सा बनकर मोदी की ताजपोशी कराई है। दोनों के साथ मोदी व भारतीय जनता पार्टी का इतिहास खट्टा-मीठा रहा है। एनडीए के कहने को तो और भी कई सहयोगी दल हैं पर इतनी हैसियत किसी अन्य में नहीं है कि वे मोदी सरकार को गिरा सकें। टीडीपी और जेडीयू के समर्थन को जितना मजबूत टेका माना जा रहा है, वे ही सबसे कमजोर कड़ियां भी बतलाई जा रही हैं। इसका कारण यह है कि वैचारिक रूप से दोनों पार्टियां भाजपा से दूर हैं। फिर, दोनों के लिये प्रांतीय हित उनकी राजनीतिक वरीयता में हैं। दोनों का इतिहास एनडीए का हाथ कभी धरने का तो कभी झटकने का रहा है।

अगर इस मुद्दे पर बात करें कि आखिर क्यों इन दो पार्टियों के सन्दर्भ व परिप्रेक्ष्य में ऐसा कहा जा रहा कि ये दोनों दल एनडीए सरकार से कभी भी अलग हो सकते हैं, तो जवाब है कि अनेक मुद्दे हैं जिन्हें लेकर उनका भाजपा के साथ टकराव होना तय है। मसलन, टीडीपी अल्पसंख्यकों की हितैषी मानी जाती है जबकि भाजपा का नज़रिया इस बाबत जगजाहिर है। जिस टीडीपी के साथ भाजपा ने लोकसभा चुनाव के साथ हुआ विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ा था, उसने मुस्लिमों के लिये कई तरह की आर्थिक मदद का वादा किया है। इनमें प्रमुख है हज जाने वालों के लिये 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, मदरसों, मौलवियों को हर माह नकद राशि आदि। भाजपा के लोग इसे कब तक बर्दाश्त करेंगे, कहा नहीं जा सकता। ऐसे ही, नीतीश बाबू सामाजिक न्याय के पुरोधा माने जाते हैं और देश में जाति आधारित जनगणना कराने के वे पैरोकार रहे हैं।

भाजपा इसके विरोध में रही है। दोनों (चंद्रबाबू-नीतीश) ही अपने-अपने प्रदेश के लिए विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं। जिस तरह से पिछले कई वर्षों से यह मांग लटकाकर रखी गयी है, वह अब भी शायद ही पूरी हो। कारण यह है कि केन्द्र ने अगर यह मांग मान ली तो और भी अनेक राज्यों से यह मांग उठ सकती है। फिर, इसका श्रेय भी क्रमश~ टीडीपी एवं जेडीयू को जायेगा और भाजपा या मोदी उसका राजनीतिक लाभ नहीं उठा पायेगी। आने वाले समय में इन मुद्दों पर परस्पर टकराव सम्भावित है। इतना ही नहीं, समान नागरिकता कानून, नागरिकता संशोधन कानून, राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर आदि कई ऐसे मसले हैं जिन पर इन दोनों ही प्रमुख धड़ों की एनडीए से एकदम अलग राय है। इन दोनों सहयोगियों के रहते भाजपा इन मुद्दों पर आगे नहीं बढ़ सकेगी; और अगर नहीं बढ़ती तो वह अपने कोर वोटरों को नाराज़ व निराश दोनों ही करेगी। एक बात तो तय है कि भाजपा का मुस्लिम विरोधी एजेंडा आगे नहीं बढ़ सकेगा जिससे भाजपा कमजोर पड़ेगी क्योंकि यही उसकी मजबूती है।एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि आंध्रप्रदेश में तो टीडीपी को इतना बड़ा जनादेश है कि वह भाजपा पर बिलकुल भी निर्भर नहीं है; पर दिल्ली में उसका साथ छोड़ देने पर केन्द्र सरकार गिर जायेगी। इसलिये चंद्रबाबू कहीं अधिक भारी पड़ रहे हैं। बिहार में अगले वर्ष चुनाव हैं। यदि नीतीश को लगता है कि उनके केन्द्र में एनडीए के साथ रहने से उनका विधानसभा में नुकसान होगा तो वे कोई और फैसला ले सकते हैं।एनडीए इस बार संसद के बाहर व भीतर भी गिरे हुए मनोबल के साथ दिखाई देगी। जबकि इंडिया ब्लॉक बेहद मजबूती के साथ लौटा है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस तकरीबन 100 सदस्यों के साथ उपस्थित होगा।

मैं शेरनी हूं!

आज ममता बनर्जी की बहुत बात की जा रही है। विपक्ष में सीटें जीतने के मामले में वह तीसरे नंबर पर रहीं। बंगाल में उन्होंने मोदी को रोक दिया। कांग्रेस सौ के बाद सपा 37 और ममता 29 पर रहीं। तो ममता का जिक्र हम इसलिए कर रहे थे कि उस समय 1997 में जब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी तो वे सोनिया से मिलकर उन्हें पूरी बात बता कर गईं थीं कि कैसे नरसिम्हा राव सीताराम केसरी बंगाल के नेताओं से मिलकर उन्हें परेशान कर रहे हैं।सोनिया गांधी ने कहा मजाक में मगर यह सबसे सही है। मैं शेरनी हूं। वाकई एक शेरनी की तरह वह लगातार लड़ रही हैं। कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुने जाने के बाद उन्होंने मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे हार गए हैं। नेतृत्व करने का अधिकार खो चुके हैं। सोनिया को अब यह सब कहने और करने की जरूरत नहीं है। राहुल, प्रियंका और पार्टी नई ताकत के साथ सामने आए हैं। मोदी को साधारण बहुमत से भी पीछे रोक दिया। मगर जैसा कि खुद सोनिया ने कहा और सही कहा कि वे स्वभाव से शेरनी हैं।

राहुल का सबसे बड़ा गुण उनकी निडरता माना जाता है। पिछले दस साल में जब अच्छे-अच्छे डर गए। व्यक्ति क्या संवैधानिक संस्थाएं डर गईं तब भी राहुल डटे रहे। इसी पृष्ठभूमि में अमेठी से जीते किशोरी लाल शर्मा की पत्नी ने राहुल के लिए सोनिया गांधी से कहा कि आपने शेर बच्चा पैदा किया है।

दरअसल किशोरी लाल शर्मा का परिवार पंजाबी हैं। और पंजाबी में आम मुहावरा है- शेर पुत्तर! वही उन्होंने हिन्दी में कहा। और सोनिया ने हंस कर जवाब दिया कि मैं भी तो शेरनी हूं।इस दिलचस्प वाकये के एकाध दिन पहले ही हमने ट्वीट किया था कि संजय गांधी के लड़के को डरते हुए देखना बहुत दुखद है। हमने उसमें कहा था कि सिर्फ डीएनए ही कुछ नहीं होता है। परवरिश, माहौल भी बड़ी चीज होती है। जिसने संजय गांधी को देखा है वह जानता है कि डर और दबना क्या होता है वह संजय जानते ही नहीं थे। उन्हीं के बेटे वरुण को जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो वे चुप रहे। सब सोचते थे कि वे निर्दलीय या किसी पार्टी से चुनाव लड़ेंगे। यूपी में जिस तरह कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को जबर्दस्त सफलता मिली है उस माहौल में वरुण का जीतना कोई बड़ी बात नहीं थी। मगर ठीक है वह नहीं लड़े। लेकिन फिर उन्होंने भाजपा का भी प्रचार किया। मेनका गांधी फिर भी हारीं। और उनकी राजनीति खतम हो गई। मगर इसके साथ मेनका ने बेटे का राजनीतिक कैरियर भी दांव पर लगा दिया। वरुण की पहचान गांधी होने के कारण ही थी। और केवल नाम से टाइटल से कुछ नहीं होता है। वह गुण परिवार का आना चाहिए। नहीं तो

केवल नाम तो अरुण नेहरू का भी था। मगर आज कौन जानता है? किस को याद है? संजय गांधी का नाम सबको याद है। सबको याद रहेगा। वे तो केवल एक बार ही सांसद बने। और कुछ ही दिन रहे। मगर वरुण तो तीन बार सांसद रहे। लेकिन क्या अगर वे ऐसे ही डरे रहे तो कल कोई उन्हें याद करेगा?

इसी संदर्भ में हमने लिखा था कि संजय गांधी के बेटे को डरा हुआ देखकर दुग्ख होता है। मगर साथ ही यह कहा था कि परवरिश बहुत महत्वपूर्ण होती है। और यही फर्क है सोनिया गांधी और मेनका में। सोनिया गांधी को भी अपने बच्चे बिना पिता के पालना पड़े। छोटे भाई संजय की तरह राजीव गांधी भी असमय चले गए। सोनिया पर भी दुखों का वैसा ही पहाड़ टूटा। परिवार कभी उस समय की तकलीफों, लोगों का साथ छोड़ जाने की बात नहीं करता है। बहुत बड़प्पन के साथ उसने अपना बुरा वक्त काटा। जो जानता है उसे मालूम है कि किस तरह उस वक्त राजीव गांधी के नजदीक रहे लोगों ने भी सोनिया के साथ धोखा किया। सोनिया गांधी के खिलाफ क्या क्या नहीं बोला।आज ममता बनर्जी की बहुत बात की जा रही है। विपक्ष में सीटें जीतने के मामले में वह तीसरे नंबर पर रहीं। बंगाल में उन्होंने मोदी को रोक दिया। कांग्रेस सौ के बाद सपा 37 और ममता 29 पर रहीं। तो ममता का जिक्र हम इसलिए कर रहे थे कि उस समय 1997 में जब उन्होंने कांग्रेस छोड़ी तो वे सोनिया से मिलकर उन्हें पूरी बात बता कर गईं थीं कि कैसे नरसिम्हा राव सीताराम केसरी बंगाल के नेताओं से मिलकर उन्हें परेशान कर रहे हैं। ममता राजीव गांधी को हमेशा मानती रहीं। लेकिन उस समय और कांग्रेसी नेताओं ने नरसिम्हा राव और सीताराम केसरी को खुश करने के लिए सोनिया के खिलाफ खूब षडयंत्र किए। बहुत अभद्र भाषा का भी उपयोग किया।लेकिन यहां यही बताने के लिए लिखा है कि इन सबसे सोनिया छोटी नहीं हुईं। उनके मन में बदला लेने किसी को नुकसान पहुंचाने की भावना नहीं आई। खुद उनके खिलाफ जो जितेन्द्र प्रसाद अध्यक्ष का चुनाव लड़े उनके न रहने के बाद उनकी पत्नी कान्ता प्रसाद को टिकट दिया। बेटे जितिन प्रसाद को भी मंत्री भी बनाया। वही जितिन भाजपा में जाकर वरुण की सीट पीलीभीत से चुनाव लड़े और जीते। राजनीति में यह आंख फेर लेने का सबसे बड़ा उदाहरण है।ाजीव और संजय दोनों के बेटों को धोखा देने का। खैर तो बात सोनिया की कर रहे थे। और इसलिए कि एक पूरी तरह अलग बैक ग्राउन्ड से आकर सोनिया जिस तरह भारतीय परिवेश में रच बस गईं और यहां के मुहावरे तक सीख लिए वह बहुत बड़ी बात है। नहीं तो यहां तो उत्तर भारत में ही एक बोली के मुहावरे दूसरी बोली वाले नहीं समझते। एक दूसरे की भाषा बोली का रोज मजाक उड़ाते हैं।

ोनिया ने हिन्दी सीखी। भारतीय परम्पराएं। आप कभी महिलाओं से बात करो तो वे सोनिया के साड़ी बांधने का जिक्र जरूर करती हैं। कहतीं हैं कि जिस ने शुरू से साड़ी नहीं देखी, पहनी हो उसका ऐसी अच्छी साड़ी बांधना बहुत बड़ी बात है।

सोनिया ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे वैसा कम लोगों के साथ होता है। मगर उन्होंने कभी अपनी गरिमा नहीं खोई। विपक्ष में रहीं तब भी और सरकार में रहीं तब भी। दोनों स्थितियों में उन्हें बहुत विरोध का सामना करना पड़ा। जब राजनीति में आईं तो कांग्रेसियों ने किया। और फिर भाजपा ने।

विदेशी मूल का सवाल उठाकर उन्हें डराना चाहा। मगर सोनिया को अपने भारतीय बहू होने का इतना गर्व था कि वे पीछे नहीं हटीं। उनके आत्मविश्वास की वजह से ही आज वह आरोप जिसे भाजपा सबसे बड़ा हथियार समझती थी खतम हो गया।

अब सोनिया के खिलाफ उनके पास कुछ नहीं है। यह सोनिया की बहुत बड़ी जीत है। सोनिया दरअसल भारतीय महिला की उसी जिजीविषा का प्रतीक हैं जो हर विपरीत परिस्थिति में लड़ती रहती है। अपने अलग-अलग दायरों में। परिवार में, नौकरी में, सार्वजनिक जीवन में। और कभी हार नहीं मानती। हर हाल में अपने बच्चों को पाल पोस कर बढ़ा करती है।यह देखने की बात है कि कैसे एक विदेशी परिवेश की लड़की ने दूसरे देश की सारी सभ्यता संस्कृति सीखी। भाजपा के लोग भी आज अपनी व्यक्तिगत बातचीत में सोनिया के संस्कारों की तारीफ करते हैं। चाहे एक पत्नी के रूप में, चाहे बहू के रूप में चाहे मां के रूप में। और राजनीति में एक ऐसी नेता के तौर पर जिसने प्रधानमंत्री पद ठुकरा दिया हो। लेकिन जनता से किए अपने सब वादे सरकार से पूरे करवाए हों।किसान कर्ज माफी, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, महिला बिल, आरटीआई सब लेकर आईं। उनकी लाई सरकार थी। मगर कांग्रेसी इनमें से एक भी कानून पर राज़ी नहीं थे। सोनिया को पग पग पर संघर्ष करना पड़ा। वह तो 2011 में वे इन कांग्रेसियों और केन्द्र एवं दिल्ली सरकार के भरोसे रह गईं कि वे अन्ना हजारे को समझा लेंगे। नहीं तो अगर वे खुद अपने हाथ में मामला रखती तो 2013 में न दिल्ली सरकार जाती और न 2014 में केन्द्र सरकार।

लेकिन सरकारें चली गईं। सोनिया का इकबाल नहीं गया। वह आज भी कायम है। और इसलिए जब वे कहती हैं कि मैं भी शेरनी हूं तो सबको लगता है कि बिल्कुल सही बात है।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

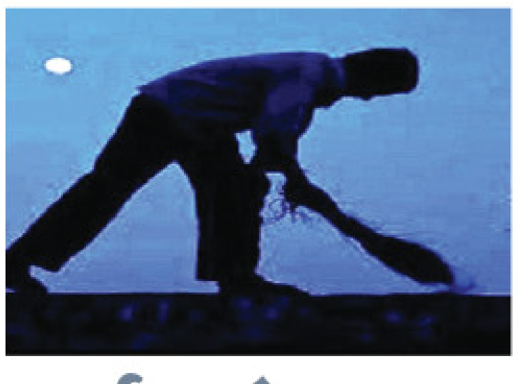

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक ग्रंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडकर उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवदारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुपाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

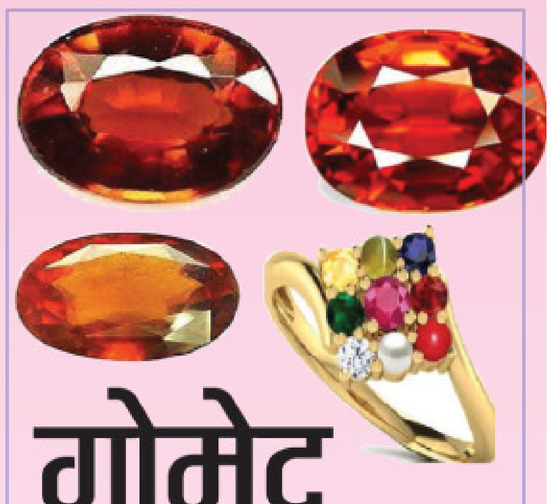

गोमेद एक खूबसूरत रत्न जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

परफेक्ट बनने के चक्कर में औरतें हो रही हैं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार

औरतें अपनी इमेज को लेकर काफी कॉन्शियस होती हैं। घर हो या दफ्तर हर जगह महिलाएं अपनी परफेक्ट इमेज बनाना चाहती हैं, लेकिन इसके कारण वो सुपरवुमन सिंड्रोम की गिरफ्त में आती जा रही हैं। यह एक तरह का मानसिक अवसाद है, जो परफेक्ट दिखने की होड़ में लगी महिलाओं में देखने को मिल रहा है। परफेक्ट दिखने का जुनून महिलाओं को धीरे-धीरे इस अवसाद की ओर धकेल रहा है। चलिए आपको बताते हैं कि क्या है यह सिंड्रोम और कैसे करें इससे बचाव।

क्या है सुपरवुमन सिंड्रोम?

एक्सपर्ट के मुताबिक, घर-परिवार की जिम्मेदारी हो या फिर करियर में कोई ऊंचा मुकाम पाना हो, आजकल की महिलाएं हर काम में एकदम फिट बैठना चाहती हैं। जिंदगी में हर भूमिका को अच्छे से निभाने की लत की वजह से ही महिलाएं सुपरवुमन सिंड्रोम का शिकार होती जा रही हैं। अगर वो किसी काम में चूक जाएं तो खुद को दोष देने लगती हैं। इतना ही नहीं, इसके चलते तो कभी-कभी महिलाएं डिप्रेशन का शिकार भी हो जाती हैं।

इन महिलाओं को अधिक खतरा

हाउसवाइफ, नई माताओं, कामकाजी महिला हो या सोशल एक्टिविस्ट, यह सिंड्रोम किसी भी महिला को हो सकता है। शोध के अनुसार, पढ़ाई में परफेक्ट बनने के चक्कर में 13 से 18 साल की लड़कियां भी इस सिंड्रोम से गुजर रही हैं।

सेरोटोनिन हो सकता है कारण

एक्सपर्ट की मानें तो महिलाओं में इस सिंड्रोम की एक वजह सेरोटोनिन नामक तत्व भी है। यह एक ब्रेन कैमिकल है, जो उदासी को दूर करके एवं मूड को अच्छा बनाकर उसे तनावग्रस्त होने से बचाता है। मस्तिष्क में सेरोटोनिन की कमी पूरी करने के लिए आप दवाइयों और एस्ट्रोजन बढ़ाने वाले फूड का सेवन कर सकते हैं।

सुपरवुमैन सिंड्रोम के लक्षण

- एक परफेक्ट महिला की इमेज बनाकर रखना।
- तारीफ सुनने के लिए लोगों को खुश रखना।
- सर्वगुण सपन्न होने की भावना।
- किसी से ज्यादा बात न करना।
- दूसरों का ध्यान अपनी तरफ खींचना।
- कम आत्मसम्मान होना।
- परफेक्ट बनने की ज्यादा कोशिश करना।

ऐसे करें बचाव

आत्म-अनुशासन है जरूरी

इस सिंड्रोम से बचने के लिए आत्म-अनुशासन कारगार साबित हो सकता है। घर और ऑफिस के लिए समय निकालने के साथ खुद को भी टाइम दें। इस दौरान आप वो सब काम करें, जिससे आपको खुशी मिले।

प्राथमिकताओं को करें सुनिश्चित

एक वक्त में हर काम कर पाना या हर फील्ड में परफेक्ट हो पाना किसी के लिए भी संभव नही है। ऐसे में अपनी प्राथमिकताओं को कम करें और जरूरी चीजों पर ध्यान दें। जैसे कि अगर आप अभी-अभी मां बनी हैं तो यह समय पूरी तरह अपने बच्चे एवं मातृत्व को दें और ऑफिस वर्क को अवॉइड करें।

उम्मीदों को करें सीमित

भारतीय समाज में सिर्फ आसपास के लोग ही नहीं बल्कि खुद महिलाओं को भी स्वयं से कुछ ज्यादा ही उम्मीदें होती हैं। जो पूरी न होने पर सुपर वुमन सिंड्रोम जैसी मानसिक बीमारी को जन्म देती है। ऐसे में ये समझना बहुत जरूरी है कि आपकी अपनी भी कुछ सीमाएं हैं और आप हर काम नहीं कर सकती। अपने हिस्से उतना ही काम लें, जितना आपके लिए संभव हो।

दूसरों की मदद लेना

परफेक्ट दिखने के लिए अक्सर महिलाएं दूसरों की मदद लेने से हिचकिचाती है, लेकिन ऐसा करना बिल्कुल गलत है। अगर आपका वर्कलोड अधिक हो तो मदद मांगने से बिल्कुल न हिचकिचाएं, फिर चाहे बात ऑफिस की हो या घर की। साथ ही न कहना भी सीखें। अगर आपने यह गुण सीख लिया तो बहुत सी समस्याओं एवं बीमारियों से बची रहेंगी।

दिनचर्या में बदलाव

घर और ऑफिस के काम के चक्कर में महिलाएं न सही आहार लेती हैं और न ही व्यायाम करती है, जो कि इस सिंड्रोम का सबसे बड़ा कारण है। ऐसे में अपनी डेली लाइफ में व्यायाम, खासकर योगा को जगह दें। इससे दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं, जिससे आप खुद को अधिक उर्जावान एवं खुश महसूस करती है।

स्वास्थ्य के लिए स्वस्थ डाइट भी है जरूरी

महिलाओं को अपने डाइट चार्ट में जरूरी पोषक तत्व जैसे ओमेगा-3, विटामिन्स, जिंक, प्रोटीन, कैल्शियम आदि शामिल करना चाहिए, ताकि वह स्वस्थ रहें। इसके लिए अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, ओट्स, बीन्स, अंडा, दूध, नट्स, ब्रोकली, पालक, चिकन या मछली और गाजर जैसी चीजों का सेवन करें। इसके साथ ही शराब, जंक और प्रोसेस्ड फूड्स से परहेज करें।

अच्छी नींद भी है जरूरी

पूरा दिन काम करने के बाद आप देर रात तक काम या मोबाइल में ही उलझी रहती है। मगर शरीर एवं दिमाग को आराम देने के लिए जरूरी है कि आप 7-8 घंटे की नींद लें। ऐसे में रात को ज्यादा देर तक मोबाइल का यूज करने की बजाए सो जाएं।

रेसिपी

कोकोनट पुडिंग

सामग्री

- कच्चा नारियल : 3/4
- कच्चे नारियल का पानी: 1 कप
- दूध:1 कप
- कंडेंस्ड मिल्क:1/2 कप
- चीनी : 2 चम्मच
- खसखस (चाइना ग्रास पाउडर): 1/2 चम्मच
- पुडिंग बनाने के लिए सांचा

विधि

सबसे पहले ताजे नारियल से पानी निकालें। अब नारियल के भूरे हिस्से को हटाएं और सफेद हिस्से को मिक्सर में डालकर पीस लें। एक भारी तले वाले बर्तन में नारियल पानी लेकर खसखस पाउडर को घोल लें। इसे तब तक गर्म करें, जब तक कि खसखस पूरी तरह घुल न जाए। एक दूसरे बर्तन में कंडेंस्ड मिल्क और सामान्य दूध गर्म करें। साथ में चीनी भी मिलाएं। अब इसमें खसखस का मिश्रण एवं पिसा हुआ नारियल मिलाएं। इस मिश्रण को सांचे में डालें, फिर इसे रूम टेम्परेचर पर आने दें। इसके बाद 30 मिनट के लिए फ्रिज में रखें। अगर पुडिंग के सांचे से निकालने में दिक्कत हो रही है, तो चाकू से धीरे-धीरे निकालें और अपने मेहमानों में सर्व करें।

आलू का शीरा

सामग्री

- उबले आलू: 250 ग्राम
- चीनी: 100 ग्राम
- घी: 2 चम्मच
- इलायची पाउडर: 1/2 चम्मच
- कटे हुए सूखे मेवे: 3 चम्मच

विधि

उबले आलू का छिलका छीलकर उसे अच्छी तरह से मैश कर लें। कढ़ाही में घी गर्म करें और मैश किए हुए आलू को अच्छी तरह से भून लें। चीनी डालें और मिलाते हुए पकाएं। जब मिश्रण एक-सा हो जाए और चीनी घुल जाए तब उसमें इलायची पाउडर डाल दें। अब उसमें कटे हुए मेवे मिला दें। सर्विंग बाउल में निकालें। मेवों से सजा कर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-6-8-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-7-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-3-6-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंग। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य पूर्ण होंग। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान रहेगा। शुभांक-3-5-7

लॉफिंग ज़ोन

जज- तुम्होर विरूद्ध तीन बार जाली नोट छापने का आरोप है।

मुल्जिम- मुझसे घोखा हुआ है।

जज- क्या मतलब ?

मुल्जिम- मुझे पैसे केवल दो बार के दिए गए है।

□ □ □

एक चर्च का निर्माण हो रहा था कि एक मजदूर काफी ऊंचाई से गिर गया, उसकी जान तो बच गई लेकिन चोटें बहुत आई।

एक फादर जो दूर खडे हुए उसे गिरता देख रहे थे, दौडकर उसके पास आये और उसे जिंदा पाकर बोले- खुदा तुम्हारे साथ था बेटे।

मजदूर कराहते हुए बोला- हां कोई न कोई जरूर मेरे पास था वरना मुझे घक्का कौन देता।

□ □ □

पत्नी ने अपने सैल्समैन पति से कहा- जब तुम काम के सिलसिले में बाहर चले जाते हो तो मुझे हमेशा घबराहट होती रहती है।

पति- घबराओं नही मैं इतनी जल्दी वापस आंऊगा कि तुमको पता ही नही चलेगा।

पत्नी- तुम्हारी यही हरकत तो मेरी

काकुरो पहेली - 4082

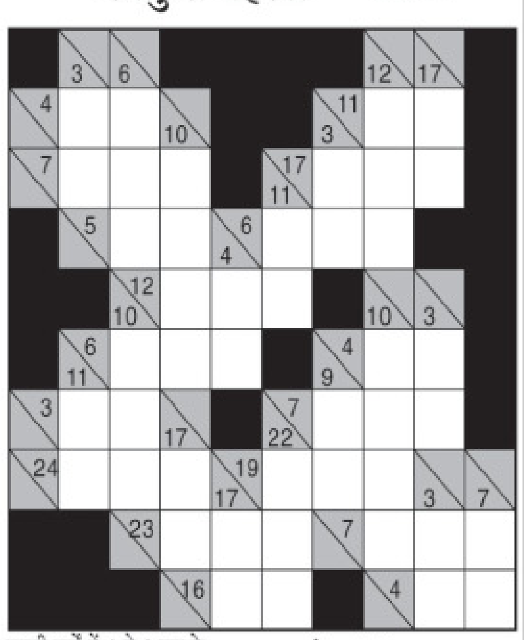

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

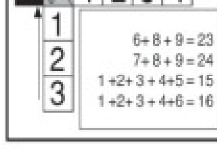

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 4081 का हल

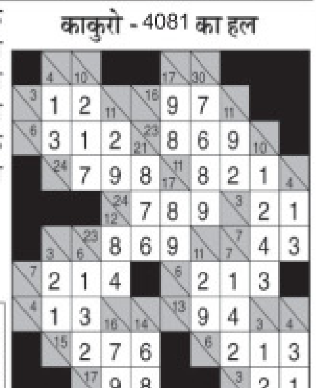

फिल्म वर्ग पहेली- 4082

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लकी अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरुख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हूँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4081

सूडोकु 4082

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4081 हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 4082

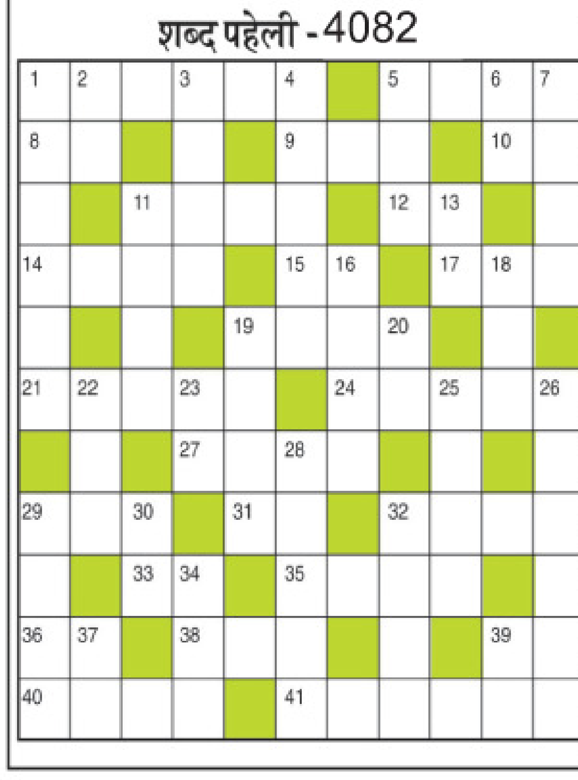

बाएँ से दाएँ

1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार,जेल-4
8. पानी,नीर-2
9. मीन,मत्स्य-3
10. लक्ष्मी,कमला-2
11. कलाकार,फनकार-4
12. मर्द,मादा का विलोम-2
14. हसरत,मुराद-4
15. कैद में,अवरुद्ध,रुका-2
17. भूमि,धरती-3
19. मतवासा,मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना,भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप,सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर,अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र,बेटा-3
39. टौंटी,नलका-2
40. ललचाना,तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे

1. ईश्वर,अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी,कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर,थाती-4
13. मिट्टी,धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़,द्वार-2
25. उदाहरणत:-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट,मेल-मिलाप-4
30. दिया,दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया,नवीन-2

शब्द पहेली -4081 हल

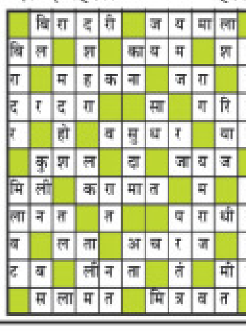

दिल्ली में छेनू गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने राष्ट्रीय राजधानी में सक्रिय इरफान उर्फ छेनू गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उनके पास से एक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्तौल और उसके तीन जिंदा कारतूस, तथा एक कट्टा बरामद हुआ है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान मोहम्मद इमरान उर्फ बड़ा इमरान (41) और अब्दुल रहमान (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, इमरान उस्मानपुर इलाके का कुख्यात बदमाश है। पुलिस ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कश्मीरी गेट पर जी.टी. करनाल रोड पर जाल बिछाया। शास्त्री पार्क से मल्का गंज की ओर जाने वाले वाहनों पर नजर रखी गई। पुलिस उपायुक्त (अपराध) राकेश पावरिया ने कहा, एक अर्टिगा कार में सवार दो लोगों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस की छापेमारी को भांपते हुए वे उतरकर वहां से भागने लगे। थोड़ी-दूर खदेड़ने के बाद उन्हें दबोच लिया गया। पूछताछ में इमरान ने बताया कि वह 2010 में अपराध की दुनिया से जुड़ा और इरफान उर्फ छेनू गैंग का सदस्य बन गया। पुलिस उपायुक्त ने बताया, वर्ष 2011 में पूर्वी जिले में एक डकैती में इरफान के साथ उसका नाम आया था। साल 2017 में छेनू और नासिर गिरोहों के बीच गैंगवार में उसने इरफान के साथ मिलकर इलाके के दो कुख्यात बदमाशों वाजिद और आरिफ की हत्याओं को अंजाम दिया था - एक जाफराबाद में और दूसरी भजनपुरा में।

भूपेंद्र यादव ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया से बातचीत की। यादव ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में मैं विकास और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना जारी रखने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि देश सतत विकास का समर्थन करते हुए विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने अपने सहयोगी राज्यमंत्री केवी सिंह का मंत्रालय में स्वागत करते हुए खुशी जाहिर की।

कतर ने दी भारत को शुभकामनाएं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमीर तमीम बिन हमद अल थानी का आभार जताया

नई दिल्ली। देश की लगातार तीसरी बार बागडोर संभालने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कतर के अमीर से हुई बातचीत पर खुशी जताई है। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को ऊंचाई पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा, अपने मित्र, कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात करके खुशी हुई। मैं भारत के प्रति उनकी हार्दिक शुभकामनाओं और सकारात्मक भावनाओं के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। हमने भारत-कतर संबंधों को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

शिवराज ने कृषि मंत्री बनाने पर प्रधानमंत्री का किया आभार व्यक्त

भोपाल। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी स्वयं को सौंपे जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश के प्रत्येक किसान परिवार की खुशहाली का वे प्रयत्न करेंगे।श्री चौहान ने कल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सशक्त तथा संपन्न किसान समृद्ध भारत का आधार हैं। सरकार की प्राथमिकता किसान का कल्याण तथा गांवों का उत्थान है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में हम विकसित भारत के विराट संकल्पों को सिद्ध करेंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार देश भर के किसान भाई-बहनों के कल्याण से जुड़े प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वे अपने पूरे सामर्थ्य से किसानों के हर सपने को पूरा करने के लिए परिश्रम करेंगे। देश का प्रत्येक किसान परिवार खुशहाल हो, यही उनका प्रयत्न रहेगा।

पुलिस कस्टडी में मौत की याचिका से सलमान खान का नाम हटाने का हाई कोर्ट का आदेश

मुंबई। सलमान खान आवास फायरिंग मामले के आरोपित की पुलिस कस्टडी में मौत की याचिका से फिल्म अभिनेता सलमान खान का नाम हटाने का आदेश बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई छह सप्ताह बाद की जाएगी। 14 अप्रैल को फिल्म अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर फायरिंग मामले में आरोपित अनुज थापन ने पुलिस कस्टडी में एक मई को आत्महत्या कर ली थी। थापन की मां रीतादेवी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में इस मामले की सीबीआई जांच की मांग और सलमान खान को प्रतिवादी बनाने के लिए याचिका दाखिल की थी। इसी के साथ सलमान के वकील ने इस याचिका में संशोधन करने के लिए आवेदन दिया था। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और श्याम चांडक की खंडपीठ के समक्ष हो रही थी। सरकारी वकील प्राजक्ता शिंदे ने कोर्ट को बताया कि पुलिस कस्टडी में हुई आत्महत्या मामले की मैजिस्ट्रेट जांच और सीआईडी जांच शुरू है और उसकी स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी गई है। इस रिपोर्ट में अभी तक इस मामले में सलमान खान की संलिप्तता के बारे में कोई सबूत नहीं मिले हैं। इसके बाद हाई कोर्ट ने इस मामले से सलमान खान का नाम हटाने का आदेश जारी किया है।

18 जून को वाराणसी में किसानों को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को वाराणसी आएंगे। इस दिन वो किसान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल ने कहा कि केंद्र में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का यह पहला वाराणसी दौरा होगा। काशी क्षेत्र के भाजपा मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने कहा कि अभी तय नहीं है कि ये कार्यक्रम वाराणसी में कहां आयोजित होगा। किसान सम्मेलन के लिए भाजपा जगह की तलाश कर रही है। कार्यक्रम रोहनिया या सेवापुरी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया जा सकता है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियों पर चर्चा के लिए गुलाब बाग स्थित पार्टी कार्यालय में वाराणसी भाजपा पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। पटेल ने कहा कि किसान सम्मेलन को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी बाबा काशी विश्वनाथ की पूजा-अर्चना करेंगे और दशाश्वमेध

घाट पर गंगा आरती में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को ही किसान सम्मान निधि की राशि जारी की है। राष्ट्रपति भवन में रविवार शाम पद एवं गोपनीयता की शपथ लेने वाले पीएम मोदी ने सोमवार सुबह करीब 9.3 करोड़ पात्र किसानों के लिए 20 हजार करोड़ रुपये की राशि जारी करने से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किये। किसान सम्मान निधि के तहत हर किसान को साल में तीन बार दो-दो हजार रुपये की किस्त दी जाती है। केंद्र सरकार ने योजना की 16वीं किस्त चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले 28 फरवरी को जारी की थी।

18 जून को वाराणसी में किसानों को संबोधित करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली । हर साल 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इसके जरिए लोगों को अपनी दिनचर्या में योग शामिल करने और फिट रहने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने योग का एक वीडियो शेयर किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो की एक सीरीज पोस्ट की, जिसमें अलग-अलग आसनों और उनके फायदों के बारे में बताया गया है।

पीएम ने कहा, योग दिवस नजदीक आ रहा है। मैं वीडियो शेयर कर रहा हूं, जिसमें कई तरह के आसन और उनके लाभ पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। मुझे उम्मीद है कि यह आप सभी को नियमित रूप से योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित करेगा। योग को दैनिक जीवन में शामिल करने के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, योग शांति प्रदान करता है, जो हमें जीवन की चुनौतियों का सामना धैर्य के साथ करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने आगे कहा, अब से दस दिनों में दुनिया 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी। योग ने सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार कर समग्र कल्याण की खोज में दुनिया भर में लाखों लोगों को एकजुट किया है। इस साल 10वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस बार थीम महिला सशक्तिकरण के लिए योग रखी गई है।

प्रेम सिंह तमांग दूसरी बार बने सिक्किम के मुख्यमंत्री, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पार्टी के अध्यक्ष प्रेम सिंह तमांग ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। तमांग ने सोमवार को राजधानी गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में आयोजित एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह में कैबिनेट के 11 सदस्यों के साथ पद और गोपनीयता की शपथ ली। सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने प्रेम सिंह तमांग को मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद राज्यपाल ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों सोनम लामा, अरुण उप्रेती, साम्डुप लेप्चा, भीम हांग लिम्बू, भोजराज राई, जीटी ढुंगेल, पूरण गुरुंग, पिंचो नामग्याल लेप्चा, एनबी दाहाल, राजू बस्नेत और छिरिंग टी भोटया को शपथ दिलाई। एसकेएम सरकार के पांच पूर्व मंत्रियों को दूसरे कार्यकाल में जगह नहीं मिली। इनमें बीएस पंत, लोकनाथ शर्मा, संजीत खरेल, एलबी दास और एमएन शेरपा शामिल हैं। पूर्व मंत्री केएन लेप्चा चुनाव हार गये थे।

इस अवसर पर सिक्किम और राज्य बाहर के गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इसी तरह राज्य के सभी छह जिलों से बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह को देखते हुए गंगटोक नगरपालिका क्षेत्र के सभी शैक्षणिक संस्थान बंद थे। वहीं, सरकारी कार्यालय भी 12 बजे से बंद कर दिए गए।

राज्य विधानसभा चुनाव 2024 में एसकेएम पार्टी ने 32 में से 31 सीटें जीतकर दूसरी बार सरकार बनाई है। 2019 के चुनावों में एसकेएम केवल 17 सीटें जीतकर 25 वर्षीय सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) पार्टी सरकार को हटाने में कामयाब रही थी।

लोकसभा चुनाव में मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ : सरसंघचालक डॉ भागवत

एजेंसी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने कहा है कि इस बार के लोकसभा चुनाव में सभी मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के सहारे असत्य फैलाया गया। नागपुर के रेशमबाग में 16 मई से चल रहे कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय समापन समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर देशभर से आए स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख डॉ भागवत ने कहा कि चुनाव नतीजे घोषित हो गए। सरकार का गठन हो गया लेकिन इसके बावजूद चर्चाएं जारी हैं। सरसंघचालक ने कहा कि संसद में पक्ष और प्रतिपक्ष होते हैं। संसद में आपसी सहमति बनाकर देशहित में काम होना अपेक्षित है। जिस तरह सिक्के के दो पहलू होते हैं ठीक उसी तरह सत्ता पक्ष को देशहित में दूसरा पहलू उजागर करना यह प्रतिपक्ष का काम होता है। सहमति बनाकर देश चलाने की हमारी पुरानी परंपरा है लेकिन चुनावी स्पर्धा से संसद पहुंचे लोगों में ऐसी सहमति बन पाना मुश्किल होती है, इसलिए बहुमत का

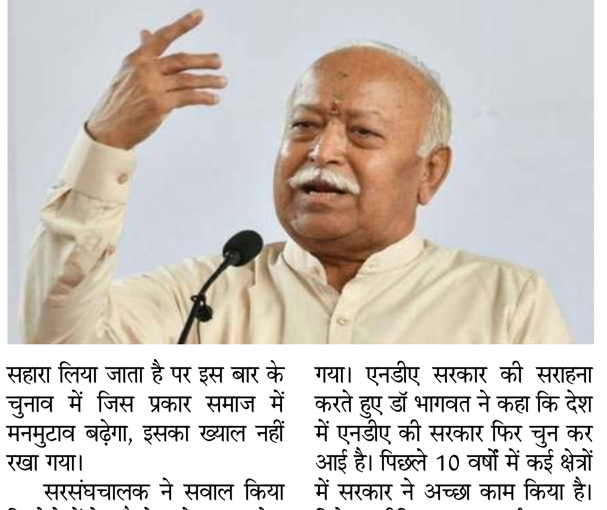

सहारा लिया जाता है पर इस बार के चुनाव में जिस प्रकार समाज में मनमुटाव बढ़ेगा, इसका ख्याल नहीं रखा गया।

सरसंघचालक ने सवाल किया कि ऐसे में देश कैसे चलेगा? इस देश में एक प्रक्रिया के तौर पर चुनाव हर 5 वर्ष में होते रहते हैं। बतौर सरसंघचालक चुनाव एक स्पर्धा है कोई युद्ध नहीं लेकिन इस बार के चुनाव में मर्यादाओं का पालन नहीं हुआ। एआई जैसी टेक्नोलॉजी के जरिए समाज में असत्य बातें फैलाई गई। संघ को भी राजनीति में घसीटा गया। एनडीए सरकार की सराहना करते हुए डॉ भागवत ने कहा कि देश में एनडीए की सरकार फिर चुन कर आई है। पिछले 10 वर्षों में कई क्षेत्रों में सरकार ने अच्छा काम किया है। विदेश नीति, रक्षा, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सभी क्षेत्र में देश ने तरक्की की है। सरसंघचालक ने कहा कि हम आगे बढ़े हैं लेकिन हम चुनौतियों से कभी मुक्त नहीं हुए हैं। तरक्की के लिए देश में शांति का होना बेहद जरूरी है। मणिपुर एक वर्ष से शांति की प्रतिक्षा में है। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

संस्कृति तथा सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपने विचार रखते हुए सरसंघचालक ने कहा कि अच्छे परिवार की महिलाएं अगर शराब पीकर हादसे की वजह बनती हों तो इसमें संस्कृति कहां है? बतौर डॉ भागवत जिसने भी संस्कृति त्यागी उनकी हालत खराब है। देश में परिवर्तन लाने के लिए समाज में परिवर्तन करना होगा। उन्होंने कहा कि सामाजिक परिवर्तन से ही व्यवस्थाओं का परिवर्तन संभव है। इस मौके पर सरसंघचालक ने जातिभेद पर कड़ा प्रहार किया तथा आह्वान किया कि लोगों को अपने मन से छुआछूत का भाव दूर करना होगा। समाज और देश में परिवर्तन लाने के लिए सरसंघचालक ने सामाजिक समानता, पर्यावरण की रक्षा, स्व आधारित जीवन, अनुशासन और नियमों का पालन ऐसे प्रमुख बिंदु बताए। वहीं उन्होंने आह्वान किया कि कार्य करते समय यह मैंने किया, इस अहंकार का त्याग करें।

शिवराज की अगुवाई में ही मप्र बना कृषि क्षेत्र में अग्रणी, सात बार मिला कृषि कर्मण अवार्ड

भोपाल। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार में नए मंत्रिमंडल के गठन के बाद शाम मंत्रियों को विभागों का बंटवारा भी कर दिया गया। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि एवं किसान कल्याण के साथ ग्रामीण विकास जैसे बड़े मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया है। शिवराज सिंह चौहान चार बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके मुख्यमंत्रित्वकाल में ही मध्य प्रदेश कृषि क्षेत्र में अग्रणी राज्य बना है और लगातार सात बार कृषि कर्मण अवार्ड जीता है। शिवराज सिंह चौहान को उनके कद के अनुरूप महत्वपूर्ण मंत्रालय का दायित्व दिए जाने की संभावना जताई जा रही थी। मोदी सरकार की प्राथमिकता में किसान रहे हैं और शिवराज सिंह में कृषि क्षेत्र में कई नवाचार किए गए थे। उनके मुख्यमंत्रित्व काल में मध्य प्रदेश ने गेहूं के उपार्जन में देश में पहला स्थान प्राप्त किया। कृषि क्षेत्र में किए गए नवाचार देश में मिसाल बने और कई राज्यों ने उन्हें अपनाया।

शिवराज करीब साढ़े 16 साल मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। उनके मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश की कृषि विकार दर में एकदम से उछाल गया और यहां कृषि विकास दर दहाई में लगातार बनी रही। सिंचाई क्षमता 45 लाख हेक्टेयर हो गई। इसका लाभ उत्पादन में वृद्धि के रूप में किसानों को मिला। जब उपज की कीमतें बाजार में समर्थन मूल्य से कम थीं तो उन्होंने भावांतर जैसी योजना लागू की, जिसमें अंतर की राशि का भुगतान सरकार की ओर से किया गया। समर्थन मूल्य पर उपार्जन की गारंटी किसानों को दी। भू-राजस्व संहिता के प्रविधानों में

संशोधन करके आपदा की स्थिति में किसानों को होने वाली क्षतिपूर्ति में कई गुना की वृद्धि की।उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के साथ जैविक और प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा देना के लिए कदम उठाए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की तर्ज पर मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना लागू करके पहले चार और फिर छह हजार रुपये प्रतिवर्ष देने की व्यवस्था लागू की। कृषि को उद्यानिकी और पशुपालन से जोड़कर किसानों की आय में वृद्धि के लिए प्रयास हुए। शिवराज ने मध्य प्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं को मजबूत करने के साथ ग्रामीण विकास पर फोकस किया। इसे देखते हुए ही उन्हें प्रधानमंत्री ने ग्रामीण विकास मंत्रालय का दायित्व सौंपा है।

हिमाचल विधानसभा उपचुनाव : तीन जिलों में आचार संहिता का पूरे प्रदेश में रहेगा असर

एजेंसी

शिमला । हिमाचल विधानसभा उपचुनावों की घोषणा के साथ ही तीन जिलों कांगड़ा, हमीरपुर और सोलन में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। हालांकि, इसका असर पूरे प्रदेश पर रहेगा। सरकार ऐसा कोई भी फैसला नहीं ले सकेगी। जिसका असर इन तीन जिलों सहित पूरे प्रदेश पर पड़े। ऐसे में सरकार को अपने सभी फैसले चुनाव आचार संहिता के दायरे में रह कर ही लेने होंगे। हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव की घोषणा के साथ 16 मार्च से चुनाव आचार संहिता लागू हो गई थी, जो चुनाव परिणाम आने के बाद 6 जून को खत्म हुई।

केंद्रीय चुनाव आयोग ने तीन दिन बाद 10 जून को उपचुनावों की घोषणा कर दी है। उपचुनाव के नतीजे 13 जुलाई को आएंगे और 15 जुलाई को चुनाव प्रक्रिया संपन्न होगी। लोकसभा चुनाव के लिए करीब 82 दिन पूरे देश के साथ हिमाचल प्रदेश में भी आचार संहिता रही अब उपचुनाव के चलते अगले 35 आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी। लोकसभा चुनाव और उप चुनावों की आचार संहिता के बीच सरकार को काम करने के लिए महज तीन ही दिन मिल पाए। उपचुनाव के चलते लगाई गई चुनाव आचार संहिता का सीधा असर तीन जिलों कांगड़ा, हमीरपुर और सोलन पर रहेगा, लेकिन सरकार ऐसे फैसले नहीं ले सकेगी जिनका पूरे प्रदेश पर असर पड़ेगा। 15 जुलाई के बाद ही सरकार प्रदेश हित में नीतिगत फैसले ले सकेगी। उपचुनाव की घोषणा के साथ ही तीन जिलों कांगड़ा, हमीरपुर और सोलन में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है। जब तक इन जिलों में चुनाव आचार संहिता लागू है तब तक प्रदेश सरकार ऐसे फैसले नहीं ले सकती। जिसका असर पूरे प्रदेश के साथ इन तीन जिलों पर भी पड़ने वाला हो। - **मनीष गर्ग, राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी**

बिहार में टला रेल हादसा; मेमू हुई बेपटरी

एजेंसी

जमुई। बिहार में एक बार फिर एक बड़ा रेल हादसा होते होते बच गया। घटना जमुई जिला के झाझा दादपुर मुख्य रेलखंड की है, जहां सटिंग हो रहे ईएमयू गाड़ी बड़ी दुर्घटना से बाल बाल बच गई।

पटरी छोड़ उतरी ट्रेन खेत में

इस संबंध में रेलकर्मियों का कहना है कि मेमू कारशेड से रख-रखाव को लेकर सटिंग के लिए ट्रेन चालक ईएमयू गाड़ी को शेड से लेकर निकला। स्टेशन से महज एक किलोमीटर पहले खलासी मुहल्ला के पास पोल संख्या 367/32-67 के बीच मेमू ठहराव स्थल पर पहुंची। लेकिन तभी अचानक मेमू गाड़ी पटरी से आगे बढ़ गई जिसमें चालक से सटा कोच पटरी से उतरकर घर की तरफ लटक गया। जिस जगह पर गाड़ी बेपटरी होकर लुढ़का, उस जगह पर नीचे लगभग 15 फीट गहराई पर आसपास घर बना था। ट्रेन को बेपटरी होते देख आसपास के लोग अपने घर को छोड़कर भागने लगे। गनीमत रही कि गाड़ी खाली जमीन पर ही रुक गई, जिससे आज एक बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

ब्रेक फेल होने से हुआ हादसा

इधर मेमू गाड़ी के कोच का

बेपटरी से होने की जानकारी आसपास के लोगों को लगी तो लोग हो हल्ला मचाने लगे। रेलवे लाइन से सटे एक मकान में रहने वाले युवक ने बताया कि मै अपने छत पर बैठकर गाड़ी को आते देखा और अचानक वह रेलवे लाइन से आगे होकर लटक गया। वहीं मेमू गाड़ी का सटिंग कर रहे दानापुर डिवीजन के चालक आदर्श अंतश ने बताया कि मेमू कारशेड में दो नंबर में गाड़ी थी और शेड में प्रेशर बनाकर गाड़ी को लेकर आगे बढ़ा, तभी अचानक ब्रेक फेल हो गया और गाड़ी बेपटरी हो गई। चालक ने बताया कि इसमें एक ही प्रेशर लगा हुआ था और इसका ब्रेक फैल हो गया। इधर ईएमयू गाड़ी के बेपटरी होने की खबर मेमू कारशेड के पदाधिकारी को मिली। इसके बाद शेड के पदाधिकारी एवं कर्मी मौके पर पहुंच गए और गाड़ी को उठाने के प्रयास में जुट गए।

जल संकट जल्द होगा खत्म : दिल्ली एलजी ने की हरियाणा के सीएम से बात, मिलेगा हक का पानी; हर संभव मदद के लिए तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में पेयजल संकट पर छिड़ी जुबानी जंग के बीच एलजी वीके सक्सेना ने कल हरियाणा के सीएम नायब सैनी से बातचीत की। वीके सक्सेना ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से बीते सोमवार को बात हुई। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली को आवंटित हिस्से के अनुसार पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। चल रही गर्मी की लहर के कारण राज्य की अपनी बाधाओं के बावजूद हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

पेयजल संकट पर राजनिवास में हुई उच्च स्तरीय बैठक में हुआ खुलासा

सोमवार को राजनिवास में उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में ये आंकड़े सामने आए। उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को व्यवस्था ठीक करने की नसीहत दी है। उधर, दिल्ली सरकार ने राजनिवास

के आंकड़ों को भ्रामक बताया गया। मंत्री सौरभ भारद्वाज का कहना है कि उपराज्यपाल बैठक का वीडियो सार्वजनिक करें। इससे असलियत सामने आ जाएगी। इससे पहले राजनिवास में जलापूर्ति के मसले पर बुलाई गई बैठक में दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी व सौरभ भारद्वाज समेत मुख्य सचिव और दिल्ली जल बोर्ड के सीईओ मौजूद रहे। इसमें बताया गया कि दिल्ली के नौ में से सात जल शोधन संयंत्रों में हरियाणा से मिलने वाले पानी के लिए मूनक नहर एक मुख्य स्रोत है। नहर का रखरखाव न होने से बड़ी मात्रा में पानी बर्बाद हो रहा है। अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान नहर से अनधिकृत रूप से पानी उठाते हुए देखा गया है। बैठक में इसकी तस्वीरें भी साझा कीं गई। इनमें दिल्ली में मुनक नहर के किनारे टैंकरों की लगीं कतारें अवैध रूप से पानी उठाते दिख रही है।

हरियाणा और दिल्ली के अधिकारियों ने किया था नहर का निरीक्षण

रविवार ऊपरी यमुना नदी बोर्ड (यूवाईआरबी) के अधिकारियों के एक दल ने दिल्ली और हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुनक नहर का निरीक्षण किया। इसमें देखा गया कि हरियाणा से नहर में पर्याप्त जलापूर्ति हो रही थी। हरियाणा ने मूनक नहर में 2,289 क्यूसेक पानी छोड़ा। जबकि काकोरी से तय कोटा 1050 क्यूसेक पानी की तुलना में 1161.084 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

काकोरी वह जगह है, जहां से पानी सीधे दिल्ली पहुंचता है। लेकिन दिल्ली के बवाना में मूनक नहर को 960.78 क्यूसेक पानी ही पहुंचा। रास्ते में करीब 200 क्यूसेक पानी गायब हो गया। यह कुल पानी का 18 प्रतिशत है। नियम के तहत यह आंकड़ा पांच प्रतिशत से कम होना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले पांच जून को हुई बैठक में यूवाईआरबी ने दिल्ली सरकार को बताया था कि मुनक नहर से करीब 25 फीसदी पानी की बर्बादी हो रही है।

दिल्ली के कई इलाकों में जल संकट बरकरार

राजधानी के कई इलाकों सोमवार को पेयजल संकट बरकरार रहा। वहीं, स्लम बस्तियों व अनधिकृत कॉलोनियों में पर्याप्त संख्या में टैंकर नहीं पहुंचे। पूर्वी दिल्ली की गीता कॉलोनी व आसपास के अन्य इलाकों, दक्षिणी दिल्ली स्थित ओखला फेस-दो व संगम विहार, नई दिल्ली स्थित सभी स्लम बस्तियों और पश्चिमी दिल्ली के गोपाल नगर, विकास नगर, निहाल विहार आदि कॉलोनियों में पेयजल संकट बना हुआ है।।

रियासी में आतंकी हमले की अबु हमजा ने रची साजिश, एनआईए, एसआईए ने मौके से सुबूत जुटाए

एजेंसी

संभाग। जम्मू संभाग के जिला रियासी के शिवखोड़ी धाम से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस पर हुए हमले में लश्कर-ए-ताइबा के तीन पाकिस्तानी आतंकी शामिल थे। हमले की साजिश लश्कर कमांडर अबु हमजा ने रची थी। हमले में एम-4 राइफल का इस्तेमाल किया गया है। दहशतगर्दों की तलाश में ड्रोन तथा खोजी कुत्तों की मदद से जंगल का चप्पा-चप्पा खंगाला जा रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) व राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) की टीम ने सोमवार को घटना स्थल का दौरा कर आवश्यक सबूत जुटाए हैं। सुरक्षा बलों से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि प्रत्यक्षदर्शियों के बयान के आधार पर चौथे आतंकी के भी घटना स्थल पर मौजूद होने से इन्कार नहीं किया जा सकता है जो तीनों आतंकियों को कवर दे रहा था। आशंका है कि हमला करने के बाद आतंकी भागकर रियासी और राजोरी से सटे जंगलों की ऊंची पहाड़ियों पर छिप गए हैं। इन्हें खोज निकालने के लिए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। जांच कर रही एजेंसियों ने हमले में बचे लोगों के बयान दर्ज किए हैं। एसएसपी रियासी मोहिता शर्मा ने बताया कि तलाशी अभियान में गांव सुरक्षा समिति के सदस्यों को भी लगाया गया है। पूरे इलाके को खंगाला जा रहा है। संदिग्धों से पूछताछ भी की जा रही है। मरने वालों में तीन यूपी व चार राजस्थान के 53 सीटर बस पर हमले में स्थानीय ड्राइवर-कंडक्टर के अलावा उत्तर प्रदेश के तीन तथा राजस्थान के एक ही परिवार के चार लोगों समेत नौ की मौत हो गई थी। इसके अलावा 41 घायल भी हुए थे। इनमें से 10 घायलों को गोलियां लगी थीं।

जांच के लिए पुलिस ने 11 टीमें बनाई

पुलिस उप महानिरीक्षक (उधमपुर रेंज) रईस मोहम्मद भट ने बताया, पुलिस ने आतंकी हमले की जांच के लिए 11 टीमों का गठन किया है। हमारे पास कुछ सुराग हैं, जिनका हम अनुसरण कर रहे हैं। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगा कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे। हमें लगातार सुराग और इनपुट मिल रहे हैं, उसी के अनुरूप हम आगे की कार्रवाई करेंगे। प्रथम दृष्टया हमले में दो से तीन आतंकी शामिल थे।

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी हमले में घायल हुए यात्रियों से अस्पताल में मुलाकात की। वह सुबह जीएमसी जम्मू पहुंचे और उसके बाद कटड़ा के नारायणा अस्पताल। वहीं प्रदेश सरकार ने हमले में मारे गए यात्रियों और बस कंडक्टर एवं चालक के परिवार को 10-10 लाख रुपये देने की घोषणा की है। घायलों के उपचार के लिए 50 हजार रुपये की घोषणा की।आतंकी हमले के खिलाफ पूरे जम्मू संभाग में उबाल रहा। जगह-जगह धरना प्रदर्शन और पाकिस्तान के पुतले फूंके गए। हमले के विरोध में राजोरी के तरयाठ में बाजार बंद रहा।

नाश्ता हो पौष्टिक

अक्सर बच्चों, दफ्तर जाने वाले या कहीं और काम पर निकलने वाले पति तथा खुद महिला के लिए नाश्ता और वो भी सेहत के लिए मुफीद नाश्ता तैयार करने का टेंशन होता है। ऐसा नाश्ता जो बच्चों के लिए पौष्टिक हो, पतिदेव के लिए शक्तिवर्धक हो और दिनभर घर पर गृहस्थी के काम करने के लिए उसे भीतर से ऊर्जा देता रहे।

महंगाई के इस दौर में हर एक के लिए सूखे मेवे, अंडे या मक्खन डबल रोटी खाना थोड़ा कठिन है। पैसे का भी शायद इतना सवाल न हो, जितना यह कि हर कोई यह नाश्ता नहीं खा सकता। वैसे भी जब शाकाहारी और सस्ते नाश्ता का विकल्प मौजूद हो तो उसे अपनाने में क्या हर्ज है।

दलिया- गेहूं के दलिए का नाश्ता काफी दिनों से प्रचलित है। गेहूं को ऐसा पिसवा लें कि उसके दो या तीन टुकडे से ज्यादा न हों। उन्हें रात में भिगो दीजिए। सुबह उसे उबालकर एक कप दूध के साथ यूं ही सादा खाइए। इससे जितनी शक्ति मिलेगी, वह अभूतपूर्व होती है।

मूंग- शाकाहारी लोगों को भिगोकर चना खाने की तो बहुत आदत होती है। अब आप मूंग पर इसका प्रयोग करें। साबूत मूंग भिगो दीजिए। सुबह उसे निकालकर एक कपडे में लपेट दीजिए। पानी के छींटे मारती रहिए तो बड़ी जल्दी उसमें अंकुर निकल आते हैं। जब भी ये अंकुर आ जाएं इन्हें निकालकर इसे धो लीजिए फिर उसमें इच्छानुसार नमक, काली मिर्च, हरीमिर्च और नीबू डालकर खाइए, खिलाइए! इसमें यदि प्याज के कुछ टुकडे भी डाल दें तो अधिक फायदेमंद होगा।

वैसे तो अंकुरित मूंग को कच्चा खाना ही बहुत लाभदायक है, लेकिन चाहे तो इसे बहुत हल्की-सी छौंक या बघार देकर भी खा सकते हैं। इसके बाद एक गिलास दूध पीना बहुत लाभदायक माना जाता है।

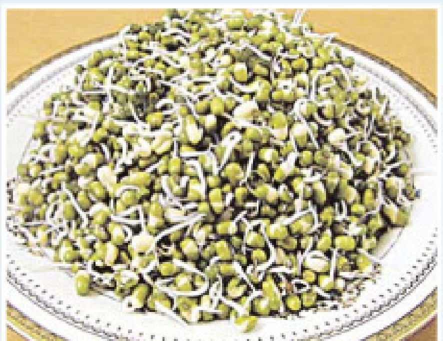

इस तरह के नाश्ते के निरंतर प्रयोग से हमारे शरीर की तमाम जरूरतें पूरी होती हैं। इस नाश्ते से खनिज तत्व, प्रचुर माला में विटामिन और देह की पूरी आवश्यकता के लिए प्रोटीन प्राप्त होता है।

चने या दालें या किसी भी प्रकार के अनाज के दाने हमारा रोजाना का आहार है, इन अनाज के दानों में प्रोटीन्स, कार्बोहाइड्रेट विटेमिन्स ए और बी पाया जाता है, लेकिन अंकुरित होने के बाद इनकी पोषक वैल्यू कई गुनी बढ़ जाती है। इन दानों में विटामिन सी भी उत्पन्न हो जाता है। विटामिन सी हमारे शरीर की एक बहुत बड़ी आवश्यकता है। अंकुरित होकर ये दाने फाइबर से भरपूर पाचक और पोषक हो जाते है।

चना-अंकुरित मूंग के साथ यदि आप अंकुरित चने का भी उपयोग करें तो दोनों की मिली-जुली शक्ति से शरीर को काफी ऊर्जा मिलेगी। उसमें आप अक्सर गृहिणियां इस अंकुरित मूंग और चने में कच्ची मूंगफली भी भिगोकर देती हैं। इससे नाश्ते में चिकनाई भी भरपूर माला में मिल जाती है। याद रखिए, इस तरह के प्रयोग कभी एक दिन करने से अपना असर नहीं दिखाते, इनका सेवन निरंतर करते रहे।

कहने का तात्पर्य इतना सा है जो अन्न हम भून कर या अन्य विधियों से संस्कारित कर खाते हैं यदि उसे प्राकृत अवस्था में या थोड़ा अंकुरित करके ग्रहण करें तो शरीर के पोषण के लिये चौगुना फायदेमंद होता है। भुने हुये बीजों को खेत में डाल कर देखिये, ना तो वे उगेंगे और न ही पोधे बनेंगे वरन जमीन में पड़े-पड़े सड़ जायेंगे। लगभग यही स्थिति आग पर पकाये जाने वाले खाद्यान्न की होती है।

आहार वैज्ञानिक मानते हें कि सूखे अन्नए दलहनों तथा तिलहनों में केवल पृथ्वी तत्व विशेष रूप से पाया जाता है। जब कि अंकुरित हो जाने पर प्रकृति उन पर विशेष कृपा कर जल, वायु तथा सूर्य तत्व का उपहार अतिरिक्त दे देती है। इसके अलावा प्रकृति इनमें प्रोटीन, विटामिन, वसा एवं खनिज लवण जैसे जीवनीय तत्व भी इनमें लबालब भर देती है। अंकुरित अन्न मात्र अनाज नहीं होता अपितु अन्न फल तथा शाक सब्जी तीनों की भूमिका एक साथ निभाता है। आरोग्य के दृष्टि से अंकुरित आहार उत्तम होने के साथ ही समय, मेहनत, ईंधन और धन की बचत भी करता है। जहाँ तक हो सके खाद्यान्नों उनके प्राकृतिक रूप मे ही गृहण करना चाहिये। इसके लिये उन्हें पानी में भिगोने मात्र से ही नरम बना कर काम चल सकता है।

कैसे करें अंकुरित

आहार विशेषज्ञों ने दस व्यक्तियों के लिये संतुलित अंकुरित अन्नों की एक आहार तालिका।

गैहूँ-	200 ग्राम
चना-	100 ग्राम
मूँग-	100 ग्राम
ज्वार या बाजरा-	100 ग्राम

ये सब साफ करके साफपानी में 12 घंटे तक भिगो कर रखने के बाद 12 घंटे तक किसी मोटे कपडे में लपेट कर किसी खिडकी के पास लटका देना चाहिये जहाँ हल्का हल्का सूर्य का प्रकाश और हवा भी मिलती रहे। ये बात हर समय ध्यान रखनी चाहिये कि जिस कपडे में ये अन्न बंधा हो वो सूखने न पाये। इसलिये बाहर से पानी से तर करते रहना चाहिये। ऐसा करने से 36 घंटे मे बढिया अंकुर निकल आते हैं। ऋतु प्रभाव के अनुसार अंकुरण होने में कम या अधिक समय लग सकता है।

सोयाबीन के दाने बहुत समय मे अंकुरित होते हैं इसलिये उन्हे अलग से अंकुरित कराना चाहिये। आमतौर पर इसे मूंगफली के विकल्प के रूप में लिया जाता है।

कैसे खायें-

अंकुरित अन्न यूँ ही खाने से रूखा-रूखा अरुचिकर सा लग सकता है। उन्हे रुचिकर या स्वादिष्ट बनाने के लिये टमाटर, अदरक, खीरा, मूली, गाजर, हरा धनियाँ तथा हरा या सूखा पोदीना बारीक या रुचि के अनुसार काट लें फिर अंकुरित अन्न को प्लेट में डाल कर इनको अच्छी तरह मिला कर ऊपर से काला नमक, भुना जीरा बुरक लें। अधिक स्वादिष्ट बनाने के लिये ऊपर से नीबू निचोड़ लें फिर खायें। इनमें सोंठ, पिंडखजूर, नारियल, नीबू, अंगूर, इलायची, इत्यादि डालने पर एक पुष्टिकारक व्यंजन तैयार हो जाता है। यह बहुत किफायती है। साधारण रूप से 5 रुपये में एक व्यक्ति का पूरे दिन का आहार जुट जाता है।

पोषणविदों के अनुसार इस तरह के खाद्यान्न मनुष्य के लिये सम्पूर्ण आहार है। इनमें विटामिन सी 10 गुनी, तथा थायमिन राइबोफ्लोबिन और निकोटिनिक एसिड दूनी मात्रा में हो जाती है। अंकुरित दालों मे कुछ हानि करक तत्व स्वतः ही विघटित हो जाते हैं। सेम तथा ब्रूसेल जैसी सब्जियों के अंकुरित दानों में केल्शियम, फास्फोरस आइरन, विटामिन ए प्रचुर मात्रा में मिलने से ये बहुत उपयोगी हो जाते हैं। इन बीजों के अंकुरों में इंसुलिन जैसा रसायन अपनी प्राकृतिक अवस्था में मिलने के कारण मधुमेह के रोगियों के उपचार में बड़ा सहायक सिद्ध हुआ है। इन सबके अतिरिक्त अंकुरित आहार की थोड़ी सी मात्रा से पेट भर जाता है। जिससे बार बार खाने की आदत से बचाव रहता है। इस प्रकार ऐसा आहार स्वास्थ्य और शारीरिक अभिवर्द्धन के साथ साथ शरीर को हल्का, फुर्तीला तथा ओज से परिपूर्ण बनाता है।

अंकुरित चना सलाद

सामग्री-2 कप अंकुरित चना, 2 टमाटर, 1 प्याज, 1 हरी मिर्च, चुटकीभर हींग, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक।

विधि-हींग, नमक और थोड़ा सा पानी डालकर 10 मिनट के लिए चने को पका कर किसी बर्तन में निकालें। बारीक कटे हुए टमाटर, हरी मिर्च व प्याज डालें। अब इसमें चाट मसाला मिलाएं और अच्छे से हिलाकर सर्व करें। चाहें तो ऑरेंज की स्लाइसेज भी सर्व करते समय काम में ले सकते हैं।

अगर लकवा हो जाए तो क्या करें

कई बार क्या होता है की हमारी कोई एक जगह सुन्न हो जाती है, इसे हम हलके में लेते है और बाद में पता चलता है की इसे लकवा मार गया है पहले यह सिर्फ 50 या 60 साल की उमर के बाद होता था लेकिन अब ये आम हो गया है,

लकवा कैसे होता है,

यह अधिक रक्तचाप, खून में थक्के जमने के कारण एनिमोनिया वार्यल बुखार और मोटापे के कारण होता है।

क्या करें

अगर किसी को लकवा हो गया है तो उसे गर्म-गर्म तेल से हलकी हलकी मालिश करे जिस जगह में प्रभाव हुआ है, उसे ठंडा न होने दे। अगर घर में निरोबियन की गोली हो तो उसे एक दम दे दे क्यों की लकवा हमारे मस्तिस्क में खून अवरोध के कारण होत्ता है जिससे मस्तिस्क के किसी भाग में खून नहीं पहुँचता ण् उसके बाद उसे रक्तचाप हल्का करने की गोली दे, अगर मुहँ टेढ़ा हो गया है तो एकदम उसे हाथ से सीधा करने की कोशिश करें या आंख बंद हो गयी हो तो आंख को खोल दें या खोलने की कोशिश करें, अगर जीभ अंदर चली गयी हो तो चिमटे से पकड़कर बाहर खींचे, क्यों की कोई भी शारीर का भाग जिस तरफ होगा वह वैसा ही रहेगा बाद में वह ठीक नहीं होगा।

क्या न करें-

कभी भी ऐसे रोगी को ग्लोकोज की ड्रिप न लगाये न लगाने दे क्यों की आजकल नर्सें सबसे पहले सीधा ड्रिप लगा देती हैं ण् ग्लूकोज से क्या होता है की सारा का सारा जिस्म अंदर से ठंडा हो जाता है। अगर कोई इंजेक्सन हो तो उसे लगाने दें, कभी भी अपने दरवाजे की चिटकनी न लगायें

क्या खाएं-

हल्का खाना ज्यादा से जादा सूप पियें, जूस, हरी सब्जियां, थोड़ा थोड़ा करके खाएं, बना नमक वाली और बिना वसा वाली गर्म चीजे चीजे खाएं।

कैसा हो लकवे के मरीज का कमरा-

जिसमें साफ हवा आती हो, बालों को कंघी कमरे से बाहर करें, रात को सोते समय खिड़की खुली रखें जिससे सांस लेने में कोई दिक्कत न हो।

क्या न खाएं-

फैट वाला खाना एक दम बंद रखें। ज्यादा मांस नहीं खाएं, दूध पीना हो तो तीन बार फैट छान कर पियें।

यह टोटके करके देखें

लकवा ऐसी ही एक बीमारी है जो अचानक ही किसी हंसते-खेलते व्यक्ति को अपनी चपेट में ले लेती है। मेडिकल साइंस के इस दौर में लकवा का ईलाज भी संभव है। लेकिन शत प्रतिशत रिकवरी नहीं हो पाती और मरीज को काफी दिनों तक ईलाज कराना पड़ता है। यदि ईलाज करवाने के साथ-साथ कुछ टोटके भी करें तो संभव है लकवा से पीड़ित व्यक्ति और भी जल्दी ठीक हो जाए।

ये करें-

- एक काले कपड़े में पीपल की सूखी जड़ को बांधकर लकवा से पीड़ित व्यक्ति के सिर के नीचे रखें तो कुछ ही दिनों में इसका असर दिखने लगेगा।
- प्रत्येक शनिवार के दिन एक नुकीली कील द्वारा लकवा पीड़ित अंग को आठ बार उसारकर शनिदेव का स्मरण करते हुए पीपल के वृक्ष की मिट्टी में गाड़ दें। साथ ही यह प्रार्थना करें कि जिस दिन अमुक रोग दूर हो जाएगा, उस दिन कील निकाल लेंगे। जब लकवा ठीक हो जाए तब शनिदेव व पीपल को धन्यवाद देते हुए वह कील निकालकर नदी में प्रवाहित कर दें।
- लकवे से पीड़ित व्यक्ति को लोहे की अंगूठी में नीलम एवं तांबे की अंगूठी में लहसुनिया जड़वाकर क्रमश मध्यमा और कनिष्ठा अंगुली में पहना दें। इससे भी लकवा रोगी को काफी राहत मिलसकती है।

तो कभी नहीं होगी गैस और एसीडिटी

समय-बेसमय भोजन करना, नींद पूरी न होना, अपच, ज्यादा तेल-मसाले का भोजन, जरूरत से ज्यादा भोजन आदि के कारण कब्ज और एसिडीटी की समस्या अब आम हो गई है। कब्ज और एसिडीटी के अलावा वायु विकार, मुंह में छाले, मुंहासे आदि भी कहीं न कहीं पेट से ही जुड़े हुए हैं। लंबे समय तक कब्ज, एसिडीटी आदि की समस्या कई बार घातक हो जाती है। यदि कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो पेट संबंधी समस्याओं को काफी हद तक दूर रखा जा सकता है।

- भोजन जब करें जब जमकर भूख लगी हो।
- कांसे की थाली में भोजन करें।
- खाने के तुरंत बाद कभी भी चाय-काफी आदि न पिएं।
- पके हुए बेल फल का शरबत पिएं लेकिन संतुलित माला में।
- भोजन के बाद हिंगास्टक चूर्ण का संतुलित माला में सेवन करें।
- भोजन में हरी सब्जियों और सलाद का सेवन अवश्य करें।
- भोजन में ज्यादा तेल-मसालों के उपयोग से बचें।
- भोजन करने के बाद वज्रासन में बैठें। रात्रि में बाईं करवट से ही सोएं।
- प्रतिदिन सुबह मार्निंग वॉक करें।
- सुबह उठकर 1-2 गिलास पानी पिएं, तांबे के लोटे में पानी भरकर उसे रात भर रखे और सुबह उसे पिएं ये बहुत फायदेमंद होता है।

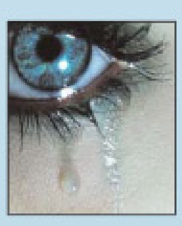

'आंसू' अच्छे भी होते हैं

कुछ लोग इतने संवेदनशील होते हैं कि बात-बात पर उन्हें रोना आ जाता है। आंसू तब निकलते हैं जब गम होता है और तब भी ज्यादा खुशी होती है। लेकिन यदि आपको बात बात पर रोना आता है तो सावधान हो जाइए क्योंकि हाल में शोधकर्ताओं ने पाया है कि रोने से उम्र में भी इजाफा होता है। मनोचिकित्सकों का कहना है कि पुरुषों के मुकाबले स्त्रियां अपनी उम्र को बढ़ा लेती हैं। पुरुष अपने गम या दर्द को छुपा लेते हैं और उनके आंसू भी बहुत कम आते हैं, जिसके कारण उनको हृदय संबंधी बीमारियां हो जाती हैं। वहीं महिलाएं दुख हो या खुशी रोकर अपने मन को हल्का कर लेती हैं। इससे

स्वमूत्र : डेंड्रफ और मुहांसे दोनों से छुटकारा

बढ़ते प्रदूषण या खाने-पीने की अनियमितता के कारण मुहांसे व डेंड्रफ से होने वाली परेशानी आजकल युवाओं में एक आम समस्या है। मुंहासों के कारण चेहरे पर दाग धब्बे हो जाते हैं वहीं डेंड्रफ के कारण बाल बहुत अधिक झडने लगते हैं।साथ ही रूखे और बेजान दिखने लगते हैं। दोनों ही समस्याओं से छुटकारे के लोग तरह-तरह के शैम्पू लगाते हैं, तेल लगाते हैं और फिर भी ये समस्या बनी रहती है। हम जो आपको नुस्खा बता रहे हैं उसमें आपको पैसे खर्च करने की जरूरत ही नहीं है। मुफ्त में आप डेंड्रफ और मुंहासों का ईलाज कर सकते हैं। ऋषि-मुनियों ने स्वमूल से उपचार की कई विधियां बताई हैं। आयुर्वेद की कई किताबों में स्वमूल के नुस्खे हैं जिसे अपनाकर पेट, केश, त्वचा सहित अन्य कई बीमारियों का ईलाज किया जा सकता है।

- स्वमूल को सिर के बालों की जड़ों में लगाकर पांच मिनट तक मालिश करके स्नान करें रूसी समाप्त हो जाएगी।
- स्वमूल के प्रयोग से मुंहासे भी ठीक हो जाते हैं। चेहरे पर स्वमूल लगाकर पांच-दस मिनट तक मसलें। आधे घंटे बाद धो लें।
- शेव करने के बाद स्वमूल लगाकर 15-20 मिनट मसाज करें। फिर आधे घंटे बाद धो लें। इससे चेहरे का रंग साफ होता है त्वचा चमकदार होती है।
- स्वमूल का प्रयोग करते समय साबुन का प्रयोग न करें।

कमर दर्द से पाइए मुक्ति

आजकल प्राय: यह देखने में आ रहा है कि 30 से 35 वर्ष की उम्र में आते ही लोग कमर दर्द की शिकायत करने लगते हैं। हमारे शरीर में कमर का ढांचा कुछ अलग है। कमर में 24 हड्डियां हैं जो एक–दूसरे के ऊपर दीवार बनाते समय रखी गई ईंटों के समान ही हैं। इन हड्डियों के बीच में कार्टिलेज व इलास्टिक तंतू की डिस्क रहती है जो कि हमें झटके के समय चोट से बचाती है। डिस्क हड्डियों के बीच में नहीं रहती है या घिस जाती है तो कमर का लचीलापन समाप्त हो जाता है और दर्द शुरू हो जाता है। इसका समय पर डॉक्टर और योग विशेषज्ञ की सलाह से इलाज शुरू कर लेना चाहिए।

कमर में दर्द होने का कारण

- कमर दर्द का मुख्य कारण मांसपेशियों पर अत्यधिक तनाव होता है।
- जोड़ों में खिंचाव से भी यह होता है।
- कैल्शियम की कमी से हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।
- अधिक वजन होने से भी कमर दर्द होता है। प्रसव के बाद स्त्रियों को योगाभ्यास शुरू कर देना चाहिए।
- गलत तरीके से बैठने से कमर दर्द होता है। हमें सीधा बैठना व सीधा चलना चाहिए।
- लेटकर टी.वी. देखना, लेटकर पढ़ना भी दर्द का मुख्य कारण है।
- ऊंची हील के जूते पहनने से कमर दर्द हो सकता है।
- तनाव के कारण भी दर्द होता है।
- व्यायाम या योगाभ्यास नहीं करने वालों को भी कमर दर्द होता है।
- रसोईघर का प्लेटफार्म उपयुक्त ऊंचाई पर होना चाहिए अन्यथा दर्द हो सकता है।
- गलत तरीके से खड़ा रहना, कार चलाना, काम करना, व्यायाम करना, योगाभ्यास करना, सोना, भारी सामान उठाना आदि भी दर्द का कारण हो सकता है।
- कमर दर्द को रोकने के लिए निम्नलिखित क्रियाएं लाभदायक हैं।
- सीधा चलना, सीधा बैठना, लेटकर नहीं पढ़ना, टी.वी. आदि लेट कर नहीं देखना।
- भारी चीजों को या किसी सामान को नीचे से उठाते समय अपनी उम्र के अनुसार पहले घुटने को झुकाकर फिर उठाना चाहिए।
- कार चलाते वक्त सीट सख्त होना चाहिए व स्टेयरिंग के पास बैठना चाहिए।
- खड़े रहते समय पैरों के आगे के भाग पर वजन रखकर खड़े होना चाहिए।
- पेट के बल नहीं सोना चाहिए। करवट से सोते वक्त घुटने को थोड़ा मोड़कर सोना चाहिए।
- अधिक काम करने के बाद थोड़ा आराम करना चाहिए।

पीठ दर्द से छुटकारा पाने के लिए यह व्यायाम रोज करें

सीपीएल 2024: ट्रिनबागो नाइट राइडर्स में शामिल हुए टिम डेविड और जेसन रॉय

एजेंसी

पोर्ट ऑफ स्पेन। ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) ड्राफ्ट से पहले अपने द्वारा रिटेन और साइन किए गए खिलाड़ियों की घोषणा की है। उनके पास 2024 सीज़न के लिए 15 पुष्ट खिलाड़ी हैं। नाइट राइडर्स ने 2024 सीज़न के लिए ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड को साइन किया है। डेविड को पहले सेंट लूसिया किंग्स के साथ सीपीएल में सफलता मिली थी। उन्होंने अनुभवी और विस्फोटक इंग्लैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जेसन रॉय की सेवाएँ भी हासिल की हैं।यूएसए के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अली खान और अफगान स्पिनर वकार सलामखेल 2024 सीज़न के लिए फ्रैंचाइज़ी में लौटेंगे। नाइट राइडर्स ने आयरलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश लिटिल को भी साइन किया है। नाइट राइडर्स ने उन कैरेबियाई खिलाड़ियों को बरकरार रखा है, जो उन्हें 2023 टूर्नामेंट के फाइनल तक ले गए थे। इनमें आंद्रे रसेल, कीरोन पोलार्ड, सुनील नरेन और निकोलस पूरन शामिल हैं, जो सभी त्रिनिदाद फ्रेंचाइजी के साथ वापस आ गए हैं।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैथ्यू वेड को लगाई गई फटकार

दुबई। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू वेड को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप बी मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई है। वेड को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असंतोष दिखाने से संबंधित है।इसके अलावा, वेड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए यह 24 महीने की अवधि में पहला अपराध था। यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पारी के 18वें ओवर में हुई। वेड ने लेग स्पिनर आदिल राशिद की गेंद को गेंदबाज की तरफ खेला, चूंकि वह तैयार नहीं थे, फिर भी शॉट खेला और उम्मीद जताई कि अंपायर इसे डेड बॉल करार देंगे। जब ऐसा नहीं हुआ, तो वेड ने अंपायरों के साथ फैसले को लेकर बहस की। वेड ने अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी के एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं थी। मैदानी अंपायर नितिन मेनन और जोएल विल्सन, तीसरे अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर जयरामन मदनगोपाल ने आरोप तय किए।

7जी राष्ट्रीय पैरा ताईक्वान्डो चैम्पियनशिप में मप्र की कनिष्का ने जीता स्वर्ण पदक

भोपाल। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में 08 से 10 जून 2024 तक आयोजित 7जी राष्ट्रीय पैरा ताईक्वान्डो चैम्पियनशिप 2024 में मप्र राज्य खेल अकादमी की खिलाड़ी कनिष्का शर्मा ने 65 किग्रा. भारवर्ग स्पर्धा में अपने खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया। प्रदेश के खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने उत्साहवर्धन करते हुए स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी कनिष्का शर्मा बधाई दी है। चैम्पियनशिप में खेले गए 65 किग्रा. भारवर्ग स्पर्धा के फायनल मुकाबले में मप्र राज्य ताईक्वान्डो अकादमी भोपाल की खिलाडी कनिष्का शर्मा ने चण्डीगढ की छवि सिंह को 13 के मुकाबले 04 अंकों से परास्त किया। इस प्रकार कनिष्का ने स्वर्ण पदक और छवि ने रजत अर्जित किया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश भर के कुल 110 खिलाड़ियों ने इस प्रतिभागिता की। कनिष्का शर्मा खेल अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जगजीत सिंह मांड और प्रशिक्षक अर्जुन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत हैं।

प्रिथुल ने की शानदार बल्लेबाजी, स्पोर्ट्स गैलेक्सी ने जीता मैच

लखनऊ। सूरज प्रसाद सचान मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में स्पोर्ट्स गैलेक्सी क्रिकेट क्लब ने पैरामाउंट क्रिकेट क्लब को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में स्पोर्ट्स गैलेक्सी के प्रिथुल मेहता ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 85 बाल पर 104 रन बनाये। पैरामाउंट ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 237 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अनुपम ने सात चौके और दो छक्के की मदद से 68 बाल पर 67 रन बनाये। वहीं इशान श्रीवास्तव ने 27 रन का योगदान दिया। वशु रूहेला ने 23 रन बनाये, जबकि हरी अनंत ने 24 रन का योगदान दिया। स्पोर्ट्स गैलेक्सी की टीम ने चार विकेट गवांकर 240 रन बना लिये और मैच को छह विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज भुवेश ने 21 रन बनाये। वहीं प्रिथुल मेहता ने16 चौकों की मदद से 85 बाल पर 104 रन बनाये। हर्षित यादव ने 60 रन का योगदान दिया।

पास आकर भी नहीं जीत सका बांग्लादेश, साउथ अफ्रीका ने चार रनों से जीता मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने लो स्कोरिंग मैच में बांग्लादेश को चार रनों से हरा दिया है। इसी के साथ इस टीम ने टी20 वर्ल्ड कप में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी कर ली है। साउथ अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में छह विकेट खोकर 113 रन ही बना पाई थी। बांग्लादेश जीतती हुई दिख रही थी लेकिन साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों ने ऐसा होने नहीं दिया और बांग्लादेश को 20 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 109 रनों पर सीमित कर दिया।

आखिरी ओवर में बांग्लादेश को जीत के लिए सात रन चाहिए थे। सामने थे केशव महाराज। महाराज ने इस ओवर में दो विकेट निकाले और बांग्लादेश को जरूरी रन नहीं बनाने दिए। इसी के साथ साउथ अफ्रीका ने इस वर्ल्ड कप में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की। इससे पहले साउथ अफ्रीका ने नीदरलैंड्स और श्रीलंका को हराया था। साउथ अफ्रीका की

शुरुआत बेहद खराब रही। बांग्लादेश द्वारा पहले बल्लेबाजी का निमंत्रण मिलने पर पहली पारी खेलने आई साउथ अफ्रीका को पहले ही ओवर में बड़ा झटका लग गया। रीजा हैंड्रिक्स को तंजीम हसन साकिब ने आउट किया। क्विंटन डिकॉक भी 18 रन बनाकर आउट हो गए। एडेन मार्करम का बल्ला फिर नहीं चला और वह सिर्फ चार रन ही बना सके। ट्रिस्टन स्टब्स बिना खाता खोले आउट हो गए। 23 रनों पर ही साउथ अफ्रीका ने चार विकेट खो दिए थे। इसके बाद डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन ने टीम को संभाला और 79 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी के दम पर ही साउथ अफ्रीका संभल सकी नहीं तो टीम का 100 रन बनाना भी मुश्किल हो जाता। क्लासेन हालांकि अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और 44 गेंदों पर 46 रन ही बना सके। डेविड मिलर ने 29 रन बनाए। बांग्लादेश की तरफ से तनजीम हसन साकिब ने तीन विकेट लिए।

साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का कमाल

बांग्लादेश को भी अच्छी शुरुआत नहीं मिली। तंजीद हसन को दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर कगिसो रबाडा ने आउट कर दिया। लिटन दास (9) केशव महाराज का शिकार बने। शाकिब अल हसन भी तीन रनों से ज्यादा नहीं बना सके। कप्तान नजमुल हसन शांटो 14 रन ही बना सके। तौहिद ह्दोय और महामुदुल्लाह ने पारी को संभाला लेकिन ये दोनों टीम को जीत नहीं दिला सके। तौहिद ने 37 और महामुदुल्लाह ने 20 रन बनाए।

टी-20 विश्व कप: बांग्लादेश की हार के बाद तौहीद ह्दोय ने की अंपायरिंग की आलोचना

एजेंसी

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के बल्लेबाज तौहीद ह्दोय ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के दौरान अंपायरिंग के स्तर की आलोचना की और उनका मानना है कि उन्हें न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में इसकी कीमत चुकानी पड़ी।17वें ओवर में रन चेज के दौरान ओटनील बार्टमैन की एक गेंद महमुदुल्लाह के पैड से टकराई और फाइन लेग की गेंद बाउंड्री लाइन के पार चली गई। दक्षिण अफ्रीका ने एलबीडब्लू की अपील की और अंपायर ने अपनी उंगली उठा दी। रिव्यू पर, निर्णय पलट दिया गया लेकिन चूंकि अंपायर ने मैदान पर आउट दे दिया था, इसलिए गेंद को तुरंत डेड मान लिया गया, जिससे बांग्लादेश को चार रन नहीं मिल पाए। अंत में, एशियाई टीम उसी अंतर से हार गई। ह्दोय ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ईमानदारी से कहूं तो इतने कड़े मुकाबले में यह हमारे लिए अच्छा फैसला नहीं था। मेरे हिसाब से, अंपायर ने आउट दिया, लेकिन यह हमारे लिए काफी कठिन था। उन चार रनों से मैच का परिदृश्य बदल सकता था।

उन्होंने कहा, कानून मेरे हाथ में नहीं है। उस समय वे चार रन वाकई महत्वपूर्ण थे। अंपायर फैसला ले सकते हैं और वे भी इंसान हैं और गलतियाँ कर सकते हैं। उन्होंने कुछ मौकों पर वाइड भी नहीं दिए जो वाइड थे। इस तरह के मैदान में जहाँ कम स्कोर वाले मैच हो रहे हैं, एक या दो रन बहुत बड़ी बात है। मुझे लगता है कि वे चार रन या दो वाइड करीबी फैसले थे। इसमें सुधार की गुंजाइश है। 34 गेंदों पर 37 रन बनाने वाले ह्दोय को कैगिसो रबाडा की गेंद पर एलबीडब्लू आउट दिया गया, जहाँ रीप्ले से पता चला कि गेंद लेग स्टंप को छू रही थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद बांग्लादेश के कप्तान शान्तो ने कहा-यह मैच हमें जीतना चाहिए था

एजेंसी

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा कि उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच जीतने के लिए आश्वस्त थी क्योंकि बल्लेबाज जाकेर अली क्रीज पर थे, हालांकि मैच के आखिरी ओवर में चीजें योजना के अनुसार नहीं हुईं, जब उन्हें 6 गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

टी-20 विश्व कप में नासाऊ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को अंतिम गेंद पर हराकर सुपर 8 चरण के लिए क्वालीफाई करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ा दिया। शांतो को लगता है कि उनकी टीम को यह मैच जीतना चाहिए था, लेकिन उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने आखिरी कुछ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की।

शांतो ने मैच के बाद कहा, हर कोई घबराया हुआ था, लेकिन जब जाकेर वहां था, तो सभी आश्वस्त थे। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन कोई बात नहीं। तनजीद ने पिछले कुछ मैचों में वास्तव में कड़ी मेहनत की है, हमें नई गेंद के विकेट की जरूरत थी और उसने अपना चरित्र दिखाया। यह वह मैच था जिसे हमें जीतना चाहिए था,

हम लगभग जीत ही गए थे, लेकिन आखिरी कुछ ओवरों में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। बांग्लादेश के कप्तान ने कहा कि वे भाग्यशाली हैं कि उनके पास बहुत अच्छे स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन हैं, जो कड़ी मेहनत करते हैं और अपना कौशल दिखाते हैं। उन्होंने कहा, यह वह मैच था जिसे हमें जीतना चाहिए था, आखिरी कुछ ओवरों में उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। क्रिकेट में ऐसा हो सकता है। रिशाद बहुत अच्छा है, जिस तरह से हमने पिछली कुछ सीरीज में गेंदबाजी की, उसने बहुत कड़ी मेहनत की। हम पिछले 10-15 वर्षों से लेग स्पिनरों से जूझ रहे हैं, इसलिए हम भाग्यशाली हैं कि हमें वह मिला। उम्मीद है कि वह आगे भी ऐसा ही करेगा। सभी समर्थकों का धन्यवाद, उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज भी आएंगे।

ओसीए एथलीट समिति की अध्यक्ष चुनी गई चीनी टेबल टेनिस की दिग्गज डिंग निंग

एजेंसी

बीजिंग। चीनी टेबल टेनिस की दिग्गज महिला खिलाड़ी डिंग निंग को एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति का अध्यक्ष चुना गया है। ओसीए ने उक्त घोषणा की।

डिंग ने अपने उम्मीदवारी भाषण में कहा, एक एथलीट के रूप में मेरे करियर ने मेरी ज़िंदगी बदल दी, मुझे मजबूत बनाया और एथलीटों के लिए काम करने का जुनून दिया।

डिंग ने ओलंपिक खेलों, विश्व कप और विश्व चैंपियनशिप में कुल 21 स्वर्ण पदक जीते हैं। वह 2016 रियो ओलंपिक में महिला एकल में तीन स्वर्ण पदक और लंदन 2012 और रियो 2016 में महिला टीम के लिए सबसे ज़्यादा पदक जीतने वाली खिलाड़ी हैं। डिंग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि मैं अपने कौशल, अनुभव और जुनून का इस्तेमाल बदलाव लाने के लिए कर पाऊँगी। डिंग ने अपने उम्मीदवारी भाषण में एथलीट समिति के लिए अपने दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया, जिसमें एथलीट कल्याण, प्रशिक्षण

की स्थिति और प्रतिस्पर्धा के माहौल को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। डिंग ने राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों के बीच खेल आदान-प्रदान और सहयोग को मजबूत करने तथा एशियाई एथलीटों के बीच संवाद को बढ़ावा देने का भी संकल्प लिया।

हरभजन सिंह ने अर्शदीप पर विवादित टिप्पणी को लेकर कामरान अकमल की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पर टिप्पणी के लिए पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल की आलोचना की। भारत के चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान, अर्शदीप को आखिरी ओवर सौपा गया, जिसमें उन्होंने 18 रनों का सफलतापूर्वक बचाव किया। हरभजन द्वारा रीपोस्ट किए गए एक वीडियो में, अकमल एआरवाई न्यूज़ के एक पैनल का हिस्सा थे। शो के दौरान, उन्होंने अर्शदीप के धर्म के बारे में एक विवादास्पद टिप्पणी की और

कहा, कुछ भी हो सकता है... 12 बज गए हैं।

उनकी टिप्पणी हरभजन को अच्छी नहीं लगी और उन्होंने अर्शदीप पर कामरान की टिप्पणी के लिए उनकी आलोचना की और एक्स पर लिखा, लख दी लानत तेरे कामरान अकमल.. आपको अपना गंदा मुंह खोलने से पहले सिखों का इतिहास जानना चाहिए। हम सिखों ने आपकी माताओं और बहनों को बचाया जब उन्हें आक्रमणकारियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था, समय हमेशा 12 बजे का था। शर्म आनी चाहिए... कुछ आभार मानिए।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमोल काले का निधन

एजेंसी

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के मानद अध्यक्ष अमोल काले का 47 साल की उम्र में न्यूयॉर्क में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। काले, एमसीए सचिव अजिंक्य नाइक और शीर्ष परिषद के सदस्य सूरज समत के साथ नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच देख रहे थे। अक्टूबर 2022 में विश्व कप चैंपियन संदीप पाटिल को एक करीबी मुकाबले में हराने के बाद काले को एमसीए अध्यक्ष चुना गया था। आगामी सत्र से मुंबई के सीनियर पुरुष मैच फीस को दोगुना करने के एमसीए के फैसले में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। नागपुर से आने वाले काले एक दशक से भी ज़्यादा समय से मुंबई में रह रहे थे और उन्होंने कई तरह के व्यवसाय स्थापित किए। उन्हें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता था। एमसीए के मामलों की कमान संभालने के अलावा काले इस साल की शुरुआत में शुरू की गई टेनिस-बॉल फ़्रैंचाइज़ी क्रिकेट लीग इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के सह-प्रमोटर भी थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट की केंद्रीय अनुबंध सूची में लॉरेन डाउन की वापसी

एजेंसी

वेलिंगटन। बल्लेबाज लॉरेन डाउन न्यूजीलैंड क्रिकेट की अनुबंधित महिला खिलाड़ियों की सूची में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वह 2024-25 के लिए केंद्रीय अनुबंध की पेशकश करने वाली 17 खिलाड़ियों में से एक हैं। डाउन ने पिछले सीजन में मातृत्व अवकाश के दौरान अनुबंध की पेशकश को अस्वीकार कर दिया था, लेकिन इस महीने के अंत में इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम में उनका नाम शामिल किया गया।

डाउन, जिन्होंने 28 एकदिवसीय और 13 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व किया था। 2024-25 अनुबंध अवधि 1 अगस्त से शुरू होगी, जिसमें खिलाड़ियों के पास प्रस्ताव स्वीकार करने के लिए 17 जून तक का समय होगा। अनुबंध सूची में विकेटकीपर-बल्लेबाज पॉली इंगलिस का भी नाम है, जिन्हें पहली बार प्रस्ताव मिला है। इंगलिस ने मार्च में घरेलू मैदान पर इंग्लैंड ए के खिलाफ तीन एक दिवसीय मैचों में

न्यूजीलैंड ए के लिए 103 रन बनाए, जिसमें मेजबान टीम ने 2-1 से श्रृंखला जीती। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट की महिला वन-डे प्रतियोगिता में 324 रन बनाए थे - जो महिलाओं के लिए घरेलू 50 ओवर का टूर्नामेंट है। न्यूजीलैंड की महिला टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमने 17 नामों की एक मजबूत सूची बनाई है, जो हमें लगता है कि अगले 12 महीनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे... इस साल चयन प्रक्रिया का एक बड़ा हिस्सा यह देखना था कि 2025 के वनडे विश्व कप में कौन हिस्सा ले सकता है। 2023-24 के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों में से विकेटकीपर-बल्लेबाज बर्नाडिन बेजुइडेनहाउट - जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुकी हैं - और बल्लेबाज केट एंडरसन, को अनुबंध से बाहर कर दिया गया है।

बंगाल प्रो टी20 लीग: ऋत्विक रॉय चौधरी संभालेंगे सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कमान

एजेंसी

कोलकाता। सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स आगामी बंगाल प्रो टी20 लीग में दमदार शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। सिलीगुड़ी की टीम 11 जून को कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में अपने शुरुआती मैच में हार्बर डायमंड्स से भिड़ेगी। लीग का समापन 28 जून को होगा। रित्विक रॉय चौधरी आगामी लीग में सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कमान संभालेंगे।

सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स सिलीगुड़ी और दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार, अलीपुरद्वार और कलिम्पोंग जैसे अन्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रही है। प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में खेलते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। अपने पहले मैच के बाद, सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स आगामी सप्ताह में मुर्शिदाबाद किंग्स और रारह टाइगर्स का सामना करेंगे। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के मालिक ऋषभ भाटिया ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम बंगाल प्रो टी20 लीग का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं और इस भव्य मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उत्सुक हैं। खिलाड़ियों ने अच्छी ट्रेनिंग की है और वे शुरुआती मैच के लिए तैयार हैं। साथ ही, हमें सिलीगुड़ी

स्ट्राइकर्स के कप्तान के रूप में ऋत्विक रॉय चौधरी पर बहुत गर्व है। मुझे विश्वास है कि उनकी कप्तानी में, सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी और प्रशंसकों को गौरवान्वित करेगी। सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स के तेज गेंदबाज व मार्की प्लेयर आकाश दीप ने कहा, मेरा मानना है कि बंगाल प्रो टी 20 लीग युवा प्रतिभाओं के लिए एक बहुत बड़ा मंच है। सिलीगुड़ी कोलकाता से काफी दूरी पर स्थित है और बंगाल प्रो टी 20 लीग में इसका हिस्सा बनना सिलीगुड़ी की युवा प्रतिभाओं के लिए भी भविष्य की मजबूत राह है। अरिवा स्पोर्ट्स द्वारा संचालित बंगाल प्रो टी 20 लीग की शुरुआत आईपीएल की तर्ज पर की गई है जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं।

पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल 2024: गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

पोर्टलैंड। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने चल रहे पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल 2024 में पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। गुलवीर ने 13ः18.92 का समय निकाला और पुरुषों की एलीट 5000 मीटर दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे, जो यूएसए के डायलन जैकब्स से ठीक नीचे था, जिन्होंने 13ः18.18 का समय निर्धारित किया था। जबकि केन्या के वेस्ले किप्टू ने 13ः21.77 का समय निकाला और तीसरे स्थान पर रहे।

वर्तमान में, भारतीय एथलीट पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी रखते हैं। इससे पहले, राष्ट्रीय रिकॉर्ड अविनाश साबले के नाम था, जिन्होंने 13:19.30 का समय लिया था, जिसे उन्होंने साउंड रनिंग ऑन ट्रैक फेस्ट 2023 में बनाया था। इससे पहले साबले ने पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल में 5000 मीटर स्पर्धा में हिस्सा लिया था, लेकिन वह रेस पूरी नहीं कर पाए। भारत के कार्तिक कुमार 13:41.07 का समय लेकर 17वें स्थान पर आए।

भारतीय एथलीट अभी तक पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा के लिए पेरिस 2024 ओलंपिक प्रवेश मानक 13:05.00 को पार नहीं कर पाए हैं। इस बीच, महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में अंकिता ध्यानी ने 15:35.06 में अपनी रेस पूरी की और 15वां स्थान हासिल किया। जबकि नीदरलैंड की सिफान हसन ने 14:43.85 में रेस पूरी करके शीर्ष स्थान हासिल किया। दूसरी ओर, संजीवनी जाधव 15:31.60 में दौड़ पूरी करने के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। यूएसए की क्लेयर ग्रीन ने 15:30.46 समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। जबकि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के ज़िउ जेन मा (15ः31.86) तीसरे स्थान पर रहे। साबले ने 2024 एथलेटिक्स सीज़न की अपनी पहली 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस में 8ः21.85 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। भारत की संजीवनी जाधव ने महिलाओं की 10,000 मीटर स्पर्धा जीती, जबकि पारुल चौधरी महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज रेस में तीसरे स्थान पर रहीं।

एफआईएच प्रो लीग में भारत के प्रदर्शन पर हरमनप्रीत ने कहा-हमने शानदार लचीलापन और टीम वर्क दिखाया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में अपने अभियान का समापन किया, जिसमें 8 जीत और 8 हार शामिल है। वर्तमान में, भारतीय टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित नौ मजबूत टीमों ने भाग लिया। एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में भारत ने रविवार को अपना 16वां और अंतिम मैच खेला, जिससे एक गहन और प्रतिस्पर्धी सीज़न का समापन हुआ। उल्लेखनीय रूप से, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया और भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। अपने नाम 12 गोल के साथ, वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स और नीदरलैंड के जिप जानसेन के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त अग्रणी गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। हरमनप्रीत की स्कोरिंग क्षमता स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से 8 और पेनल्टी स्ट्रोक से 4 गोल किए।

समीरा रेड्डी पर ब्रेस्ट सर्जरी करवाने के लिए डाला गया था प्रेशर? एक्ट्रेस ने कहा-मुझे खुद को अंदर से...

बॉलीवुड सितारों के बदलते लुक को देखकर अक्सर फैंस हैरान रह जाते हैं। कभी एकदम सामान्य से दिखने वाले उनके पसंदीदा स्टार की नाक से लेकर उनका बॉडी शेप कैसे इतना ज्यादा परफेक्ट है, ये सवाल लोगों को कई बार परेशान करता है। फिलर से लेकर बोटॉक्स और नोज-जॉब और लिप सर्जरी करवाना बेहद ही आम हो चुका है। कई सितारे खुद भी ये मान चुके हैं कि उन्होंने खूबसूरत दिखने के लिए फिलर जैसी चीजों का सहारा लिया है।

हालांकि, कुछ ऐसी हैं, जिन्होंने किसी की भी सलाह से अपनी नैचुरल बॉडी संग कोई छेड़छाड़ नहीं की है, इनमें से एक नाम है समीरा रेड्डी का। हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि जब वह इंडस्ट्री में अपने करियर में टॉप पर थीं, तो उन पर ब्रेस्ट सर्जरी करवाने के लिए प्रेशर डाला गया था।

इस वजह से समीरा रेड्डी पर डाला गया था सर्जरी का प्रेशर ?

समीरा रेड्डी फिल्मों से भले ही दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। 45 साल की उम्र में उनके खूबसूरत लुक को देखकर फैंस एक्ट्रेस की तारीफ करते हुए नहीं थकते हैं।

हालांकि, हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में समीरा रेड्डी ने बताया कि जब वह अपने करियर के पीक पर थीं, तो उन पर ये काफी प्रेशर बनाया जाता था कि वह सर्जरी करवा लें। एक्ट्रेस ने कहा,मैं बता भी नहीं सकती जब मैं अपने करियर के टॉप पर थी, तो मुझपर ब्रेस्ट सर्जरी करवाने के लिए कितना ज्यादा प्रेशर डाला जाता था। कई लोग मुझे बोलते थे, समीरा सब लोग कर रहे हैं, आप क्यों नहीं, लेकिन मैं अपने अंदर ऐसा कुछ नहीं चाहती थी।

प्लास्टिक सर्जरी करवाने को लेकर समीरा ने कही ये बात

समीरा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, इनमें कुछ लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मेरी मदद की और मुझे सर्जरी जैसी चीजों से दूर रखने में मदद की। ये ऐसा ही है, जैसे अपने अंदर आप किसी चीज की कमी को छुपा रहे हैं, लेकिन ये आपमें कोई कमी नहीं है, यही आपकी जिंदगी है।मैं उन लोगों को बिल्कुल भी जज नहीं करती हूं, जो बोटॉक्स और प्लास्टिक सर्जरी करवाते हैं, लेकिन मेरे लिए खूबसूरती का मतलब अंदर से महसूस करना है। समीरा रेड्डी की फिल्मों की बात करें तो वह फिल्म मैंने दिल तुझको दिया, डरना मन है, प्लान, मुसाफिर, नो एंट्री और रेस जैसी फिल्मों में काम किया।

दूसरे पति को गर्लफ्रेंड के साथ देख भड़कीं दलजीत कौर, फिर एक बार साधा निशाना

बिग बॉस फेम दलजीत कौर अपने दूसरे पति निखिल पटेल से अलग हो गई हैं. दलजीत ने इंडिया आने के बाद निखिल पर कई संगीन इल्जाम लगाए हैं. उन्होंने कहा कि निखिल उनकी शादी को मानने के लिए तैयार नहीं हैं. उन्होंने दलजीत से सारे रिश्ते तोड़ दिए हैं.

और अब उनका किसी और के साथ एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर चल रहा है. हालांकि निखिल की तरफ से दावा किया गया है कि दलजीत उन पर झूठे इल्जाम लगा रही हैं. और अगर उन्होंने इसी तरह से उनके बारे में झूठी खबरें फैलाना जारी रखा, तो वो उन पर कानूनी कार्रवाई करेंगे. निखिल की इस धमकी के बावजूद दलजीत ने उन पर फिर एक बार निशाना साधा है.भले ही निखिल दलजीत से रिश्ता तोड़कर अपने जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं, लेकिन दलजीत इतनी आसानी से उन्हें जाने नहीं देना चाहतीं. दरसल निखिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की थी.

कॉफी डेट की इस तस्वीर में निखिल ने एसएन का नाम लिखा है (दलजीत के मुताबिक एसएन निखिल की कथित गर्लफ्रेंड का नाम है) दलजीत ने निखिल की ये पोस्ट शेयर करते हुए लिखा,ये देखकर लग रहा है कि इनका प्यार रोके नहीं रुक रहा है. एक तरफ तुम मुझे नोटिस भेज रहे हो, और दूसरी तरफ उसके साथ जो कर रहे हो, वो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हो, मुझे इस तरह से पोक करना बंद करो, निखिल पटेल.

मिटा दी दलजीत से जुड़ी सभी आदतें

दलजीत ने तंज कसने के बाद भी निखिल चुप नहीं बैठे. उन्होंने अपनी एक्स-वाइफ पर पलटवार करने के लिए एक ऐसी पोस्ट शेयर की. जिसे देख दलजीत को बेहद दुख हुआ. दरअसल केन्या में शिफ्ट होने के बाद दलजीत ने निखिल के घर की दीवार अपने हाथों से पेंट की थी. अब निखिल ने दलजीत की पेंट की हुई दीवार पर सफेद रंग चढ़ाकर उस घर से दलजीत का हर रिश्ता मिटाने की कोशिश की है. निखिल की इस हरकत से दुखी दलजीत ने सोशल मीडिया पर ही अपने एक्स-हसबैंड को एक सवाल पूछा है. दलजीत ने निखिल से पूछा है कि 'दीवार को तो तुम मिटा दोगे, लेकिन सच्चाई को तुम कैसे छिपाओगे? सच कभी कमजोर नहीं होता है.'

अजय देवगन और तब्बू की जिस फिल्म का इंतजार हो रहा, उसको लेकर खुश करने वाली खबर आ गई

रीमेक और सीक्वल के दौर में अजय देवगन एक फ्रेश लव स्टोरी टाइप फिल्म लेकर आ रहे हैं. नाम है 'औरों में कहां दम था'. इस फिल्म में लंबे वक्त के बाद अजय देवगन और तब्बू रोमांटिक अंदाज़ में नज़र आने वाले हैं. पिछले महीने फिल्म का छोटा सा टीज़र जारी किया गया था, जिसे देखने के बाद फिल्म को लेकर फैंस की उत्सुकता सातवें आसमान पर जा पहुंची. अब औरों में कहां दम था को लेकर ऐसी खबर आई है, जिससे फैंस खुशी से झूम उठेंगे.

टीज़र जारी करते वक्त मेकर्स ने बताया था कि जल्द ही इसका ट्रेलर भी आएगा. नीरज पांडे के निर्देशन में बनी इस फिल्म के ट्रेलर रिलीज़ को लेकर अब बड़ा अपडेट आ गया है. पिंकविला ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अजय और तब्बू की इस फिल्म का ट्रेलर 13 जून को रिलीज़ कर दिया जाएगा.

अजय देवगन और तब्बू की जोड़ी

अजय देवगन और तब्बू बॉलीवुड की उन जोड़ियों में शुमार हैं, जिन्होंने साथ में कई फिल्में की हैं. 2015 में आई दृश्यम के बाद से लगातार दोनों सितारे साथ में दिख रहे हैं. 2017 में आई गोलमाल अगेन, 2019 में आई दे दे प्यार दे, 2022 में आई दृश्यम 2 और 2023 में आई भोला में भी दोनों सितारे साथ दिखे थे. हालांकि इन फिल्म में दोनों के बीच इंटेंस लव स्टोरी नहीं दिखी थी. पर अब लंबे समय के बाद किसी फिल्म में दोनों रोमांटिक किरदार निभाने वाले हैं.

अजय और तब्बू की ये फिल्म एक रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा होने वाली है. इसकी कहानी 2000 से शुरू होगी और 2023 तक जाएगी. खास बात ये है कि इस फिल्म का संगीत ऑस्कर विनिंग म्यूजिक डायरेक्टर एमएम कीरवानी ने दिया है. लिरिक्स मनोड मुंतशिर ने लिखे हैं. इस फिल्म में अजय-तब्बू के अलावा जिम्मी शेरगिल, शांतनु महेश्वरी और सई मांजरेकर भी हैं. फिल्म 5 जुलाई को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी.

क्या Zaheer Iqbal संग शिफ्ट हो चुकी हैं Sonakshi Sinha, 13 दिन बाद सात फेरे लेगा कपल ?

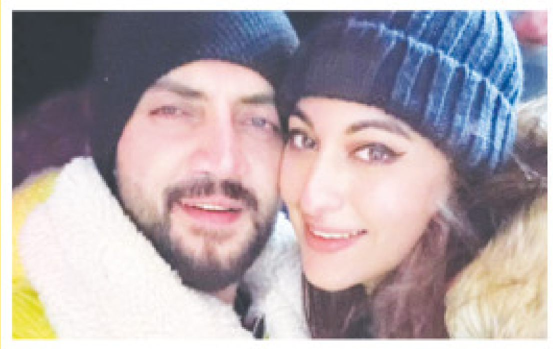

बॉलीवुड गलियारों और मीडिया में इस वक्त दबंग एक्ट्रेस सोनाक्षी सिंह की शादी की चर्चा आग की तरह फैल रही हैं। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड जहीर इकबाल की दुल्हन बनने जा रही हैं।

दोनों काफी समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन कभी मीडिया के सामने अपने प्यार को नहीं कबूला है। इन खबरों के बीच कपल को लेकर एक नया खुलासा हुआ है। कहा जा रहा है कि दोनों कुछ समय से एक साथ रह रहे हैं।

क्या लिविन में रह रहे हैं सोनाक्षी और जहीर ?

हिंदुस्तान टाइम्स में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया गया

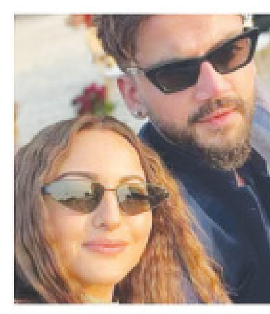

है कि कुछ समय पहले ही सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल एक साथ रहने लगे हैं। बीते साल सितंबर में खबर सामने आई थी कि सोनाक्षी ने बांद्रा के केसी रोड पास स्थित 81 ऑरियट बिल्डिंग में नया अपार्टमेंट खरीदा है। अभिनेत्री का ये घर 2208.7 वर्ग स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। इसके अलावा सोनाक्षी को बिल्डिंग में 4 कार पार्किंग भी शामिल है।

23 जून को होगी शादी ?

बता दें, इस कपल की शादी की तारीख 23 जून बताई जा रही हैं। इस शादी में दोनों के परिवार वाले और कुछ दोस्त ही शामिल होंगे। दोनों की शादी का जश्न शिल्पा शेट्टी के रेस्तरां बास्टियन में होगा।

छप गए हैं शादी के कार्ड

इतना ही नहीं इस कपल की शादी का कार्ड भी छप गए हैं, जिसे एक मैगजीन कवर की तरह डिजाइन किया गया है और उस पर लिखा है- अफवाहें सच हैं ☞

कपल की लव स्टोरी

कहा जाता है कि सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की पहली मुलाकात सलमान खान द्वारा आयोजित एक पार्टी में हुई थी। दोनों पहले अच्छे दोस्त बने और फिर ये दोस्ती प्यार में बदल गई। इस कपल ने फिल्म डबल एक्सएल में भी काम किया था।